शर्मा हार्डওৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 72 | गुवाहाटी | शनिवार, 7 अक्तूबर, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

मंत्री पीयूष ने शोणितपुर में मिशन वसुंधरा दो का लिया जायजा — पेज 3
भारत ने तंजानियाई सेना को उपहार में दिए मेड इन इंडिया इन्फैंट्री सिम्युलेटर... — पेज 4
रक्तदान के लिए जागरूकता जरूरी : योगी आदित्यनाथ — पेज 5
जिंदगी से बड़ी सजा ही नहीं, और जुर्म क्या है पता ही नहीं, बेवजह राजनीति... — पेज 8

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(অসমীয়া দৈনিক)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

जो मनुष्य संयम के साथ, विद्यार्जन करता है, और अपने विद्या से सब का परोपकार करता है। उसकी पूजा सिर्फ इस लोक मे नहीं वरन परलोक में भी होती है।

– ईश्वर चंद्र विद्यासागर

वामपंथी उग्रवाद दो वर्ष पूर्णत: हो जाएगा खत्म : गृहमंत्री

नई दिल्ली। गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को नक्सल प्रभावित राज्यों में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की जहां 2010 की तुलना में 2022 में हिंसक घटनाओं में 77 प्रतिशत की कमी आई है। समीक्षा बैठक में महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश और झारखंड के मुख्यमंत्रियों ने भाग लिया। बैठक में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस भी शामिल हुए, वहीं ओडिशा, बिहार, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व राज्य के मंत्रियों ने किया। इस दौरान गृह मंत्री शाह ने कहा कि नक्सलवाद मानवता के लिए अभिशाप है और हम इसे इसके सभी रूपों में उखाड़ फेंकने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने दावा किया कि दो वर्ष में देश से वामपंथी उग्रवाद का पूरी तरह सफाया हो जाएगा। अधिकारियों ने कहा कि पिछले पांच वर्षों में देश में वामपंथी उग्रवाद सुरक्षा स्थिति में महत्वपूर्ण सुधार हुआ है। केंद्र सरकार ने 2015 में *एलडब्ल्यूई से निपटने के लिए राष्ट्रीय नीति और कार्य योजना* को मंजूरी दी थी। अधिकारियों ने कहा कि नीति में सुरक्षा संबंधी उपायों, विकास हस्तक्षेपों, स्थानीय समुदायों के अधिकारों और हकदारियों को सुनिश्चित करने आदि को शामिल करते हुए एक बहु-आयामी रणनीति की परिकल्पना की गई है। उन्होंने कहा कि इस नीति के दृढ़ कार्यान्वयन से देश भर में वामपंथी हिंसा में लगातार गिरावट आई है। परिकल्पना में सुरक्षा संबंधी उपाय, विकास संबंधी कामकाज, स्थानीय समुदायों के अधिकार और हकदारी सुनिश्चित करना आदि शामिल हैं। -शेष पृष्ठ दो पर

सिक्किम : सात जवानों समेत 40 लोगों की मौत, तीस्ता नदी में मिले 22 शव

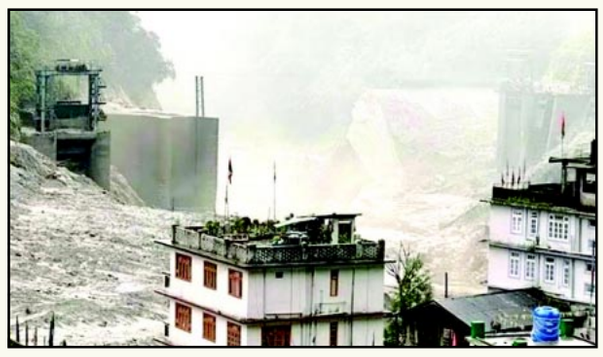

गंगटोक। पश्चिम बंगाल में जलपाईगुड़ी, सिलीगुड़ी और कूचबिहार में तीस्ता नदी से पांच महिलाओं सहित 22 शव बरामद किये गए हैं। अनुमान है कि ये लोग पड़ोसी राज्य सिक्किम के उत्तरी हिस्से में बुधवार को बादल फटने के बाद उभरी हिमालयी हिमनद झील में बाढ़ में बह गए थे। सूत्रों ने शुक्रवार को कहा कि कुल 22 शवों में से 15 जलपाईगुड़ी जिले के तीस्ता बैराज क्षेत्र के तहत विभिन्न गैर सरकारी संगठनों के स्वयंसेवकों और बचाव कर्मियों को मिले, चार सिलीगुड़ी क्षेत्र में और शेष कूचबिहार जिले में पाए गए, जहां से सूजन वाली तीस्ता नदी सिक्किम से अपना मार्ग पार करती है और निकलती है। सूत्रों ने बताया कि शव चार और पांच अक्तूबर बरामद किये गए। सूत्रों ने बताया कि सभी शवों को संबंधित जिला पुलिस थाने ने अपने कब्जे में ले लिया है और उनकी पहचान होने तक उन्हें सुरक्षित रखने के लिए मुर्दाघर में रख दिया है। सूत्रों ने बताया कि मृतकों में चार सेना के जवान है। बरामद किए गए शवों में से पांच की पहचान गोपाल मद्दी, एल नायक भवानी सिंह चौहान, एल नाकिक एनजी प्रसाद, राहुल मोदक और बिमल ओरान के रूप में की गई है। अचानक आई बाढ़ में बुधवार -शेष पृष्ठ दो पर

सिक्किम में फंसे छात्रों को सुरक्षित लाने के लिए कार्रवाई : सीएम

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को कहा कि राज्य सरकार ने वरिष्ठ अधिकारियों को बाढ़ प्रभावित सिक्किम भेजकर वहां फंसे राज्य के छात्रों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि असम के कुल 160 छात्र वहां फंसे हैं। शर्मा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि सिक्किम में हालात को देखते हुए हमने रोंगपो और मजिटर के हमारे 160 छात्रों की वापसी प्रक्रिया की निगरानी -शेष पृष्ठ दो पर

नई टेक्नोलॉजी सीखनी ही होगी : सीजेआई

नई दिल्ली। देश के मुख्य न्यायधीश डीवाई चंद्रचूड़ बॉम्बे हाई कोर्ट के जजों पर भड़क उठे। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि देश का कोई भी उच्च न्यायालय दो सप्ताह के बाद वकीलों और वादकारियों को हाइब्रिड मोड के माध्यम से वीडियो कॉन्फ्रेंस या सुनवाई की पहुंच से इनकार नहीं कर सकता है। यह कहते हुए कि प्रौद्योगिकी अब न्यायाधीशों के लिए पसंद का मामला नहीं है, भारत के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने कहा कि यदि आप न्यायाधीश बनना चाहते हैं तो आपको तकनीक के अनुकूल होना होगा। सर्वेश माथुर बनाम पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल के मामले में हो रही सुनवाई के दौरान सीजेआई चंद्रचूड़ ने देखा कि बॉम्बे हाई कोर्ट के जस्टिस गौतम पटेल के अलावा हाई कोर्ट के एक या दो जज ही नई टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कर रहे थे। सीजेआई चंद्रचूड़ और जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ ने यह सुनिश्चित करने के लिए कई निर्देश जारी किए कि हाइब्रिड मोड को भंग न किया जाए। पीठ ने कहा कि हम केंद्रीय आईटी मंत्रालय को ऑनलाइन सुनवाई तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए पूर्वोत्तर राज्यों की अदालतों -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

धनबल को पूर्णत: नियंत्रित किया जाए : सीईसी

नई दिल्ली। पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों के कार्यक्रम की घोषणा से पहले चुनाव आयोग ने शुक्रवार को बैठक की। इस दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने पर्यवेक्षकों के साथ एक बैठक की और उनसे यह सुनिश्चित करने को कहा कि धनबल की समस्या को पूरी तरह से नियंत्रित किया जाए। चुनाव आयोग के पुलिस, सामान्य और व्यय पर्यवेक्षकों की दिनभर चली बैठक का उद्देश्य यह सुनिश्चित करने के -शेष पृष्ठ दो पर

यूट्यूब, एक्स और टेलीग्राम को आईटी की नोटिस

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्र सरकार के इलेक्ट्रॉनिक और आईटी मंत्रालय ने बाल यौन शोषण सामग्री को लेकर शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स, यूट्यूब और टेलीग्राम को नोटिस जारी किया है। नोटिस में सोशल मीडिया को यह सुनिश्चित करने को कहा गया है कि वे किसी भी प्लेटफॉर्म पर बाल यौन शोषण सामग्री न परोसे और उसे ब्लॉक करने की व्यवस्था रखें। नोटिस में चेतावनी -शेष पृष्ठ दो पर

पाकिस्तान में एटमी प्लांट के पास जबरदस्त धमाका

इस्लामाबाद (हि.स.)। पाकिस्तान के डेरा गाजी खान में सबसे बड़े परमाणु संयंत्र के पास धमाका हुआ है। यह परमाणु प्लांट पिछले कुछ महीनों से पाकिस्तान में हमले कर रहा पिछले कई सालों से तहरीक-ए-तालिबान के निशाने पर है। हालांकि, इस हमले की अभी तक किसी ने जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन तालिबान ने पहले इस परमाणु इकाई पर हमले की कई धमकियां दी हैं। इस धमाके के पीछे ड्रोन हमले की आशंका -शेष पृष्ठ दो पर

अरुणाचल में पंचायत उपचुनाव 6 नवंबर को

इटानगर (हि.स.)। अरुणाचल प्रदेश राज्य चुनाव आयोग ने आज पंचायत के लिए दूसरे उपचुनाव के तारीखों की घोषणा की। मतदान आगामी 6 नवंबर को मतदान होगा, जहां राज्य के 23 जिलों के भीतर लगभग 73 मतदान केंद्रों पर उपचुनाव होगा। आज यहां राज्य चुनाव आयोग रिनचीन ताशी ने अपने कक्ष में मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए बताया कि दिसंबर 2020 को हुए पंचायत के चुनाव के बाद विभिन्न कारणों से मृत्यु, इस्तीफे आदि के कारण राज्य में -शेष पृष्ठ दो पर

रक्षा शो, हथियारों और उपकरणों की पहली प्रदर्शनी होगी गुवाहाटी में

नई दिल्ली। गुवाहाटी में पहला दो दिवसीय रक्षा शो का आयोजन होने जा रहा है। यह शो पूर्वोत्तर सेना और असम सरकार के वाणिज्य व उद्योग विभाग द्वारा 10 अक्तूबर को आयोजित किया जा रहा है। इस शो के द्वारा भारतीय सेना और पूर्वी कमान की परिचालन चुनौतियों और आवश्यक अत्याधुनिक तकनीकों को हल करने की एक पहल है। इस ईस्ट शो 2023 में सेना और पूर्वी कमान की परिचालन चुनौतियों और आवश्यक -शेष पृष्ठ दो पर

झटका : शुभमन गिल विश्व कप के कई मैच खेल नहीं पाएंगे

नई दिल्ली। विश्व कप 2023 के शुरू होते ही भारतीय क्रिकेट टीम को एक बड़ा झटका लगा। भारतीय क्रिकेट प्रेमियो के लिए निराशा भरी खबर सामने आई है। दरअसल, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व कप के शुरुआती मैच से पहले भारतीय टीम की चिंताएं बढ़ गई हैं क्योंकि इन-फॉर्म शुभमन गिल को डेंगू से पीड़ित हो गए है जिससे उनकी हालत थोड़ी खराब बताई जा रही है और टीम के धुआंधार बल्लेबाज शुभमन का रविवार को यहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले मैच में खेलना संदिग्ध है। गिल के बाहर होने की स्थिति में इशान किशन पारी की शुरुआत कर सकते हैं। -शेष पृष्ठ दो पर

कॉमेडियन कपिल शर्मा ईडी के शिकंजे में

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता रणबीर कपूर के बाद, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को महादेव बुक्स कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच के सिलसिले में हुमा कुरैशी, कपिल शर्मा और हीना खान जैसी मशहूर हस्तियों को तलब किया। ईडी के एक सूत्र ने कहा कि एजेंसी ने उन्हें छत्तीसगढ़ के रायपुर में उसके सामने पेश होने के लिए कहा है। वित्तीय जांच एजेंसी द्वारा बॉलीवुड अभिनेता रणबीर कपूर को तलब करने के एक दिन बाद यह घटनाक्रम सामने आया है। सूत्र ने कहा कि कई मशहूर हस्तियां एजेंसी की जांच पर हैं और आने वाले दिनों में उन्हें पूछताछ के लिए बुलाया जाएगा। आरोप है कि कई मशहूर हस्तियों ने मोटी रकम के बदले महादेव बुक्स के मोबाइल गेमिंग एप्लिकेशन का समर्थन किया। सूत्र ने कहा कि यहां तक कि संयुक्त अरब अमीरात में फर्म के प्रमोटर सुनील चंद्राकर की भव्य शादी में भी कई बॉलीवुड हस्तियों ने भाग लिया था और वित्तीय जांच एजेंसी को पिछले महीने की गई तलाशी के दौरान होटलों के भुगतान और परिवहन विवरण का विवरण मिला था। आरोप है कि महादेव बुक्स ने दुबई में विवाह समारोह कार्यक्रम पर लगभग 200 करोड़ रुपए खर्च किए, जिसमें परिवार के सदस्यों को नागपुर से संयुक्त अरब अमीरात तक ले जाने के लिए निजी जेट किराए पर लिए गए। ईडी की जांच में यह भी पाया गया -शेष पृष्ठ दो पर

ईरान में कैद नरगिस मोहम्मदी को मिला नोबेल शांति पुरस्कार

स्टॉकहोम। ईरान में महिलाओं के उत्पीड़न के खिलाफ संघर्ष करने के लिए जेल में बंद कार्यकर्ता नरगिस मोहम्मदी को नोबेल शांति पुरस्कार दिया जाएगा। नॉर्वे नोबेल समिति के अध्यक्ष बेरिट रीस-एंडरसन ने शुक्रवार को ओस्लो में पुरस्कार की घोषणा की। रीस-एंडरसन ने कहा कि सबसे पहले यह पुरस्कार ईरान में पूरे आंदोलन के लिए बहुत अहम कार्य और उसकी निर्विवाद नेता नरगिस मोहम्मदी को मान्यता देने के लिए है। उन्होंने कहा कि पुरस्कार के प्रभाव पर निर्णय करना नोबेल समिति का काम नहीं है। हम आशा करते हैं कि यह, इस आंदोलन को चाहे जिस भी रूप में हो, जारी रखने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा। मोहम्मदी ने 2019 में हुए हिंसक प्रदर्शन के पीड़ितों के स्मारक पर आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लिया था जिसके बाद अधिकारियों ने उन्हें गत नवंबर में गिरफ्तार कर लिया था। रीस-एंडरसन ने बताया कि मोहम्मदी 13 बार जेल गईं और उन्हें पांच बार दोषी करार दिया गया, उन्हें कुल 31 साल कारावास की सजा सुनाई गई है। मोहम्मदी 19वीं महिला हैं जिन्हें नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया है जबकि यह उपलब्धि हासिल करने वाली वह दूसरी ईरानी महिला हैं। मोहम्मदी से पहले 2003 में शिरिन इबादी को शांति के नोबेल पुस्कार से सम्मानित किया गया था। मोहम्मदी हाल ही में 22 वर्षीय महसा अमीनी की मौत -शेष पृष्ठ दो पर

अब चांद पर फिर सक्रिय नहीं होंगे विक्रम लैंडर और रोवर

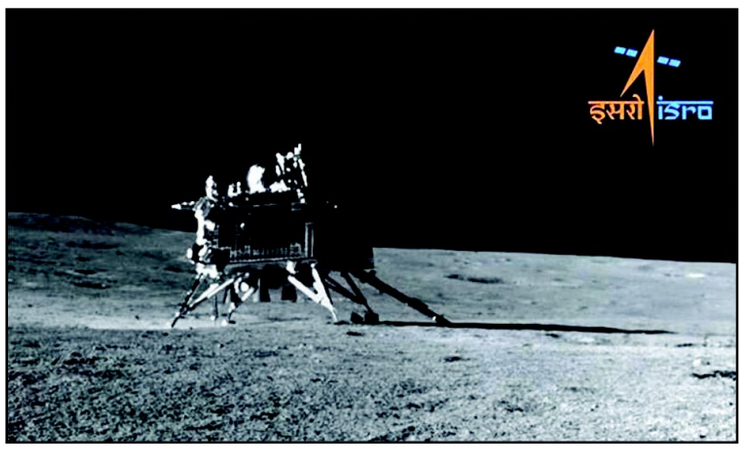

श्रीहरिकोटा। चंद्रयान-3 के लैंडर *विक्रम* और रोवर *प्रज्ञान* के पुन : सक्रिय होने की अब कोई उम्मीद नहीं है। यह बात शुक्रवार को एक जाने-माने अंतरिक्ष वैज्ञानिक ने कही, जो भारत के तीसरे चंद्र मिशन के संभावित अंत का संकेत है। मिशन से सक्रिय रूप से जुड़े रहे अंतरिक्ष आयोग के सदस्य एवं इसरो के पूर्व अध्यक्ष ए एस किरण कुमार ने कहा कि नहीं, नहीं, अब इसके फिर सक्रिय होने की कोई उम्मीद नहीं है। अगर यह होना होता, तो अब तक हो जाना चाहिए था। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने 22 सितंबर को कहा था कि नया चंद्र दिवस शुरू होने के बाद सौर ऊर्जा चालित विक्रम लैंडर और प्रज्ञान रोवर के साथ संपर्क स्थापित करने के प्रयास किए गए हैं ताकि उनके फिर से सक्रिय होने की संभावना का पता लगाया जा सके। इसने कहा था कि फिलहाल उनकी (लैंडर और रोवर) ओर से कोई संकेत नहीं मिले हैं और संपर्क स्थापित करने के प्रयास जारी रहेंगे। चंद्रयान-3 मिशन के साथ भारत ने 23 अगस्त को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव क्षेत्र में *सॉफ्ट लैंडिंग* कर इतिहास रच दिया था और ऐसा करने वाला यह दुनिया का पहला देश बन गया था। इसके साथ ही भारत चंद्रमा पर सफल सॉफ्ट लैंडिंग के साथ अमेरिका, पूर्ववर्ती सोवियत संघ और चीन के बाद ऐसा करने वाला विश्व का चौथा देश बन गया था। इसरो ने चंद्रमा पर रात होने से पहले क्रमश: 4 और 2 -शेष पृष्ठ दो पर

सूडान : गोलीबारी में 11 की मौत, 90 घायल

काहिरा। सूडान में खूनी हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही। हिंसा की शुरुआत सैन्य तख्तापलट के बाद सेना और अर्धसैनिक बलों में हुए टकराव के बाद हुई थी, जिसके बाद ये एक दूसरे के खून के प्यासे बन गए हैं। सूडानी सेना और अर्धसैनिक बल एक बार फिर आमने-सामने हो गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, हिंसाग्रस्त इलाकों में फिर हुई गोलीबारी में कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई और 90 अन्य घायल हुए हैं। सहायता समूह डॉक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स ने यह जानकारी दी। सहायता समूह ने शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि हमला वीरवार को -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

पंजाब सरकार में कैबिनेट मंत्री हरपाल सिंह चिम्मा सोनीपत लोकसभा प्रभारी नियुक्त

सोनीपत (हिंस)। आम आदमी पार्टी हरियाणा सोनीपत के लोकसभा प्रभारी की जिम्मेदारी पंजाब सरकार में कैबिनेट मंत्री हरपाल सिंह चिम्मा को सौंपी है। आम आदमी पार्टी के सोनीपत लोकसभा अध्यक्ष देवेन्द्र गौतम ने पार्टी ने बताया कि प्रदेश, लोकसभा, जिला, ब्लॉक, सर्किल स्तर पर संगठन को मॉनिटरिंग करने के लिए हरियाणा की सभी 10 लोकसभा में प्रभारी नियुक्त कर दिए हैं। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री संदीप पाठक ने सूची जारी कर दी है। सोनीपत लोकसभा में पंजाब सरकार के वित्तमंत्री सरदार हरपाल सिंह चिम्मा को प्रभारी नियुक्त किए गए हैं। लोकसभा के अंतर्गत आने वाली सभी 9 विधान सभाओं पर भी प्रभारी नियुक्त किए हैं। पार्टी के वरिष्ठ नेता के सानिध्य में काम करने का अनुभव प्राप्त होगा।

राहुल गांधी के पोस्टर को लेकर भाजपा-कांग्रेस में छिड़ा विवाद

राजस्थान में जेपी नड्डा के खिलाफ एफआईआर की मांग

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। राहुल गांधी के पोस्टर को लेकर जेपी नड्डा के खिलाफ राजस्थान में मामला दर्ज करने के लिए जयपुर कोर्ट में अर्जी दी गई है। यह अर्जी राजस्थान कांग्रेस नेता की ओर से दी गई है। अर्जी में जेपी नड्डा के खिलाफ धारा 499, 500 और 504 के तहत एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई है। दरअसल, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राहुल गांधी को दशानन के रूप में दर्शाते हुए एक पोस्टर साझा किया और उन्हें *नए युग का रावण* करार दिया, जिस पर कांग्रेस ने पलटवार करते हुए कहा कि यह उसके पूर्व अध्यक्ष के खिलाफ हिंसा भड़काने का प्रयास है, लेकिन पार्टी इससे डरने वाली नहीं है। भाजपा ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर कांग्रेस नेता की तस्वीर साझा करते हुए लिखा कि नए युग का रावण यहां है। वह बुरा है, धर्म विरोधी, राम विरोधी है, उसका लक्ष्य भारत को नष्ट करना है। ग्राफिक्स के माध्यम से फिल्म के पोस्टर की तरह तैयार इस तस्वीर के शीर्ष पर लिखा गया है भारत खतरे में है। साथ ही राहुल गांधी की तस्वीर पर *रावण* तथा तस्वीर के नीचे के हिस्से में ए कांग्रेस पार्टी प्रोडक्शन (कांग्रेस पार्टी द्वारा निर्मित) और *जॉर्ज सोरोस द्वारा निर्देशित* लिखा गया है। जॉर्ज सोरोस एक अमेरिकी अरबपति हैं और भाजपा उनपर भारत के खिलाफ एजेंडा चलाने का आरोप लगाती रही है। भाजपा के इस पोस्ट को लेकर सत्तारूढ़ पार्टी पर पलटवार करते हुए कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि भाजपा के आधिकारिक हैंडल पर राहुल गांधी को रावण के रूप में दिखाने वाले घटिया ग्राफिक के पीछे वास्तविक मंशा क्या है? इसका स्पष्ट रूप से एक ही मकसद है — एक कांग्रेस सांसद और पार्टी के पूर्व अध्यक्ष के खिलाफ हिंसा के लिए उकसाना और भड़काना, जिनके पिता और दादी की हत्या उन ताकतों ने की थी जो भारत को तोड़ना चाहते थे। रमेश ने एक्स पर दावा किया कि प्रधानमंत्री (नरेंद्र मोदी) का हर दिन झूठ बोलकर मानसिक रूप से बीमार होने और आत्ममुग्धता के विकार से पीड़ित होने का सबूत देना एक बात है। लेकिन अपनी पार्टी से इस तरह के घृणा से भरे कंटेंट बनवाना न केवल पूरी तरह से अस्वीकार्य है, बल्कि बेहद ख़तरनाक भी है। रमेश ने कहा कि हम डरने वाले नहीं हैं।

वाराणसी का रामेश्वर गांव देश के सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांव में चयनित

लखनऊ (हि.स.)। घरेलू पर्यटन के मामले में देश में पहले स्थान पर काबिज उत्तर प्रदेश रूरल टूरिज्म में काफी तेजी से आगे बढ़ रहा है। हाल ही में वाराणसी के रामेश्वर गांव का चयन देश के सर्वश्रेष्ठ 35 पर्यटन गांवों में हुआ है। इस श्रेणी में रामेश्वर को सिल्वर मिला है। गांव की खासियत यह है कि यहां ज्यादातर किसान आर्गेनिक खेती और बढ़ी संख्या में गो-पालन करते हैं। तकरीबन 1800 लीटर दूध प्रतिदिन यहां से बाजार में जाता है। यह जानकारी प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी। पर्यटन मंत्री ने बताया कि पंचकोशी परिक्रमा पथ का एक पड़ाव रामेश्वर भी है। इसलिए यहां प्रतिवर्ष लाखों श्रद्धालु और विदेशी पर्यटक आते हैं। राज्य सरकार प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए किसानों को कई सुविधायें उपलब्ध करा रही है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार पर्यटन तथा प्राकृतिक खेती को लोकप्रिय बनाने के लिए गंगा के किनारे स्थित विकास खण्डों में किसानों को प्राकृतिक खेती के लिए प्रोत्साहित कर रही है। प्रदेश में कुछ गॉवों को आदर्श ग्राम के रूप में चयनित किया गया है। इसके अलावा प्रदेश में रूरल टूरिज्म के तहत 229 गांवों का चयन किया गया है। इसमें वाराणसी जनपद का रामेश्वर गांव भी शामिल है। जयवीर सिंह ने बताया कि वाराणसी में प्रसिद्ध वरुणा नदी के तट पर रामेश्वर गांव स्थित है। इसे कुछ लोग करौना के नाम से भी प्रसिद्ध है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में इस समय रूरल टूरिज्म के तहत 229 गांवों का चयन किया गया है। इसमें एक गांव रामेश्वर भी है। स्थानीय लोगों के अलावा दूसरे राज्यों और विभिन्न देशों से भी लोग भ्रमण के लिए आते हैं। गांव में पर्यटक जनसुविधा केंद्र बनाया गया है। साथ ही वरुणा नदी के किनारे घाट का भी विकास किया गया है। ज्यादातर किसान जागरूक हैं और आर्गेनिक खेती कर रहे हैं। बढ़ी संख्या में गो-पालन भी करते हैं।

कफ सिरप की 9 हजार बोतलें जब्त

करीमगंज (हिंस)। करीमगंज पुलिस द्वारा असम-त्रिपुरा सीमा पर चुराईबारी में फिर भारी मात्रा में मादक पदार्थ जब्त किया गया है। पुलिस ने आज बताया कि नशीला कफ सिरप गुरुवार रात एक ट्रक से जब्त किया गया। कफ सिरप की लगभग 9 हजार बोतलें जब्त की गई हैं। इस कफ सिरप को लेकर ट्रक गुवाहाटी से त्रिपुरा की ओर जा रहा था। पुलिस ने इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार कर ट्रक (एएस-01एमसी-8589) को जब्त कर लिया गया है। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान बासुदेव दास और राहुल दास के रूप में हुई है।

राजौरी के शिविर में फायरिंग और ग्रेनेड विस्फोट की होगी कोर्ट ऑफ इंक्वायरी

जम्मू (हिंस)। सेना ने जम्मू संभाग के राजौरी जिले में एक शिविर के अंदर गुरुवार को अपने सहयोगियों पर गोलियां चलाने और ग्रेनेड विस्फोट करने वाले एक प्रमुख रैंक के अधिकारी को हिरासत में ले लिया गया है और उससे पूछताछ की जा रही है। थानामंडी के पास नीली चौकी पर हुई घटना में तीन अधिकारियों सहित पांच कर्मी घायल हो गए थे। सेना ने इस घटना की कोर्ट ऑफ इंक्वायरी के आदेश दिए हैं। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि स्थिति का जायजा लेने के लिए सेना के अधिकारी घटनास्थल पर पहुंच गए हैं। हमला करने वाले अधिकारी को हिरासत में ले लिया गया है और उससे पूछताछ की जा रही है। घटना की कोर्ट ऑफ इंक्वायरी के आदेश दे दिए गए हैं। शिविर में पिछले कई दिनों से गोलीबारी का अभ्यास चल रहा था। प्रमुख रैंक के अधिकारी ने गुरुवार दोपहर बिना किसी उकसावे के अपने सहयोगियों और अधीनस्थों पर गोलीबारी शुरू कर दी। सूत्रों ने बताया कि बाद में उसने शिविर के शस्त्रागार के अंदर शरण ली। जब कमांडिंग ऑफिसर ने अपने डिप्टी और मेडिकल ऑफिसर के साथ उसे आत्मसमर्पण करने के लिए मनाने के लिए इमारत के पास पहुंचे, तो अधिकारी ने ग्रेनेड फेंके।

आशा वर्करों ने मांगों की अनदेखी पर सरकार के पुतले की निकाली शव यात्रा

जींद (हिंस)। गांव ढाणी, राजपुरा भैण व जलालपुर कलां में आशा वर्करों की मांगों के समर्थन में और सरकार द्वारा की जा रही आशा वर्करों की अनदेखी करने के रोष स्वरूप शव यात्राएं निकाल रोष व्यक्त किया गया। सीटू जिला सचिव कपूर सिंह ने कहा कि आठ अगस्त से आशा वर्कर अपनी मांगों को लेकर लगातार हड़ताल पर है। हरियाणा सरकार ने डेढ़ महीने तक तो आशा वर्करों से कोई बात नहीं की, लेकिन जन एकता पंचायतों व गांवों में मिल रहे व्यापक समर्थन के बाद सरकार ने आशा वर्करों से बात करने का मन बनाया। सरकार के उच्च अधिकारियों के साथ तीन दौर की वार्ता पिछले 15 दिनों के दौरान हो चुकी है और आखिरी बार वार्ता 29 सितंबर को मुख्यमंत्री के ओएसडी राजेश

खुल्लर की अध्यक्षता में पांच घंटे बातचीत चली। आशा वर्करों के काम में रत्तीभर भी कमी सरकार को नजर नहीं आई है। अधिकारियों ने एक सप्ताह के अंदर मुख्यमंत्री से बातचीत करवाने का आश्वासन दिया, लेकिन एक सप्ताह हो चुका है। सरकार की तरफ से कोई बुलावा अभी तक आशा वर्करों के पास नहीं आया है। आशा वर्कर रिंपी ने कहा कि सरकार उनकी मांगों की तरफ कोई ध्यान नहीं दे रही है। जिसके चलते हड़ताल को 10 अक्तूबर तक बढ़ा दिया गया है। आठ अक्तूबर को प्रदेश की सभी आशा वर्कर्स करनाल में ललकार रैली में शामिल होंगी और जब तक मांगों का नोटिफिकेशन जारी नहीं होता तब तक गांव और शहर की कालोनियों में सरकार के खिलाफ मशाल जुलूस के कार्यक्रम जारी रहेंगे।

पृष्ठ एक का शेष

वामपंथी उग्रवाद दो ...

उन्होंने कहा कि इस नीति के लगातार कार्यान्वयन के परिणामस्वरूप देश भर में वामपंथी उग्रवाद की हिंसा में लगातार कमी आई है। उन्होंने कहा कि वामपंथी उग्रवाद से संबंधित हिंसक घटनाओं की संख्या में 2010 के उच्च स्तर के मुकाबले 2022 में 77 प्रतिशत की कमी आई है। वर्ष 2010 की तुलना में 2022 में सुरक्षा बलों और नागरिकों की मौतों की संख्या में भी 90 प्रतिशत की कमी आई है। केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा तैयार किए गए आंकड़ों के अनुसार, 2004 से 2014 तक, वामपंथी उग्रवाद से संबंधित 17,679 घटनाएं हुईं और 6,984 मौतें हुईं। इसके विपरीत, 2014 से 2023 तक (15 जून 2023 तक) वामपंथी उग्रवाद से संबंधित 7,649 घटनाएं हुई हैं और 2,020 मौतें हुई हैं।

सिक्किम : सात जवानों ...

सुबह छह बजे से सेना के 22 जवान लापता हैं। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भारी बारिश के कारण उत्तरी सिक्किम में हिमालयी हिमनद झील के किनारे टूटने से लगभग 100 लोग लापता हैं। सिक्किम में ल्होनक झील ओवरफ्लो हो गई जिसके परिणामस्वरूप बाढ़ आ गई। मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग ने बताया कि बुरदांग इलाके से लापता हुए सेना के 23 जवानों में से सात के शव निचले इलाकों के विभिन्न हिस्सों से बरामद कर लिए गए हैं जबकि एक को बचा लिया गया तथा 15 लापता जवानों की तलाश जारी है। उत्तर सिक्किम में ल्होनक झील के ऊपर बुधवार सुबह बादल फटने से अचानक आयी बाढ़ के बाद 15 जवानों समेत कुल 103 लोग अब भी लापता हैं। सिक्किम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एसएसडीएमए) ने अपने ताजा बुलेटिन में कहा कि अभी तक 2,411 लोगों को बचाकर राहत शिविरों में ले जाया गया है जबकि 22,000 से ज्यादा लोग इस आपदा से प्रभावित हुए हैं। बाढ़ से प्रभावित चार जिलों में 7,644 लोगों को 26 राहत शिविरों में पहुंचाया गया है। ल्होनक झील के ऊपर बादल फटने से तीस्ता नदी में अचानक आई बाढ़ के कारण भारी मात्रा में जल जमा हो गया और चुंगथांग बांध की ओर बह निकला। जल के तेज बहाव ने बिजली संयंत्र के बुनियादी ढांचे को नष्ट कर दिया और निचले इलाकों में बसे शहरों और गांवों में बाढ़ आ गई। बाढ़ से राज्य में 13 पुल बह गए, जिसमें अकेले मंगन जिले के आठ पुल शामिल हैं। गंगटोक में तीन और नामची में दो पुल बह गए। आपदा में छह लोगों की गंगटोक में तथा चार-चार लोगों की मंगन और पाकयोंग में मौत हुई। घटना के बाद से कुल 103 नागरिक लापता हैं। उनमें से 59 पाकयोंग से, 22 गंगटोक से, 17 मंगन से और पांच नामची से लापता हैं। बाढ़ ने सबसे ज्यादा तबाही चुंगथांग शहर में मचायी है और उसके 80 फीसदी हिस्सों पर इसका असर पड़ा है। राज्य की जीवनरेखा माने जाने वाले एनएच-10 को कई स्थानों पर भारी नुकसान पहुंचा है। इस बीच, तीस्ता बैराज के समीप निचले इलाके में सेना के 15 लापता जवानों की तलाश जारी है। मुख्य सचिव वी बी पाठक ने बताया कि सेना मौसम में सुधार होने पर उत्तर सिक्किम में लाचेन, लाचुंग और चुंगथांग इलाकों में फंसे करीब 3,000 पर्यटकों को निकालने का अभियान शुक्रवार को शुरू कर सकती है। उन्हें हवाई मार्ग से मंगन लाया जाएगा और उसके बाद सड़क मार्ग से गंगटोक ले जाया जाएगा।

सिक्किम में फंसे छात्रों ...

के लिए दो वरिष्ठ अधिकारियों को भेजा है। सेना के सूत्रों ने बताया कि राज्य के बक्सा जिले का रहने वाला सेना का एक जवान भी सिक्किम में लापता है। सिक्किम में ल्होनक झील के ऊपर बादल फटने से तीस्ता नदी में अचानक आयी बाढ़ के बाद मची तबाही में मरने वालों की संख्या शुक्रवार को बढ़कर 22 हो गई। उत्तर सिक्किम में ल्होनक झील के ऊपर बुधवार को सुबह बादल फटने से अचानक आयी बाढ़ के बाद 15 जवानों समेत कुल 103 लोग अब भी लापता हैं।

नई टेक्नोलॉजी सीखनी...

में इंटरनेट कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने का निर्देश देते हैं। इसने उच्च न्यायालयों को चार सप्ताह के भीतर हाइब्रिड या वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुनवाई तक पहुंच प्राप्त करने के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) लागू करने का भी निर्देश दिया। यह सुप्रीम कोर्ट द्वारा हाइब्रिड सुनवाई जारी रखने के संबंध में केंद्र सरकार और सभी 25 उच्च न्यायालयों से जवाब मांगने के लगभग तीन सप्ताह बाद आया है। शीर्ष अदालत की पीठ ने अधिकारियों को कार्यवाही संचालित करने के लिए वीडियो-कॉन्फ्रेंसिंग सुविधा की स्थिति के बारे में सूचित करने के लिए दो सप्ताह का समय दिया था।

अरुणाचल में पंचायत ...

पंचायत की कई सीटें खाली हुई थी, ऐसी सीटों पर उप चुनाव होगा। इस बार राज्य के 23 जिलों में दो जिला परिषद और 54 ग्राम पंचायत निर्वाचन क्षेत्रों की रिक्त सीटों के लिए उपचुनाव होने जा रहा है। लोवर सुबनसिरी और अंजॉ जिलों के दो जिला पार्षदों की मृत्यु के कारण सीटें रिक्त थीं। इन दो जिला परिषदों के साथ ही उपचुनाव के लिए रिक्त पड़े 54 ग्राम पंचायात की मतदाता सूची का विशेष सारांश संशोधन भी जनवरी माह में किया गया था और 25 सितंबर को पूरा किया गया था। आज पंचायत उपचुनाव के कार्यक्रम की घोषणा करते हुए, राज्य चुनाव आयोग ने बताया कि सार्वजनिक सूचना 9 अक्तूबर को जारी की जाएगी, नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया 16 अक्तूबर से शुरू होगी, जांच 18 अक्तूबर को होगा, 21 अक्तूबर को नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि होगी और मतदान 6 नवंबर को होगा और मतगणना 8 नवंबर को होगा। सभी चुनाव प्रक्रिया 10 नवंबर तक पूरी हो जाएगी। राज्य चुनाव आयोग ने स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण उपचुनाव के लिए आदर्श आचार संहिता की भी घोषणा की, जो संबंधित जिला परिषद और ग्राम पंचायत निर्वाचन क्षेत्र के अधिकार क्षेत्र में घोषणा की तारीख से प्रभावी होगा। उन्होंने बताया कि उपचुनाव के लिए पूरी तैयारी कर ली गई है, जिसमें सुरक्षा कर्मियों को छोड़कर 500 से अधिक चुनाव अधिकारी शामिल होंगे। इसके अलावा, राज्य भर में स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण उपचुनाव सुनिश्चित करने के लिए, उन्होंने सभी हितधारक मतदाताओं, उम्मीदवारों, राजनीतिक दलों और जनता से अपना पूर्ण समर्थन और सहयोग के लिए अपील की।

रक्षा शो, हथियारों ...

अत्याधुनिक तकनीकों में सुविधा प्रदान के लिए स्वदेशी निर्मित जैसे एमएसएमईएस, डीआरडीओ, डीपीएसयूस, आरएंडडी संगठन और एकेडमिक सहित बड़ी संख्या में आधुनिक और नवीनतम उपकरण तकनीकी प्रदर्शन करेंगे। असम सरकार और पूर्वोत्तर सेना द्वारा आयोजित इस शो का मुख्य उद्देश्य रक्षा क्षेत्र में ज्ञान को बढ़ावा देना है और प्रतिभागियों को अत्याधुनिक हथियारों और उपकरणों से परिचित कराना है। इस शो के दौरान आईआईटी गुवाहाटी के साथ विशिष्ट प्रौद्यगिकियों की एक सेमिनार और एआईआईएमएस के साथ चिकित्सा संगोष्ठी की योजना भी बनाई जा रही है।

झटका : शुभमन गिल...

हालांकि बीसीसीआई ने अभी तक बीमारी की प्रकृति की पुष्टि नहीं की है। बीसीसीआई के मेडिकल अपडेट में कहा गया है कि उनकी तबीयत खराब है, मेडिकल टीम उन पर करीब से नजर रख रही है। हम उम्मीद कर रहे हैं कि वह जल्द ही बेहतर हो जाएंगे। हमें मेडिकल टीम से और अपडेट के लिए इंतजार करना होगा। हाल के दिनों में वनडे में भारत के सबसे शानदार बल्लेबाज गिल कथित तौर पर तेज बुखार से पीड़ित हैं और इस मामले पर अंतिम फैसला लेने से पहले शुक्रवार को उनका डेंगू के लिए परीक्षण किया जाएगा। घटनाक्रम की जानकारी रखने वाले बीसीसीआई के एक सूत्र ने बताया कि चेन्नई में उतरने के बाद से शुभमान को तेज बुखार है। उनके टेस्ट किए जा रहे हैं। शुक्रवार को उनके टेस्ट होंगे और शुरुआती गेम में उनकी भागीदारी पर फैसला किया जाएगा। पता चला है कि गिल का डेंगू के लिए फिर से टेस्ट किया जा रहा है और अगर इसकी पुष्टि हो जाती है, तो वह कुछ मैचों से चूक सकते हैं। डेंगू से उबरने में एक खिलाड़ी को फिर से मैच-फिट होने में आम तौर पर 7-10 दिन लगते हैं। हालांकि, यदि प्लेटलेट काउंट में महत्वपूर्ण गिरावट होती है, तो इसमें अधिक समय लग सकता है। हालांकि गिल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नॉन-स्टार्टर हो सकते हैं, लेकिन इस बात की बहुत अधिक संभावना है कि अगर रिकवरी में अधिक समय लगता है तो वह अफगानिस्तान (11 अक्तूबर) और पाकिस्तान (14 अक्तूबर) के खिलाफ नहीं खेलेंगे। सूत्र ने कहा कि जल्दबाजी न करें। अगर यह सामान्य वायरल बुखार है, तो वह एंटीबायोटिक्स ले सकते हैं, लेकिन यह पूरी तरह से मेडिकल टीम का फैसला है। गिल ने इस सीज़न में 1,200 रन बनाए हैं, हाल ही में कप्तान रोहित शर्मा के साथ एक सफल ओपनिंग स्टैंड बनाया है। अगर वह लंबे समय तक अनुपस्थित रहते हैं तो यह भारतीय टीम के लिए बड़ा झटका हो सकता है।

कॉमेडियन कपिल शर्मा ...

कि शादी में परफॉर्म करने के लिए मशहूर हस्तियों को काम पर रखा गया था। वेडिंग प्लानर, डांसर, डेकोरेटर आदि को मुंबई से काम पर रखा गया था और नकद भुगतान करने के लिए हवाला चैनलों का इस्तेमाल किया गया था। ईडी ने आगे कहा कि कई मशहूर हस्तियां इन सट्टेबाजी संस्थाओं का समर्थन कर रही हैं और संदिग्ध लेनदेन के माध्यम से मोटी फीस के बदले में उनके कार्यों को अंजाम दे रही हैं, लेकिन अंततः ऑनलाइन सट्टेबाजी की आय से भुगतान किया जाता है। ईडी महादेव ऑनलाइन बुक बेटिंग ऐप की जांच कर रही है, जो अवैध सट्टेबाजी वेबसाइटों को नए उपयोगकर्ताओं को नामांकित करने, उपयोगकर्ता आईडी बनाने और बेनामी बैंक खातों के एक स्तरित वेब के माध्यम से धन की हेराफेरी करने में सक्षम बनाने के लिए ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म की व्यवस्था करने वाला एक प्रमुख सिंडिकेट है। 15 सितंबर को, ईडी ने कहा कि उसने मामले के सिलसिले में कोलकाता, भोपाल और मुंबई में तलाशी के बाद 417 करोड़ रुपए जब्त किए। एक बयान में, वित्तीय जांच एजेंसी ने कहा था कि ईडी ने हाल ही में कोलकाता, भोपाल, मुंबई आदि शहरों में महादेव ऐप से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग नेटवर्क के खिलाफ व्यापक तलाशी ली और बड़ी मात्रा में आपत्तिजनक सबूत हासिल किए और फ्रीज या जब्त कर लिया है। 417 करोड़ रुपए की अपराध आया।

ईरान में कैद नरगिस...

पर देशव्यापी विरोध प्रदर्शन के लिए जेल में थीं। अमीनी की देश की नैतिकता पुलिस द्वारा हिरासत में लिए जाने के बाद मृत्यु हो गई थी। उनकी मौत ने 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद ईरान में स्थापित धर्म आधारित शासन के समक्ष सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक चुनौती पेश की। अमीनी की मौत के बाद देश भर में शुरू हुए आंदोलन में 500 से अधिक लोग सुरक्षा बलों की कार्रवाई में मारे गए जबकि करीब 22 हजार लोगों को गिरफ्तार किया गया। हालांकि, कारागार में रहने के बावजूद मोहम्मदी ने द न्यूयॉर्क टाइम्स के लेख में योगदान दिया। उन्होंने लिखा कि सरकार जो संभवतः समझ नहीं पा रही है, वह यह है कि जितना हम लोगों पर बंदिश लगाई जाएगी उतने ही हम मजबूत होंगे। मोहम्मदी को नोबेल पुरस्कार से सम्मानित करने की घोषणा पर ईरान के सरकारी टेलीविजन और सरकार नियंत्रित मीडिया ने तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। कुछ अर्द्ध-आधिकारिक समाचार एजेंसियों ने ऑनलाइन संदेश में विदेशी मीडिया की खबरों के हवाले से, मोहम्मदी को नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित करने की घोषणा का पता चलने की बात स्वीकार की है। कारागार में डालने से पहले मोहम्मदी ईरान में प्रतिबंधित डिफेंडर ऑफ ह्यूमन राइट्स सेंटर की उपाध्यक्ष थीं। वह संस्था के संस्थापक इबादी की करीबी हैं। पेशे से इंजीनियर मोहम्मदी को 2018 में एंद्रेई साखारोव पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। नोबेल पुरस्कार में 1.1 करोड़ स्वीडिश क्रोनर (लगभग 10 लाख अमेरिकी डॉलर) का नकद पुरस्कार दिया जाता है। दिसंबर में पुरस्कार समारोह में विजेताओं को 18 कैरेट का स्वर्ण पदक और डिप्लोमा भी प्रदान किया जाता है। प्रतिष्ठित नोबेल शांति पुस्कार के विजेता का चुनाव नार्वे की विशेषज्ञ समिति ने 350 नामांकितों में से किया। पिछले साल का पुरस्कार यूक्रेन, बेलारूस और रूस के मानवाधिकार कार्यकर्ताओं ने जीता था, जिसे रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और उनके बेलारूसी समकक्ष और सहयोगियों के लिए कड़े संदेश के रूप में देखा गया था। नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित लोगों में दक्षिण अफ्रीका के रंगभेदी विरोधी नेता नेल्सन मंडेला, अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा, रूस के पूर्व राष्ट्रपति मिखाइल गोर्बाचेव और म्यांमा की लोकतंत्र समर्थक नेता आन सू ची शामिल हैं। स्टॉकहोम में चुने और घोषित किए जाने वाले अन्य नोबेल पुरस्कारों के विपरीत, पुरस्कार के संस्थापक अल्फ्रेड नोबेल ने वसीयत की है कि शांति पुरस्कार का निर्णय ओस्लो में पांच सदस्यीय नॉर्वे की नोबेल समिति करेगी जिसका गठन नार्वे की संसद द्वारा किया जाता है।

अब चांद पर फिर ...

सितंबर को लैंडर तथा रोवर को निष्क्रिय अवस्था (स्लीप मोड) में डाल दिया था, जिनके 22 सितंबर के आसपास अगले सूर्योदय पर फिर से सक्रिय होने की उम्मीद थी। लैंडर और रोवर को एक चंद्र दिवस की अवधि (पृथ्वी के लगभग 14 दिन) तक कार्य करने के लिए डिजाइन किया गया था। इसरो के अधिकारियों के अनुसार, चंद्रयान-3 मिशन के सभी तीन उद्देश्य हासिल कर लिए गए हैं जिनमें चंद्रमा की सतह पर सुरक्षित सॉफ्ट लैंडिंग, चंद्रमा पर घूमने वाले रोवर का प्रदर्शन और चंद्र सतह पर वैज्ञानिक प्रयोग शामिल हैं। चंद्रयान-3 मिशन की उपलब्धि के संबंध में किरण कुमार ने कहा कि बड़े अर्थों में, आपने निश्चित रूप से जो हासिल किया है वह यह है कि आप एक ऐसे क्षेत्र (दक्षिणी ध्रुव) पर पहुंच गए हैं, जहां कोई और नहीं पहुंचा है तथा उस क्षेत्र का वास्तविक डेटा प्राप्त नहीं किया है। यह वास्तव में बहुत उपयोगी जानकारी है। इससे बाद के अभियानों को ज्ञान के संदर्भ में और उन गतिविधियों की योजना बनाने के संदर्भ में लाभ होगा जो आप उस क्षेत्र में करना चाहते हैं। वैज्ञानिक ने इसरो द्वारा चंद्रमा से नमूने लाए जाने संबंधी मिशन शुरू करने की संभावना के बारे में भी बात की, लेकिन इस तरह का अभियान शुरू करने के लिए कोई समयसीमा नहीं दी। कुमार ने कहा कि हां, निश्चित रूप से भविष्य में यह सब वहां होगा क्योंकि ये सभी प्रौद्योगिकी क्षमताएं हैं जिन्हें आप विकसित करते रहते हैं, अब इसने (चंद्रयान-3) सॉफ्ट लैंडिंग की उपलब्धि हासिल की है और इसके बाद के अभियानों में वहां से सामग्री उठाई जाएगी तथा वापस लाई जाएगी, निश्चित तौर पर वे सभी मिशन होंगे। वैज्ञानिक ने कहा कि भविष्य में इनमें से कई चीजों पर काम होगा। योजनाएं बनाई जाएंगी और फिर प्रौद्योगिकी विकास के समग्र दृष्टिकोण के आधार पर प्रस्ताव रखे जाएंगे। कुमार ने कहा कि यह पूरी तरह से इस बात पर निर्भर करता है कि समग्र योजना कैसे बनती है, और कितने संसाधन उपलब्ध कराए जाते हैं, इसलिए यह (नमूना-वापसी मिशन के लिए समयसीमा) बताना बहुत मुश्किल है।

सूडान : गोलीबारी में ...

ओमडुरमैन शहर के करारी इलाके में हुआ और मृतकों में बच्चे भी शामिल हैं। जनरल अब्देल फतह बुरहान के नेतृत्व वाली देश की सेना और जनरल मोहम्मद हामदेन डगालो के नेतृत्व वाले अर्धसैनिक बल रैपिड सपोर्ट फोर्सेज के बीच अप्रैल के मध्य से तनाव खुले तौर पर संघर्ष में बदल गया। इसके बाद यह संघर्ष देश के कई हिस्सों में फैल गया, जिससे राजधानी खार्तूम और पड़ोसी ओमडुरमैन शहरी युद्धक्षेत्र में तब्दील हो गए। इस संघर्ष ने सूडान के पश्चिमी दारफुर इलाके में जातीय हिंसा को भी बढ़ावा दिया। सहायता समूह एमएसएफ ने कहा कि गुरुवार को हुए हमले में घायल हुए लोगों का इलाज ओमडुरमैन के अल नाओ अस्पताल में किया जा रहा है। सउदी अरब समेत कई खाड़ी देशों ने बढ़ती हिंसा पर लगाम लगाने के लिए कदम आगे बढ़ाए। सूडान की सेना और अर्धसैनिक बलों के बीच समझौता करवाने का प्रयास भी किया गया, लेकिन दोनों पक्ष जान के प्यासे बन गए। हालांकि, करीब 1 महीने तक थोड़ा शांति जरूर रही, लेकिन इसके बाद फिर हिंसा भड़क उठी। तब से लगातार हिंसा में आम नागरिक भी जान गंवा रहे हैं। सूडान की सेना और अर्धसैनिक बल एक दूसरे के आमने-सामने हैं। बता दें कि सूडान में अक्तूबर 2021 में सैन्य तख्तापलट हुआ था। उसके बाद से सेना और अर्धसैनिक बलों से जनरल एक संप्रभु परिषद के माध्यम से देश का नेतृत्व कर रहे हैं। इस परिषद का नेतृत्व सूडानी सेना के प्रमुख जनरल अब्देल फतह अल बुरहान कर रहे हैं, वहीं रैपिड सपोर्ट फोर्स के प्रमुख जनरल मोहम्मद हमदान डगलो संप्रभु परिषद के उपाध्यक्ष हैं। संप्रभु परिषद अर्धसैनिक बल रैपिड सपोर्ट फोर्स (आरएसएफ) को सूडानी सेना में शामिल करना चाहती थी, लेकिन आरएसएफ का कहना है कि करीब 10 साल तक वह सूडानी सेना में शामिल नहीं होंगे। वहीं, सूडानी सेन दो साल के आरएसएफ को अपने अंदर करने पर अड़ी हुई है। इसी मुद्दे पर पिछले हफ्ते तनाव बढ़ने के बाद आरएसएफ ने मेरोवे में सैन्य अड्डे के पास अपने लड़ाकों को तैनात किया था।

धनबल को पूर्णतः ...

लिए रणनीति को सुव्यवस्थित करना था कि आदर्श आचार संहिता प्रभावी ढंग से लागू हो और धन व बाहुबल चुनावों के दौरान समान अवसर को बाधित न करे। बता दें कि छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, तेलंगाना, मिजोरम और राजस्थान में नवंबर-दिसंबर में विधानसभा चुनाव होने की संभावना है। कुमार ने पीटीआई से कहा कि पर्यवेक्षकों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है कि चुनाव हिंसा मुक्त हों और धनबल की समस्या पर पूरी तरह से नियंत्रण हो। आयोग ने अब तक राजस्थान, मिजोरम, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में चुनावी तैयारियों का जायजा लिया है। इसने गुरुवार को तेलंगाना की अपनी यात्रा समाप्त की। चुनाव आयोग अगले कुछ दिनों में पांच राज्यों में चुनाव की तारीखों का एलान कर सकता है।

यूट्यूब, एक्स और ...

दी गई है कि सरकार के इन निर्देशों का पालन नहीं किया गया तो उन पर कार्रवाई की जाएगी। नोटिस में मंत्रालय ने कहा कि सोशल मीडिया प्लेटफार्म को इस तरह की व्यवस्था की जानी चाहिए जिससे बाल यौन शोषण से संबंधित कंटेंट अपने आप डिटेक्ट होकर ब्लॉक हो जाए। इसके लिए अपने एल्गोरिदम को बदलें और अपने रिपोर्टिंग प्रक्रिया को भी बदलें। नोटिस में कहा गया है कि यदि इन निर्देशों का पालन नहीं किया जाता है तो आईटी अधिनियम 2021 के नियम 3(1)(बी) और नियम 4(4) का उल्लंघन माना जाएगा और उन पर कार्रवाई की जाएगी। केंद्रीय कौशल विकास व उद्यमिता और इलेक्ट्रॉनिक्स व आईटी राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर ने बताया कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बाल यौन शोषण से जुड़े सामग्री को रोकने के लिए उन्हें नोटिस भेजा गया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को निर्देशों के पालन को सुनिश्चित करना होगा।

पाकिस्तान में एटमी ...

जताई जा रही है। डीजी खान में पाकिस्तानी सेना की न्यूक्लियर फैसिलिटी में हुए धमाके के बाद स्थानीय लोगों के अनुसार बड़ी संख्या में सुरक्षा बल और एम्बुलेंस और अग्निशमन वाहन न्यूक्लियर फैसिलिटी की ओर बढ़ रहे हैं। विस्फोट स्थल से 50 किमी दूर तक लोगों ने धमाके की आवाज सुनी। पाकिस्तानी सेना के परमाणु संयंत्र के पास हुए भीषण विस्फोट से डीजी खान को भारी नुकसान होने की खबर है। स्थानीय लोगों को संभावित विकिरण से बचाने के लिए जल्द से जल्द क्षेत्र छोड़ने के लिए कहा गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह सब तब हुआ है, जब तालिबान ने इस परमाणु इकाई पर हमले की कई धमकियां दी हैं। धमाका होने की जगह के करीब ही यूरेनियम का प्लांट भी लगा हुआ है। फिलहाल इस विस्फोट के कारणों का पता नहीं चल पाया है, लेकिन घटना के बाद सोशल मीडिया पर कई ऐसे वीडियो सामने आए हैं, जिसमें दिख रहा है कि डेरा गाजी खान की ओर सुरक्षा बलों की गाड़ियां सरपट भागी जा रही हैं, इनके साथ कई दमकल भी दिखाई दिए हैं। वायरल वीडियोज में लोग भी भागते हुए नजर आ रहे हैं, लेकिन अभी तक पाकिस्तानी सरकार की तरफ से इस पर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है और ना ही संबंधित विभाग ने कोई प्रतिक्रिया दी है।

जल-भराव की चपेट में गुवाहाटी का दृश्य

गुवाहाटी, (हिंस)। गुरुवार की रात हुई कुछ ही देर की बारिश में गुवाहाटी शहर जलमग्न हो गया। जल भराव की चपेट में गुवाहाटी इस तरह फंस गया कि आज सुबह से ही हर तरफ सड़कों पर जल जमाव और उसमें फंसी गाड़ियों का दृश्य नजर आ रहा है। वैसे तो गुवाहाटी के अधिकांश हिस्सों में जल जमाव की स्थिति है। लेकिन, राजधानी के तरुण नगर, नवीन नगर, जू रोड, चांदमारी, नूनमाटी, जीएस रोड, हाथीगांव, गणेशगुड़ी, भेटापाड़ा, बेहारबारी आदि इलाकों में स्थिति जटिल बनी हुई है। लोगों के घरों में पानी घुसकर सामानों को बर्बाद कर चुका है। प्रशासन द्वारा इस कृत्रिम बाढ़ की भयावहता को देखते हुए एक हेल्पलाइन नंबर 9365429314 जारी किए गए हैं। हर तरफ अफरा-तफरी की स्थिति देखी जा रही है। असम पुलिस और एसडीआरएफ की टीम किसी भी तरह की आपात स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है।

मंत्री पीयूष ने शोणितपुर में मिशन वसुंधरा दो का लिया जायजा

शोणितपुर (हिंस)। राज्य के सूचना एवं प्रसारण जल संसाधन आदि मामलों के मंत्री पीयूष हजारिका ने आज शोणितपुर के जिला आयुक्त कार्यालय में आयोजित एक बैठक के दौरान जिले में चल रहे विकास योजनाओं का जायजा लिया। बैठक के बाद सोशल मीडिया के जरिए मंत्री ने बताया कि आज शोणितपुर जिला आयुक्त कार्यालय में उप-मंडल स्तरीय भूमि सलाहकार समिति की बैठक में उन्होंने भाग लिया। इस दौरान उन्होंने राज्य में मिशन वसुंधरा 2.0 के हिस्से के रूप में भूमि से संबंधित समस्या समाधान की प्रगति पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि इस बैठक के दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा के दूरदर्शी मिशन वसुंधरा 2.0 के सफल कार्यान्वयन पर ध्यान केंद्रित किया है। जिसमें स्वदेशी समुदायों के लिए भूमि अधिकारों को सुरक्षित करने और उनके भूमि संबंधी मुद्दों के समाधान को सरल बनाने पर विशेष जोर दिया गया। उन्होंने इस कार्यक्रम में संदिग्ध व्यक्तियों या दलालों की किसी भी भागीदारी को रोकने के लिए

स्पष्ट निर्देश प्रदान किए। इसके अतिरिक्त, उन्होंने सभी को मिशन वसुंधरा 2.0 के माध्यम से सहायता मांगने वालों का सक्रिय रूप से समर्थन करने और यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि आदिवासी भूमि दूसरों के नाम पर पंजीकृत न हो। बैठक के दौरान उनके साथ विधायक पृथ्वीराज राव और कृष्ण कमल तांती के साथ-साथ जिला आयुक्त और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

मिजोरम में एक करोड़ की हेरोइन के साथ म्यांमार का नागरिक गिरफ्तार

एजल (हिंस)। भारत-म्यांमार सीमा पर स्थित मिजोरम में ड्रग्स की तस्करी धड़ल्ले से हो रही है। असम राइफल्स द्वारा आज आधिकारिक रूप से बताया गया कि ड्रग्स के खिलाफ असम राइफल्स के अभियान में भारी सफलता मिल रही है। इसी सिलसिले में सीमा शुल्क निवारक बल (मिजोरम) के साथ मिलकर असम राइफल्स ने मिजोरम के चंफाई जिले के सामान्य क्षेत्र मौलकावी (चंफाई- जोखावथार रोड) पर एक अभियान चलाया। इस अभियान के दौरान 1 करोड़ 4 हजार रुपए मूल्य की 149 ग्राम हेरोइन नंबर-4 बरामद की गई। हेरोइन के साथ म्यांमार के एक नागरिक को भी गिरफ्तार किया गया। इस सिलसिले में आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू की गई है।

विजिलेंस ने किया सेबा के दो अधिकारियों को गिरफ्तार

रिश्वत लेकर मैट्रिक के सर्टिफिकेट देते थे दोनों अधिकारी

गुवाहाटी (हिंस)। सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय, असम ने रिश्वतखोरी के मामलों में सरकारी अधिकारियों को शामिल करते हुए कई गिरफ्तारियां की हैं। आज न्यू गुवाहाटी में असम मध्यमिक शिक्षा परिषद (सेबा) की पंजीकरण शाखा में सहायक अधीक्षक सैयद अरिसुद्दीन अहमद को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया। इस ऑपरेशन ने पंजीकरण शाखा के प्रभारी अधीक्षक दीनबंधु कलिता से जुड़ी एक साजिश का पर्दाफाश किया। उन्हें अवैध लाभ के बदले शिकायतकर्ता के एचएसएलसी प्रमाणपत्र में हेरफेर करते हुए पकड़ा गया। उसी ऑपरेशन में, दीनबंधु कलिता को भी सेबा के भीतर भ्रष्टाचार के एक बेहद परेशान करने वाले मामले में, अपने अधीनस्थ सैयद अरिसुद्दीन अहमद के माध्यम से रिश्वत मांगने और स्वीकार करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। ठीक दो दिन पहले, 4 अक्तूबर को, सतर्कता और भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय, असम ने एक और सफल ऑपरेशन किया। पीएचई विभाग, नलबाड़ी के कार्यकारी अभियंता कार्यालय में कनिष्ठ सहायक जूनु कलिता को उनके कार्यालय में रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा गया था। उसी दिन एक दूसरे ऑपरेशन में, निदेशालय ने फिर से आपरेशन किया। लखीमपुर जिले के पानीगांव पुलिस स्टेशन के सब इंस्पेक्टर (यूबी) मेराफत अली को गिरफ्तार कर लिया। एसआई मेराफत अली को थाने में एक फरियादी से रिश्वत लेते हुए पकड़ा गया। निदेशालय द्वारा प्रत्येक दिन किसी न किसी सरकारी मुलाजिम को रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया जा रहा है। बावजूद इसके सरकारी मुलाजिम हैं कि रिश्वत लेने से बाज नहीं आ रहे हैं।

करीमगंज में 13 क्विंटल बर्मीज सुपारी जब्त

करीमगंज (हिंस)। असम-त्रिपुरा की सीमा पर स्थित करीमगंज जिला ड्रग्स तथा बर्मीज सुपारी के तस्करों के लिए सुरम्य चरागाह बना रहा है। प्रत्येक दिन जिले में ड्रग्स तथा बर्मीज सुपारी पकड़े जा रहे हैं। इसी कड़ी में आज करीमगंज पुलिस ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर चलाए गए एक अभियान के दौरान भारी मात्रा में बर्मीज सुपारी बरामद की गई है। अभियान के दौरान जब्त किए गए बर्मीज सुपारी के कुल 22 बोरे हैं, जिनका वजन लगभग 1320 किलोग्राम है। सुपारी के साथ 4 वाहन भी जब्त किए गए। हालांकि, पुलिस के पहुंचने की सूचना पाकर सुपारी तस्कर मौके से फरार होने में सफल रहे। घटना के दोषियों को पकड़ने के लिए तलाश जारी है।

युवा उद्योगपति डॉ. जीडी धानुका ने वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट 2024 के इंटरएक्टिव सत्र में लिया हिस्सा

गुजरात के उद्योग व अन्य विभागों के मंत्री बलवंतसिंह राजपूत के साथ विचारों को किया साझा

गुवाहाटी (विभास)। असम सहित पूर्वोत्तर के युवा उद्योगपति डॉ. घनश्याम दास धानुका ने नई दिल्ली में आयोजित वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट 2024 के इंटरएक्टिव सत्र में हिस्सा लेकर इस क्षेत्र का नाम देशभर में गौरंगवित किया है। नई दिल्ली के होटल ताज पैलेस में आयोजित वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल सबमिट 2024 के इंटरएक्टिव सत्र में गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल सहित गुजरात के कई मंत्री वह उच्च स्तरीय प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे। इस इंटरएक्टिव सत्र में देशभर से आए बड़े उद्योगपति व चुनिंदा नामचीन हस्तियां ने भी हिस्सा लिया। गुजरात सरकार में उद्योग, नागरिक उड्डयन, ग्रामीण विकास, श्रम और रोजगार मंत्री बलवंतसिंह राजपूत के साथ हुई विशेष बातचीत के दौरान डॉ. धानुका ने पूर्वोत्तर व गुजरात के

बीच वाणिज्यिक एवं औद्योगिक ढांचे को और अधिक मजबूती देने की दिशा में कई महत्वपूर्ण विचार रखें। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजनों से दोनों राज्यों लोगों को व्यापारिक फायदा भी होगा। साथ ही इसका सीधा लाभ दोनो राज्यों के सरकारी राजस्व को बढ़ाने में भी मदद करेगा। गुजरात सरकार के कैबिनेट मंत्री राजपूत ने डॉ. धानुका के इन विचारों एवं सुझावो का स्वागत किया। इस दौरान डॉ. धानुका ने सत्र में हिस्सा लेने वहा पहुंचे कई बड़े उद्योगपतियों के साथ असम सहित पूर्वोत्तर के सर्वांगीण विकास के लिए अपने विचार रखें। मालूम हो कि 10वां वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट 2024 का आयोजन आगामी 10 से 12 जनवरी के बीच गांधीनगर में आयोजित होना है, जिसमें बिज़नस लीडर, निवेसक, इन्नोवेटर कॉरपोरेट, पॉलिसी तथा ओपिनियन मेकर सहित प्रख्यात डिप्लोमेट्स पूरे विश्व से हिस्सा लेने गुजरात पहुंचेंगे। इस संदर्भ में डॉ. धानुका ने कहा कि इस समिट में हिस्सा लेने का मुख्य उद्देश्य असम सहित पूर्वोत्तर में मौजूद प्राकृतिक संपदा को इस मंच के माध्यम से विश्व पटल पर पहुंचना है, ताकि असम सहित पुरे पूर्वोत्तर को इसका लाभ मिले।

काजीरंगा में राष्ट्रीय वन्यजीव प्ताह कल तक

गोलाघाट (हिंस)। काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में राष्ट्रीय वन्यजीव सप्ताह-2023 आठ अक्तूबर तक चलेगा। ज्ञात हो कि यह 2 अक्तूबर से शुरू हुआ था। काजीरंगा दुनिया में एक सींग वाले गैंडों के लिए सबसे सुरक्षित स्थलों में से एक है। काजीरंगा को 1975 में राष्ट्रीय उद्यान के रूप में मान्यता दी गई थी। अब यह एक विश्व धरोहर स्थल है। यह भारतीय वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 के तहत कई जंगली जानवरों के लिए एक महत्वपूर्ण निवास स्थान भी है, जिसमें तेंदुए, एशियाई नस्ल की भैंस, गैंग हिरण, हाथी जैसे भारत के राष्ट्रीय जानवर शामिल हैं। काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान के आसपास के लोगों के सहयोग से वन्यजीव संरक्षण के सौ साल को पार कर पूरी दुनिया का ध्यान आकर्षित करने में सक्षम रहा है। अच्छे प्रबंधन और सहयोग ने कजरिंगा में गैंडों के साथ-साथ बाकी जंगली जानवरों की आबादी बढ़ाने में मदद की है। यह एक अच्छा संकेत है कि असम सरकार के विभिन्न विभागों के सहयोग से काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में गैंडों की हत्याओं को नियंत्रित किया गया है।

अणुव्रत उद्बोधन सप्ताह के अंतर्गत मना अनुशासन दिवस

गुवाहाटी। अणुव्रत अनुशास्ता आचार्य श्री महाश्रमणजी की प्रबल प्रेरणा एवं साध्वी श्री स्वर्णरेखाजी ठाणा-4 के पावन सान्निध्य एवं अणुव्रत विश्व भारती के निर्देशन में अणुव्रत समिति द्वारा अणुव्रत उद्बोधन सप्ताह के छठे दिन शुक्रवार को अनुशासन दिवस का आयोजन स्थानीय तेरापंथ धर्मस्थल में किया गया। इस अवसर पर साध्वी श्री स्वर्णरेखाजी ने फरमाया कि एक अच्छा जीवन जीने के लिए अनुशासन बहुत जरूरी है, जो लोग अपने जीवन को नियमों के साथ जीते हैं वह कामयाब बनते हैं। कार्यक्रम का शुभारंभ समिति की महिला सदस्यों द्वारा अणुव्रत गीत के संगान से किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि वीबी प्यारेलाल,

सेवानिवृत्त आईएएस एवं चेयरमैन, पैरेंट्स रिस्पोन्सिबिलिटी एंड नॉर्म्स फॉर एकाउंटबिलिटी एंड मॉनिटरिंग (प्रनाम) आयोग ने कहा कि पशु-पक्षी भी अनुशासन का पालन करते हैं। वह प्रात: निकलते हैं तथा सूर्यास्त से पहले अपने आश्रय स्थल पर लौट जाते हैं। मुख्य अतिथि का फुलाम गामोछा, अणुव्रत डायरी एवं साहित्य से सम्मान किया गया। उनका परिचय कार्यकारिणी सदस्य श्री सौरभ बोथरा ने दिया। कार्यक्रम का संचालन संयोजक श्री निर्मल बैद ने किया। इससे पूर्व वृहस्पतिवार को नशामुक्ति दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री मुन्ना प्रसाद गुप्ता, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (सीआईडी) सपत्नीक पधारे। उन्होंने अपने वक्तव्य में समाज में पनप रहे नशे के प्रचलन पर चिंता जताई। साध्वीश्रीजी ने किसी भी प्रकार के नशे से मुक्त रहने की प्रेरणा दी। अध्यक्ष श्री बजरंग बैद ने स्वागत वक्तव्य दिया। इस कार्यक्रम के संयोजक श्री सौरभ बोथरा थे। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी सदस्यों का अहम योगदान रहा। इस आशय की जानकारी संगठन मंत्री रंजू बरड़िया ने यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में दी।

मिजोरम : विधायक डॉ. के बेइछुआ ने सत्तारूढ़ एमएनएफ से दिया इस्तीफा

आइजल (हिंस)। मिजोरम में इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले सत्तारूढ़ दल मिजो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ) के विधायक डॉ. के बेइछुआ ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। उनके इस्तीफे से राज्य की राजनीतिक गरमा गई है। दरअसल, मिजोरम में राज्यमंत्री के रूप में कार्य कर चुके डॉ. के बेइछुआ को मुख्यमंत्री ने पार्टी की आंतरिक राजनीति के कारण मंत्री पद से हटा दिया था। गुरुवार को डॉ. के बेइछुआ ने एमएनएफ से इस्तीफा दे दिया। विधानसभा चुनाव से ठीक पहले उनके इस्तीफे से राज्य में राजनीति दिलचस्प मोड़ ले सकती है। डॉ. के बेइछुआ वर्ष 2018 में सियाहा बियाल सीट से एमएनएफ की टिकट पर विधायक चुने गए थे। माना जा रहा है कि वे भाजपा की टिकट पर सियाहा निर्वाचन क्षेत्र से विधानसभा चुनाव लड़ेंगे। वे यहां से एमएनएफ की टिकट पर दो बार चुनाव जीत चुके हैं।

विश्वनाथ व होजाई में व्रतधारी महिलाओं ने मनाया जीउतिया पर्व

विश्वनाथ (विभास)। राज्य के अन्य हिस्सों के साथ बिश्वनाथ जिले में भी व्रतधारी महिलाओं ने आज आश्विन मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि जीउतिया पर्व मनाया। यह पर्व तीन दिनों तक चलता है। इस पर्व की कल शुरुआत नहाय खाए से हुई। संतान की लंबी दीर्घायु के लिए मां जीउतिया पर्व पूरे निष्ठा के साथ पालन करती है। जानकारी के व्रतधारी महिलाएं कल मध्यरात्रि 3 बजे उठकर पूजा-अर्चना करके पानी ग्रहण के साथ 24 घंटे की निर्जला जीउतिया व्रत का शुरू किया। इधर आज निर्जला उपवास रखकर व्रतधारी महिला ब्रह्मपुत्र नद के विश्वनाथ घाट में जाकर गंगा स्नान के बाद कलश स्थापित कर पूजा अर्चना किया। इसके बाद बुजुर्ग व्रतधारी महिला व्रत कथा का वाचन करतीं हैं। इस पर्व की महत्ता पर प्रकाश डालती है। शनिवार को प्रात: 10 बजे व्रतधारी महिला पारण करके निर्जला व्रत का खंडन करेगी। उल्लेखनीय है कि इस व्रत को जीउतिया, जितिया, जीवित्पुत्रिका या जीमूतवाहन व्रत भी कहा जाता है। माताएं जीवित्पुत्रिका व्रत संतान प्राप्ति और उनके लंबी आयु की कामना के लिए रखती है। उल्लेखनीय है कि इस दिन गेहूं के आटे में गुड़ मिलाकर शुद्ध घी में पकवान बनाया जाता है। पुत्र के नाम का एक धागा माताएं अपने गले में धारण कर लेती हैं। इसकी पूजा प्रदोषकाल में करनी होती है। व्रत का पारण अष्टमी तिथि की समाप्ति के पश्चात किया जाता है। इस दिन शिव-पार्वती व जीमूतवाहन की पूजा की जाती है। पूजन सामग्री में पान, सुपारी, लौंग, पुष्प, धूप, दीप, दहीमिठाई, फल और गाय का गोबर आदि शामिल करें। **होजाई** से हमारे संवाददाता के अनुसार विश्वनाथ मंदिर परिसर के तालाब पर जीवित्पुत्रीकावर्त को लेकर माताओं में अपने संतान के प्रति सलामती और दीर्घ आयु की कामना भगवान जीवितवाहन से करती हुई अति उत्साहित दिखी। ज्ञात हो कि हिंदू धर्म में जीउतिया व्रत का अधिक महत्व है। यह व्रत पुत्र की लंबी आयु के लिए मुख्य रूप से रखा जाता है। इसे जीवित्पुत्रिका व्रत के नाम से भी जाना जाता है। हिंदू धर्म में जीउतिया व्रत का अधिक महत्व है। यह व्रत पुत्र की लंबी आयु के लिए मुख्य रूप से रखा जाता है। जीउतिया व्रत नहाय खाय से शुरू होकर सप्तमी, आष्टमी और नवमी तक चलता है। इस दौरान मां पुत्र प्राप्ति के लिए भी यह उपवास करती है। यह एक निर्जला व्रत है। अक्सर महिलाएं इस व्रत की तैयारी सप्ताह भर पहले ही शुरू कर देती हैं। इस साल जीउतिया व्रत अक्तूबर माह में रखा जाएगा। ऐसा कहा जाता है कि, ये व्रत महाभारत के समय से रखा जाता आ रहा है। जब द्रोणाचार्य का वध हो गया था तो उनके बेटे अश्वत्थामा ने आक्रोशित होकर ब्रह्मास्त्र चला दिया था। जिससे अभिमन्यु की पत्नी उत्तरा के गर्भ में पल रहा शिशु नष्ट हो चुका था। फिर अभिमन्यु की पत्नी ने ये व्रत किया और इसके बाद, श्रीकृष्ण ने शिशु को फिर जीवित कर दिया। तभी से महिलाएं अपने बच्चे की लंबी उम्र के लिए ये उपवास करती है। साथ ही संध्या के समय मंदिर के तालाब के सम्मुख बैठ कर भगवान जीवितवाहन कि कथा सुनती है। जीउतिया व्रत अश्विन माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथी 6 अक्तूबर 2023 को सुबह 6 बजकर 34 मिनट पर शुरू होगी। साथ ही अष्टमी तिथि का समापन 7 अक्तूबर 2023 को सुबह 08 बजकर 08 मिनट पर होगा। वहीं व्रत पारण का समय - सुबह 08.08 के बाद का है। बता दें, ये व्रत विशेष रूप से बिहार, झारखण्ड और उत्तर प्रदेश में रखा जाता है। महिलाएं इस दौरान पूजा करके इसकी शुरूआत करती है। यह बहुत कठिन व्रत है।

45 लाख रुपए के सोना के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। मेघालय के रि-भोई जिले की बर्नीहाट पुलिस ने भारी मात्रा में सोना के बिस्कुट समेत दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। इसकी जानकारी मेघालय के मुख्यमंत्री ने ट्वीट कर दी। मुख्यमंत्री द्वारा शुक्रवार को दी गई जानकारी के अनुसार बर्नीहाट आउटपोस्ट की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर बीती रात अभियान चलाकर सात सोने के बिस्किट समेत दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार तस्करों की पहचान राधिका भेटवाल और संदीप कुमार सोनार के रूप में की गई है। गिरफ्तार दोनों आरोपियों के पास से सात सोने की बिस्कुट जब्त की गई है। जिसका वजन 816.31 ग्राम आंका गया है। गिरफ्तार दोनों आरोपियों के पास से बिना सीम कार्ड की एक मोबाइल फोन, सिम कार्ड समेत एक मोबाइल फोन और नगद दस हजार रुपए बरामद किए गए हैं। जब्त कि गई सोने की कीमत लगभग 45 लाख रुपए आंकी गई है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिक की दर्ज कर गिरफ्तार दोनों तस्करों से सघन पूछताछ कर रही है।

भारत ने तंजानियाई सेना को उपहार में दिए 'मेड इन इंडिया' इन्फैंट्री सिम्युलेटर और बुलेट प्रूफ जैकेट

- सेनाध्यक्ष जनरल मनोज पांडे ने दोनों सेनाओं के बीच मित्रता के बंधन को मजबूत करने पर चर्चा की
- जांजीबार के राष्ट्रपति ने द्विपक्षीय संबंध मजबूत बनाने के लिए भारतीय सेना की भूमिका को सराहा

नई दिल्ली, (हि.स.)। सेनाध्यक्ष जनरल मनोज पांडे ने अपनी तीन दिवसीय तंजानिया की यात्रा पर द्विपक्षीय रक्षा सहयोग बढ़ाने और दोनों सेनाओं के बीच मित्रता के बंधन को मजबूत करने पर चर्चा की। उन्होंने तंजानिया पीपुल्स डिफेंस फोर्सेज (टीपीडीएफ) को मेड इन इंडिया इन्फैंट्री सिम्युलेटर और बुलेट प्रूफ जैकेट भी उपहार में दिए। जांजीबार के राष्ट्रपति डॉ. हुसैन अली म्विनी से मुलाकात में सहयोग को और मजबूत करने के लिए द्विपक्षीय रक्षा गतिविधियों और रास्तों पर चर्चा हुई है। सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे तंजानिया की आधिकारिक यात्रा पर 02 अक्टूबर को रवाना हुए थे। तंजानिया पहुंचने पर जनरल मनोज पांडे ने दार-ए-सलाम में राष्ट्रमंडल युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने प्रथम विश्व युद्ध के दौरान अपने प्राणों की आहुति देने वाले भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि देने के साथ यात्रा की शुरूआत की। जनरल मनोज पांडे को तंजानिया पीपुल्स डिफेंस फोर्सेज के मुख्यालय में प्रभावशाली गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। यात्रा के पहले दिन जनरल मनोज पांडे ने तंजानिया के रक्षा मंत्री डॉ. स्टेगोमेना लॉरेंस टैक्स और टीपीडीएफ के प्रमुख जनरल जैकब जॉन मकुंडा से मुलाकात की। भारतीय सेनाध्यक्ष ने तंजानियाई सैन्य अधिकारियों से भारत के साथ द्विपक्षीय रक्षा सहयोग बढ़ाने और दोनों सेनाओं के बीच मित्रता के बंधन को मजबूत करने पर चर्चा की। सीओएएस ने बैठक के दौरान तंजानिया पीपुल्स डिफेंस फोर्सेज टीपीडीएफ को मेड इन इंडिया इन्फैंट्री सिम्युलेटर और बुलेट प्रूफ जैकेट भी उपहार में दिए। जनरल मनोज पांडे ने यात्रा के दूसरे दिन 'वर्तमान सुरक्षा परिदृश्य और द्विपक्षीय सहयोग के माध्यम से संयुक्त प्रयासों की आवश्यकता' विषय पर तंजानिया के नेशनल डिफेंस कॉलेज में 12वें एनडीसी पाठ्यक्रम और संकाय को संबोधित किया। सीओएएस ने एनडीसी के कमांडेंट मेजर जनरल विल्बर्ट ऑगस्टीन इबुगे से भी मुलाकात करके दोनों सेनाओं के बीच रक्षा गतिविधियों और द्विपक्षीय संबंधों के व्यापक कैनवास पर चर्चा की। जनरल मनोज पांडे ने जांजीबार के राष्ट्रपति डॉ. हुसैन अली म्विनी से मुलाकात की। इसमें भारत के साथ सहयोग को और मजबूत करने के लिए द्विपक्षीय रक्षा गतिविधियों और रास्तों पर चर्चा हुई। जांजीबार के राष्ट्रपति ने भारत-तंजानिया मैत्री संबंधों को बढ़ाने में भारतीय सेना की शानदार भूमिका और भविष्य के द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने के लिए उठाए गए कदमों को सराहा। जांजीबार पहुंचने पर जनरल मनोज पांडे को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके बाद सीओएएस ने 101वीं ब्रिगेड के कमांडर ब्रिगेडियर एसएच सईदी के साथ बातचीत की। उन्होंने सुरक्षा चुनौतियों, कस्टम मेड प्रशिक्षण पाठ्यक्रम और रक्षा बलों के लिए बुनियादी सुविधाओं सहित कई पहलुओं पर विचार साझा किए। यात्रा के आखिरी दिन जनरल मनोज पांडे ने डुलुटी में कमांड एंड स्टाफ कॉलेज (सीएसएसी) का दौरा किया और सीएसएसी के कमांडेंट ब्रिगेडियर जनरल एसजे मनकांडे के साथ बातचीत की। जनरल मनोज पांडे ने तंजानिया में भारतीय सैन्य प्रशिक्षण टीम से भी मुलाकात की। उन्होंने द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को मजबूत करने और भारत-तंजानिया संबंधों को मजबूत करने में टीम की शानदार भूमिका को सराहा।

अभिनेत्री कंगना रनौत की हिमाचल आपदा राहत कोष पर टिप्पणी के बाद गरमाई सियासत

-अभिनेत्री कंगना रनौत ने लिए हिमाचल आपदा राहत कोष में पांच लाख रुपये

शिमला, (हि.स.)। हिमाचल प्रदेश से संबंध रखने वाली बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत के आपदा फंड में अंशदान को लेकर फेसबुक पर एक पोस्ट के बाद प्रदेश में सियासी माहौल गरमा गया है। उनकी इस पोस्ट के बाद प्रतिक्रियाओं दौर शुरू हो गया है। मुख्यमंत्री के प्रधान मीडिया सलाहकार नरेश चौहान ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। दरअसल, फिल्म अभिनेत्री कंगना रनौत ने हिमाचल के मुख्यमंत्री आपदा राहत कोष में पांच लाख रुपये दिए हैं। इसके साथ ही आपदा राहत कोष पोर्टल के काम न करने पर सरकार तंज कसा और इसे शर्मनाक बताया। रनौत की इस तंज पर मुख्यमंत्री के प्रधान मीडिया सलाहकार नरेश चौहान ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। हालांकि चौहान कंगना रनौत पर सीधी टिप्पणी करने से तो बचते हुए नजर आए, मगर अप्रत्यक्ष रूप से उन्होंने चौहान ने कंगना को जवाब देते हुए कहा कि जब से राहत कोष की स्थापना हुई है। इसमें लोगों ने बढ़-चढ़ कर दान दिया है। उन्होंने कहा कि आंकड़ा 200 करोड़ के ऊपर जा चुका है और छोटे बच्चों ने अपनी गुल्लक से भी पैसे दिए हैं। नरेश चौहान ने शुक्रवार को कहा कि दूसरे राज्यों के मुख्यमंत्री ने भी करोड़ों की मदद दी तो आमिर खान जैसे अभिनेता ने भी सहायता दी, लेकिन मीडिया को जानकारी नहीं दी। मगर इस तरह की कोई शिकायत देखने को नहीं मिली। उन्होंने कंगना पर निशाना साधते हुए कहा कि सभी ने अपने-अपने भाव से आपदा राहत कोष में अंश दान दिया है। लिहाजा कौन-किस भावना से दे रहा है, इस पर इस पर कुछ भी कहना उचित नहीं है। जो कोई भी मदद दे रहा है, उन सब का सरकार आभार जताती है। वाटर सेस को लेकर कंपनियों को भेजे गए नोटिस पर प्रधान मीडिया सलाहकार नरेश चौहान ने कहा कांग्रेस जब सत्ता में आई तो सरकार का खजाना खाली था। ऐसे में सरकार की प्रदेश सरकार के स्रोत बढ़ाने में है। इसी कड़ी में वॉटर सेस लगाया गया। उन्होंने कहा सरकार निजी कंपनियों के साथ लगातार संपर्क में है और बातचीत चल रही है। उन्होंने कहा कि जरूरत हुई तो वाटर सेस पर लगाई गई दरों पर सरकार कंपनियों के साथ नेगोशिएशन भी कर सकती है।

न्यूजक्लिक संस्थापक प्रबीर और एचआर हेड की गिरफ्तारी को हाई कोर्ट में चुनौती

अजय कुमार

नई दिल्ली। न्यूजक्लिक के संस्थापक प्रबीर पुरकायस्थ और एचआर हेड अमित चक्रवर्ती ने अपनी गिरफ्तारी को दिल्ली हाई कोर्ट में चुनौती दी है। वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने चीफ जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की अध्यक्षता वाली बेंच के सामने जल्द सुनवाई की मांग की, जिसके बाद कोर्ट ने आज ही सुनवाई का आदेश दिया। पटियाला हाउस कोर्ट ने 5 अक्टूबर को दिल्ली पुलिस को निर्देश दिया था कि वो यूएपीए के तहत गिरफ्तार न्यूज क्लिक के संस्थापक प्रबीर पुरकायस्थ और न्यूज क्लिक के एचआर हेड अमित चक्रवर्ती को एफआईआर की प्रति उपलब्ध कराए। 4 अक्टूबर को कोर्ट ने प्रबीर पुरकायस्थ को अपने वकील से मिलने की इजाजत दे दी थी। प्रबीर पुरकायस्थ और अमित चक्रवर्ती को दिल्ली पुलिस ने 3 अक्टूबर को गिरफ्तार किया था। दोनों को न्यूयॉर्क टाइम्स में छपी खबर के आधार पर गिरफ्तार किया गया था। न्यूयॉर्क टाइम्स में खबर छपी थी कि न्यूज क्लिक को चीनी प्रोपेगेंडा को बढ़ाने के लिए पैसे मिले हैं। खबर के मुताबिक अमेरिकी मिलियनेर नेविली रॉय सिंघम ने न्यूज क्लिक को चीनी प्रोपेगेंडा को बढ़ावा देने के लिए धन दिए। कोर्ट ने 3 अक्टूबर को प्रबीर पुरकायस्थ और न्यूज क्लिक के एचआर हेड अमित चक्रवर्ती को सात दिनों की पुलिस हिरासत में भेज दिया था। 3 अक्टूबर को इस मामले में कई पत्रकारों, यूट्यूबर्स और कार्टूनिस्ट के यहां छापा डाला गया था, जिसके बाद दिल्ली पुलिस ने प्रबीर पुरकायस्थ और अमित चक्रवर्ती को गिरफ्तार किया था।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर जानलेवा हमले की धमकी, मुंबई पुलिस सतर्क

मुंबई, (हि.स.)। मुंबई पुलिस कंट्रोल रूम में प्रधानमंत्री पर जानलेवा हमले संबंधी ई-मेल आने के बाद पुलिस सतर्क हो गई है। इस धमकी भरे ई-मेल करने वाले के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया है और पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। मुंबई पुलिस कंट्रोल रूम में गुरुवार को एक धमकी भरा ई-मेल आया था। इस ई-मेल के जरिये सरकार से 500 करोड़ रुपये की मांग की गई है। ऐसा नहीं करने पर प्रधानमंत्री मोदी और उनके नाम पर गुजरात में बने स्टेडियम पर हमला करने की धमकी दी गई है। ई-मेल में कहा गया है कि भारत में सब कुछ बिकता है, हमने भी कुछ खरीदा है।

आगे मेल में कहा गया कि चाहे आप कितनी भी सुरक्षा बढ़ा लें, आप हमसे बच नहीं सकते। यदि आप चर्चा को आगे जारी रखना चाहते हैं, तो आपको इस मेल का उत्तर देने के लिए आमंत्रित किया जाता है। धमकी भरा ई-मेल आने के बाद इसकी सूचना संबंधितों को भेज दी गई है। साथ ही मुंबई पुलिस की टीम साइबर पुलिस टीम की मदद से आगे की जांच कर रही है।

भाजपा ने आम आदमी पार्टी को बताया 'मूल्यहीन पार्टी'

अजय त्यागी

नई दिल्ली। दिल्ली आबकारी घोटाले में आम आदमी पार्टी (आआपा) के सांसद संजय सिंह की गिरफ्तारी को लेकर भाजपा लगातार हमलावर है। पार्टी प्रवक्ता डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने आआपा को मूल्यहीन पार्टी बताया है। डॉ. त्रिवेदी ने शुक्रवार को पार्टी मुख्यालय में पत्रकार वार्ता में कहा कि मूल्यों की स्थापना के लिए राजनीति में आई आम आदमी पार्टी मूल्यहीन पार्टी बन गई है। दिल्ली की जनता आज ठगा हुआ महसूस कर रही है। उन्होंने कहा कि शराब घोटाले में सीबीआई जांच शुरू होते ही आम आदमी पार्टी की सरकार ने आबकारी नीति को वापस ले लिया। अब सवाल उठता है कि जब नीति सही थी तो वापस क्यों लिया गया। डॉ. त्रिवेदी ने कोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि इस मामले में जिस तरह के साक्ष्य सामने आए हैं, उसके लिए उन्हें हिरासत में रखकर पूछताछ करना जरूरी है। भाजपा प्रवक्ता डॉ. त्रिवेदी ने कहा कि आआपा का चरित्र अब तार-तार हो रहा है। पहले उनके मंत्री सत्येन्द्र जैन भ्रष्टाचार के आरोप में जेल गए और उन्हें कोर्ट से जमानत नहीं मिली। फिर उप मुख्यमंत्री मनीष सिसौदिया जेल गए। अब सांसद संजय सिंह भ्रष्टाचार के आरोप में रिमांड पर हैं। इससे स्पष्ट है कि आम आदमी पार्टी में भ्रष्टाचार आम होता जा रहा है।

अब माता वैष्णो देवी के पांच जगह प्राकृतिक गुफा के माध्यम से आभासी दर्शन कर सकेंगे तीर्थयात्री

- श्राइन बोर्ड ने भवन के रास्ते में पांच स्थानों पर कियोस्क स्थापित किये

जम्मू, (हि.स.)। अब माता वैष्णो देवी के दर्शन करने के लिए जाने वाले भक्तों को त्रिकुटा पहाड़ियों पर जाते समय रास्ते में पांच जगह वर्चुअल प्राकृतिक गुफा के दर्शन कराये जायेंगे। इसके लिए श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने भवन के रास्ते में पांच स्थानों पर कियोस्क स्थापित करने की व्यवस्था की है। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने जम्मू-कश्मीर में रियासी जिले के त्रिकुटा पहाड़ियों में स्थित माता रानी के प्राकृतिक गुफा के माध्यम से आभासी दर्शन कराने की शुरूआत की है। बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अंशुल गर्ग ने शुक्रवार को बताया कि भवन के रास्ते में पांच स्थानों पर तीर्थयात्रियों के लिए पवित्र प्राकृतिक गुफा के माध्यम से उपलब्ध होंगे। उन्होंने कहा कि तीर्थयात्री 15 अक्टूबर से शुरू होने वाले इस शारदीय नवरात्रि में केवल 101 रुपये का डिजिटल भुगतान करके वीआर हेडसेट के माध्यम से एक अद्वितीय अनुभव का आनंद ले सकते हैं। यह कियोस्क निहारिका भवन (कटरा), सेरली हेलीपैड, अर्धकुंवारी, पार्वती भवन और दुर्गा भवन में उपलब्ध होंगे।गर्ग ने बताया कि तीर्थयात्री अक्सर दर्शन के लिए एक पुरानी पारंपरिक प्राकृतिक गुफा को खोलने की मांग करते हैं, जिसे साल में केवल एक बार खोला जाता है। उन्होंने कहा कि तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए और प्राकृतिक गुफा के माध्यम से दर्शन करने की उनकी इच्छा को पूरा करने के लिए अब वर्चुअल मोड के माध्यम से पूरा किया जाएगा। यह व्यवस्था विशेष रूप से उन बुजुर्ग तीर्थयात्रियों के लिए लाभदायक होगी, जो प्राकृतिक गुफा के माध्यम से दर्शन करने में आस्था व्यक्त करते हैं। सीईओ ने कहा कि इस नवरात्र में यात्रा को सुचारू रूप से चलाने और पवित्र दिनों के दौरान भीड़ को कम करने के लिए भवन में श्राइन बोर्ड आधुनिक स्काईवॉक फ्लाईओवर और डिजिटल लॉकर सुविधाएं भी शुरू करेगा।

दो हजार के 87 फीसदी नोट बैंकों को वापस मिले : शक्तिकांत

मुंबई, (हि.स.)। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने शुक्रवार को कहा कि चलन से वापस लिए गए 2,000 रुपये के 87 फीसदी नोट बैंकों में जमा के रूप में वापस आए हैं। शक्तिकांत दास ने द्विमासिक मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की समीक्षा के बाद प्रेस कांफ्रेंस में यह बात कही। आरबीआई गवर्नर ने बताया कि 19 मई 2023 तक प्रचलन में मौजूद 2,000 रुपये के 3.56 लाख करोड़ रुपये के नोटों में से 12,000 करोड़ रुपये अब भी वापस नहीं आए हैं। 29 सितंबर 2023 तक 3.42 लाख करोड़ रुपये के नोट वापस आ गए हैं, जबकि 14,000 करोड़ रुपये के नोट अब भी वापस आने बाकी हैं। उल्लेखनीय है कि आरबीआई ने पिछले हफ्ते दो हजार रुपये के नोट वापस करने की समय-सीमा भी एक सप्ताह के लिए बढ़ाई थी।

2000 रुपये के नोट को बैंकों में बदलने और जमा करने की अंतिम तिथि 07 अक्टूबर है। इससे पहले ये डेडलाइन 30 सितंबर थी, जिसे बढ़ाकर 07 अक्टूबर कर दिया गया। आरबीआई ने 2000 रुपये के नोटों को वापस लेने का ऐलान 19 मई को किया था।

महुआ के आरोपों पर साध्वी निरंजन का पलटवार, झूठ बोलकर नाटक कर रही टीएमसी पार्टी

नई दिल्ली (ईएमएस)। तृणमूल कांग्रेस और भाजपा के बीच विभिन्न मुद्दों को लेकर चल रही राजनीतिक जंग तीखा रूप लेती जा रही है। तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा ने जिस तरह केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति के खिलाफ झूठी जैसी अमर्यादित टिप्पणी की है, इस लेकर बड़ा राजनीतिक बवाल खड़ा हो गया है। दूसरी ओर, तृणमूल कांग्रेस के नेता अभिषेक बनर्जी की अगुवाई में पार्टी के कार्यकर्ताओं का केंद्र द्वारा बंगाल का महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) का बकाया कथित तौर पर रोकने के खिलाफ कोलकाता में राजभवन के बाहर अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन जारी है। उन्होंने राज्यपाल सीवी आनंद बोस के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात नहीं करने तक धरना जारी रखने का आह्वान किया है। बता दें कि उत्तर बंगाल के बाढ़ प्रभावित इलाकों का जायजा लेने के बाद राज्यपाल सीवी आनंद बोस गुरुवार को दिल्ली रवाना हो गए थे। इस बीच, टीएमसी के हजारों पदाधिकारियों और शीर्ष नेतृत्व ने केंद्र द्वारा बंगाल का मनरेगा बकाया कथित तौर पर रोकने के विरोध में ब्रिटिश-काालीन राजभवन तक मार्च किया जिसके बाद पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक ने धरना प्रदर्शन शुरू किया। वहीं तृणमूल कांग्रेस ने आरोप लगाया था कि उनके प्रतिनिधिमंडल से कोई केंद्रीय मंत्री नहीं मिला था। हालांकि मोदी सरकार ने तृणमूल कांग्रेस के आरोपों को गलत बताया है, इस लेकर केंद्रीय राज्य मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति और तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा के बीच जुबानी जंग भी छिड़ गई है। बता दें कि महुआ मोइत्रा ने कहा है कि हमने इस प्रदर्शन की शुरूआत दिल्ली से की और यह बंगाल में जारी है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री ज्योति ने हमसे मुलाकात नहीं की ठीक उसी तरह राज्यपाल भी चले गए लेकिन हमारे अंदर धैर्य है और हम इंतजार कर रहे हैं।

वहीं महुआ के बयान पर पलटवार कर केंद्रीय राज्य मंत्री ज्योति ने कहा है कि महुआ मोइत्रा गलत आरोप लगा रही हैं। उन्होंने कहा है कि मैंने तृणमूल कांग्रेस सांसदों को मिलने का समय दिया था लेकिन वह लोग सिर्फ ड्रामा करते रहे मिलने कोई भी नहीं आया। उन्होंने कहा कि पहले कहा गया कि तृणमूल कांग्रेस के सांसदों का प्रतिनिधिमंडल मुलाकात करेगा, उसके बाद कहा गया कि सिर्फ महुआ मोइत्रा मिलेंगी, लेकिन मैंने कहा कि अकेले में मुलाकात करनी हो तब फिर कभी आ जाना, आज सांसदों के प्रतिनिधिमंडल से ही मुलाकात का समय दिया है इसलिए सबके साथ ही मुलाकात होगी। उन्होंने कहा कि फिर तृणमूल कांग्रेस की ओर से कहा गया कि सांसदों के प्रतिनिधिमंडल के साथ जनता भी होगी। केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति ने कहा कि इस पर मैंने तृणमूल कांग्रेस के नेताओं से सिर्फ यही कहा था कि मैं अभी सिर्फ सांसदों से ही मिलूंगी क्योंकि उन्होंने मनरेगा और प्रधानमंत्री आवास का मामला उठाया है। उन्होंने कहा कि वह जिस जनता की बात कर रहे थे वह उनकी पार्टी के कार्यकर्ता थे। ज्योति ने कहा कि ममता बनर्जी ने कहा था कि मैं पश्चिम बंगाल की सत्ता में आउंगी तब वामपंथी दलों के गुंडों को खत्म कर दूंगी लेकिन आज वहीं गुंडे दूसरे दलों के कार्यकर्ताओं पर हमले कर रहे हैं और उनकी हत्याएं कर रहे हैं।

सरकारी अस्पतालों में मरीजों की मौत के मामले की जांच सीबीआई करे : उद्धव ठाकरे

मुंबई, (हि.स.)। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने सूबे के सरकारी अस्पतालों में मरीजों की मौत होने के मामले की जांच सेंट्रल इंवेस्टिगेशन ब्यूरो (सीबीआई) से करवाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि अस्पतालों में मरीजों के मरने का मामला गंभीर है, इसलिए इस सरकार को बने रहने का अधिकार ही नहीं है, कम से कम स्वास्थ्य मंत्री को इस्तीफा देना ही चाहिए। उद्धव ठाकरे ने शुक्रवार को पत्रकारों से कहा कि नांदेड़, संभाजीनगर, ठाणे, पुणे सहित कई जिलों के सरकारी अस्पतालों में इसी तरह की मौतें हुई हैं, लेकिन कहीं भी जाकर किसी ने डीन (अस्पताल के प्रमुख) से शौचालय साफ नहीं करवाया था, लेकिन नांदेड़ में शिवसेना सांसद हेमंत पाटिल ने डीन से शौचालय साफ करवाया था, जिसके बाद उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया। इसके बाद सरकार ने अस्पताल के डीन पर भी मामला दर्ज करवा दिया। उद्धव ठाकरे ने कहा कि कोरोनाकाल में इसी मेडिकल स्टाफ ने लोगों की जान बचाई थी, उस समय कभी भी किसी भी अस्पताल में दवा की कमी नहीं महसूस की गई, लेकिन अब दवा की आपूर्ति क्यों नहीं हो पा रही है।

साथ ही दवा की खरीद नीलामी पद्धति के बजाय दलालों के माध्यम से की जा रही है, इसलिए दवाएं अस्पताल तक नहीं पहुंच रही हैं और मरीजों के रिश्तेदारों को बाहर से दवा खरीदनी पड़ रही है। इसी तरह लोगों के लिए बहुत से योजनाएं शुरू करने का प्रचार सरकार करती है, लेकिन वह सारी योजनाएं आखिर कहां गई, इसकी भी छानबीन की जानी चाहिए। उद्धव ठाकरे ने कहा कि सरकार के पास मरीजों का इलाज कराने के लिए पैसे नहीं हैं, जबकि सरकार झूठे विज्ञापनों पर लोगों का पैसा पानी की तरह बहा रही है। इन सभी की जांच करने पर दूध का दूध और पानी का पानी आम जनता के सामने आ जाएगा। उद्धव ठाकरे ने कहा कि भले ही सरकार झूठ पर झूठ बोले आम जनता सब कुछ समझ रही है।

बिहार जातिगत सर्वे के आंकड़े प्रकाशित करने पर रोक लगाने से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

नई दिल्ली, (हि.स.)। सुप्रीम कोर्ट ने बिहार के जातिगत सर्वे के आंकड़े के प्रकाशित करने पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। जस्टिस संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि हम किसी भी राज्य सरकार के किसी काम पर रोक नहीं लगा सकते। कोर्ट ने बिहार सरकार को नोटिस जारी कर जनवरी, 2024 तक जवाब मांगा है। कोर्ट ने कहा कि हम इस मामले में विस्तृत सुनवाई करेंगे। बिहार सरकार ने 2 अक्टूबर को जाति आधारित जनगणना का डाटा जारी किया था, क्योंकि इसके पहले भी 6 सितंबर को कोर्ट ने सर्वे के आंकड़े जारी करने पर अंतरिम रोक का आदेश देने से इनकार कर दिया था। उस समय कोर्ट ने कहा था कि इस मामले में विस्तार से सुनवाई की जरूरत है। इससे पहले 28 अगस्त को केन्द्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में अपना जवाब दाखिल करते हुए कहा था कि संविधान के मुताबिक जनगणना केंद्रीय सूची के अंतर्गत आता है। सरकार ने ये भी कहा कि केंद्र सरकार खुद एससी, एसटी और सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े लोगों के उत्थान की कोशिश में लगी है।

केंद्र सरकार ने कहा है कि जनगणना एक विधायी प्रक्रिया है, जो जनगणना अधिनियम 1948 के तहत है। केंद्रीय अनुसूची के 7वें शड्यूल के 69वें क्रम के तहत इसके आयोजन का अधिकार केंद्र सरकार के पास है। केंद्र ने कहा है कि यह अधिनियम 1984 की धारा-3 के तहत यह अधिकार केंद्र को मिला है, जिसके लिए केंद्र सरकार की ओर से अधिसूचना जारी कर यह बताया जाता है कि देश में जनगणना कराई जा रही है और उसके आधार भी स्पष्ट किए जाते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने 18 अगस्त को सुनवाई करते हुए कहा था कि ऐसा नहीं लगता है कि सर्वे से किसी की निजता का हनन हो रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि पहले याचिकाकर्ता इस बात पर दलील दें कि मामला सुनवाई योग्य है। सुनवाई के दौरान बिहार सरकार ने कहा था कि हमने जाति आधारित जनगणना पूरी कर ली है। याचिकाकताओं ने इस सर्वे का आंकड़ा सार्वजनिक करने पर रोक लगाने की मांग की। इस पर कोर्ट ने कहा था कि हम अभी रोक नहीं लगाएंगे। जस्टिस संजीव खन्ना ने कहा था कि दो-तीन कानूनी पहलू हैं। हम नोटिस जारी करने से पहले दोनों पक्ष दलील सुनेंगे, फिर निर्णय करेंगे। हालांकि कोर्ट ने कहा कि निजी आंकड़े कभी सार्वजनिक नहीं होते। आंकड़ों का विश्लेषण ही जारी किया जाता है। इस पर बिहार सरकार ने कहा था कि आंकड़े दो तरह के हैं। एक व्यक्तिगत आंकड़ा जो सार्वजनिक नहीं किया जा सकता, क्योंकि निजता का सवाल है, जबकि दूसरा आंकड़ों का विश्लेषण किया जा सकता है, जिससे बड़ी पिक्चर सामने आती है। सुप्रीम कोर्ट ने 7 अगस्त को कहा था कि वह हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ दाखिल सभी याचिकाओं को एक साथ सुनेगा। याचिकाकर्ता अखिलेश कुमार समेत दूसरे याचिकाकताओं ने पटना हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। पटना हाई कोर्ट ने 2 अगस्त को बिहार सरकार की ओर से जाति आधारित सर्वे कराने के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया था। पटना हाई कोर्ट का आदेश आने के बाद बिहार सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में कैविएट याचिका दायर की है।

कृषि मैप ऐप किसानों के लिए बहुत लाभदायक : डॉ.खलील खान

कानपुर, (हि.स.)। कृषि मैप ऐप किसानों के फसलों का दैवीय आपदा के कारण होने वाले फसल नुकसान का आकलन करने के उपरांत फसल बीमा के अंतर्गत क्षतिपूर्ति में सहायक सिद्ध होगा। यह जानकारी शुक्रवार को जियो प्लाटिंग एवं मैपिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम में चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के मीडिया प्रभारी डॉ.खलील खान ने दी। उन्होंने बताया कि सीएसए से संबद्ध कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के माध्यम से कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, गन्ना विकास निदेशालय, भारत सरकार, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के निदेशक एवं नोडल अधिकारी डॉ वीरेंद्र सिंह एवं तकनीकी सहायक संजीव कुमार सिंह तथा कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर के वैज्ञानिक डॉक्टर राजेश राय, डॉक्टर अरुण कुमार सिंह एवं डॉक्टर शशिकांत की संयुक्त टीम द्वारा संचालित समूह बद्ध अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन (सीएफएलडी) हेतु कृषि मैप ऐप के प्रयोग का प्रशिक्षण ग्राम सहता वनपुरवा, औरंगाबाद में उप योजना के अंतर्गत प्रस्तावित तिलहन एवं दलहन फसलों का जियो प्लाटिंग हेतु नमूना करके दिखाया गया। केंद्र के वैज्ञानिकों ने बताया कि यह ऐप किसानों के फसलों का दैवीय आपदा के कारण होने वाले फसल नुकसान का आकलन करने के उपरांत फसल बीमा के अंतर्गत क्षतिपूर्ति में सहायक सिद्ध होगा। इस मौके पर गांव के छून्ना लाल, कन्हैयालाल के साथ अन्य लोग मौजूद रहे।

रक्तदान के लिए जागरुकता जरूरी : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि रक्तदान के प्रति जागरुकता जरूरी है। जागरूकता के अभाव में लोगों के मन में रक्तदान के प्रति भय बना रहता है। आज भी अस्पतालों में आवश्यकता के अनुसार ब्लड की कमी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ब्लड ट्रांसफ्यूजन के क्षेत्र में बहुत कुछ परिवर्तन हुआ है। आज एक यूनिट ब्लड से कई लोगों की जान बचाई जा सकती है। मुख्यमंत्री होटल क्लार्क अवध में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ट्रांसकॉन की समिट पंद्रह वर्षों बाद प्रदेश में हो रही है। आप जिस उत्साह के साथ प्रदेश में आये हैं, उससे लगता है कि आप प्रदेश को जानने समझने आये हैं। यह ट्रांसकॉन मील का पत्थर साबित होगा, यह मेरी शुभकामना है। उन्होंने कहा उत्तर प्रदेश में 25 करोड़ आबादी निवास करती है। इतनी बड़ी आबादी को स्वास्थ्य सेवा की उत्कृष्ट सेवा उपलब्ध करवाना बड़ी बात है। हम तकनीकी के साथ एक दूसरे की सहायता कर सकते हैं। इस क्षेत्र में बड़ी चुनौती जन जागरूकता है। ब्लड डोनेट और ब्लड बैंकिंग के लिए हमको कार्य करना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश में प्रतिदिन डेढ़ करोड़ यूनिट ब्लड की मांग है। इस सापेक्ष ब्लड बैंक में करीब 25 लाख यूनिट मौजूद है इसलिए ब्लड डोनेट के लिए जागरूकता जरूरी है। कोरोना काल के शुरूआत में उत्तर प्रदेश में कोविड संबंधी कोई बेड ही नहीं था, हमने प्रयास किया। मेडिकल पैरा मेडिकल, टेक्निशियन, विशेषज्ञों के माध्यम से कार्य किया, जिससे देश में एक मॉडल बना। हमारे फ्रंटलाइन वर्कर्स ने बढ़-चढ़ कर कार्य किया। परिणाम स्वरूप हम प्रदेश में मृत्यु दर न्यूनतम रखने में सफल रहे। कोविड कालखंड में अगर हम यूएस से तुलना करें तो भारत में संक्रमण दर कम थी और मृत्यु दर भी कम थी, इससे जागरूकता और प्रबंधन दोनों का पता चलता है। केजीएमयू देश के पुराने चिकित्सा संस्थानों में से एक है। यहां की प्रतिदिन की ओपीडी ही दुनिया के कई देशों की आबादी होगी। इन्हें स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध करवाना भी बड़ी चुनौती होती है। इस तरह के सेमीनार से लोगों में अवेयरनेस बढ़ेगा, क्योंकि एक डॉक्टर जब बोलता है तो लोगों को विश्वास होता है। ब्लड डोनेशन के लिए गांव, शहर स्कूलों में सेमिनार होने चाहिए।आज जब ये ट्रांसकॉन हो रहा है इसी के साथ प्रदेश में सेवा पखवाड़ा भी सम्पन्न हो रहा है। इस सेवा पखवाड़ा में एक कार्यक्रम ब्लड डोनेशन कैम्प का भी था। केवल इसी कार्यक्रम के माध्यम से ही हमने प्रदेश भर में करीब तीस हजार यूनिट ब्लड संरक्षित करवाया।

कांग्रेस ने न्यूज वेबसाइट न्यूज क्लिक के पत्रकारों के साथ की जा रही कार्रवाई वापस लेने की मांग की

बांदा, (हि.स.)। शहर व जिला कांग्रेस कमेटी ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन कर न्यूज वेबसाइट न्यूज क्लिक के पत्रकारों पर की जा रही कार्रवाई को प्रेस की आजादी पर हमला बताते हुए महामहिम राष्ट्रपति से मांग की है कि इस तरह की कार्रवाई तत्काल बंद कराई जाए। जिससे देश की मीडिया स्वतंत्र रूप से अपना कार्य कर सके और स्वस्थ लोकतांत्रिक परंपराओं का पालन हो सके। पार्टी के जिला अध्यक्ष प्रदुम कुमार लाल दुबे एडवोकेट के नेतृत्व में पार्टी की कार्यकताओं ने जिलाधिकारी के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति को ज्ञापन प्रेषित किया। जिसमें कहा गया है कि जब से केन्द्र में भारतीय जनता पार्टी की सरकार स्थापित हुई है, वह किसी भी स्थिति में अपनी बुराई सुनने को तैयार नहीं है। इसी का परिणाम है कि आज यदि मीडिया का कोई व्यक्ति केन्द्र सरकार की नाकामियों की ओर आम जनमानस का ध्यान आकृष्ट कराने का प्रयास करता है तो सरकारी एजेंसियों के माध्यम से उसे अनायास परेशान किया जाता है। इसी श्रृंखला में वर्तमान समय में केन्द्र सरकार के इशारे पर न्यूज वेबसाइट न्यूजक्लिक के संस्थापक और प्रधान संपादक प्रवीर पुरकायस्थ सहित इससे जुड़े पत्राकारों के घरों पर दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल द्वारा छापामारी की गयी है। साथ ही उनके मोबाइल, लॅपटॉप, कम्प्यूटर और इलेक्ट्रॉनिक सामान जब्त कर लिये गये हैं, जो किसी भी स्थिति में स्वस्थ लोकतांत्रिक परम्पराओं के विरुद्ध है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल का यह कृत्य स्पष्ट तौर पर प्रेस की आजादी पर हमला है। प्रेस मीडिया को लोकतंत्र के चौथे प्रहरी के रूप में देखा जाता है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल के माध्यम से कराया जा रहा यह कृत्य स्पष्ट तौर पर लोकतंत्र को कमजोर करने का षड़यंत्र है। कांग्रेस पार्टी इसकी घोर निन्दा करती है और सरकार के इशारे पर हो रहे इस प्रकार के के कृत्यों को हम कांग्रेसजन स्वीकार नहीं कर सकते। हम कांग्रेसजनों की मांग है कि केन्द्र सरकार के इशारे पर न्यूज वेबसाइट न्यूजक्लिक के पत्रकारों पर की जा रही उक्त कार्यवाही को तुरन्त बन्द कराये। जिससे देश की मीडिया स्वतंत्र रूप से अपना कार्य कर सके और स्वस्थ लोकतांत्रिक परम्पराओं का पालन हो सके।

मेरठ में सड़क दुर्घटना में पीआरडी जवान की मौत

मेरठ, (हि.स.)। इंचौली थाना क्षेत्र में शुक्रवार को नेशनल हाईवे-119 पर नंगली ईशा गांव में ड्यूटी से लौट रहे पीआरडी जवान को तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में पीआरडी जवान की मौत हो गई। पुलिस ने कार सवार दो युवकों को हिरासत में ले लिया है। मौके पर लोगों ने जमकर हंगामा किया। मवाना थाना क्षेत्र के भैंसा गांव निवासी अजब सिंह (50) पीआरडी जवान थे। अजब सिंह की ड्यूटी मेरठ में तेजगड़ी स्थित विजिलेंस दफ्तर में लगी हुई थी। शुक्रवार सुबह वह ड्यूटी खत्म करके बाइक से अपने गांव लौट रहे थे। इंचौली थाना क्षेत्र के नंगली इशा गांव में एनएच-119 पर सामने से आ रही तेज रफ्तार सेंट्रो कार ने रॉन्ग साइड में आकर अजब सिंह की बाइक में टक्कर मार दी। कार की टक्कर से अजब सिंह की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गाड़ी काफी दूर तक घिसटती हुई चली गई। दुर्घटना के बाद ग्रामीण इकट्ठा हो गए और उन्होंने पुलिस को सूचना दी। कार में दो युवक और एक युवती सवार थे। मौके पर पहुंची इंचौली पुलिस ने कार सवार दो युवकों को हिरासत में ले लिया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मौके पर पहुंचे भैंसा गांव के लोगों ने जमकर हंगामा किया। युवकों ने पुलिस पूछताछ में बताया कि वह युवती को परीक्षा दिलाने के लिए ले जा रहे थे।

संजय सिंह की गिरफ्तारी पर बोले बृजभूषण शरण सिंह, 'हर मामले में अरविंद केजरीवाल की संलिप्तता'

बहराइच, (हि.स.)। शराब नीति घोटाले को लेकर राज्यसभा सांसद संजय सिंह की गिरफ्तारी को लेकर कैसरगंज के सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने करारा हमला बोलते हुए कहा कि दिल्ली हर मामले में अरविंद केजरीवाल की संलिप्तता मिलेगी। आम आदमी पार्टी पर हमला बोलते हुए सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि आम आदमी पार्टी का जन्म अन्ना आंदोलन से हुआ। जरवलरोड के एकलव्य महाविद्यालय में प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि बृजभूषण शरण सिंह के द्वारा मेधावी छात्रों, उन्नतिशील किसानों , प्रशासन मे चयनित युवकों के परिवार वालों को सम्मानित किया। उसके बाद सांसद मीडिया से रूबरू हुए। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि जब से केजरीवाल सत्ता में आए हैं, तब से लगातार झूठ का सहारा ले रहे हैं।

भ्रष्टाचार चरम पर है। दिल्ली के विकास से कोई लेना देना नहीं है। ये हमेशा कोई न कोई विवाद से चर्चा में बने रहना चाहते हैं। जिस आबकारी घोटाले के अंतर्गत यह लोग जेल जा रहे हैं उसे घोटाले को इन लोगों ने किया है। वहीं देवरिया की घटना पर बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि ये बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण घटना हैं। ऐसी घटना दोबारा नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं भी एक सवाल उठाना चाहता हूं कि जब सुबह एक घटना घट गई तो कई घण्टों बाद दूसरी घटना कैसे घट गई। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है।

अवैध खनन से जुड़े लोगों पर प्राथमिकी दर्ज कर भेजे जेल : उपायुक्त

पलामू, (हि.स.)। छतरपुर में बगैर सीटीओ के संचालित तीन क्रशर को सील कर दिया गया। इसमें चर्चित अनिल कुमार सिंह का महादेवा कंट्रक्शन क्रशर प्लांट भी शामिल है। जिले में अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण की रोकथाम को लेकर उपायुक्त शशि रंजन गंभीर हैं। इसी का असर है कि जिले में डीएमओ आनन्द कुमार द्वारा लगातार कार्रवाई जारी है। इसी क्रम में डीएमओ ने छतरपुर में बगैर सीटीओ के संचालित हो रहे तीन क्रशरों को सील कर दिया। डीएमओ के अनुसार मेसर्स तिरूपति, बालाजी, कंट्रक्शन, पार्टनर, रूद्र कुमार पाण्डेय, उर्फ नंदजी पाण्डेय, थाना मोहनिया, जिला कैमूर, बिहार, मौजा मडवा, थाना पिपरा, खाता संख्या-20, प्लॉट संख्या-122 नया 62 पुराना, खाता संख्या 01-प्लॉट संख्या-129 नया, 62 पुराना, सर्वश्री एमसीसी महादेव कंट्रक्शन, कंपनी, पार्ट, अनिल कुमार सिंह, मौजा अर्जुनडीह, थाना छतरपुर, खाता संख्या-26 प्लॉट संख्या-163 एवं अशोक कुमार सिंह, मौजा बरहीहा, थाना छतरपुर, खाता संख्या-25, प्लॉट संख्या-600 को सील किया गया है। उपायुक्त ने कहा कि जिले में कहीं भी अवैध खनन को बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। उन्होंने कहा कि इस तरह की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि अवैध खनन व परिवहन कार्य में कोई भी लोग संलिप्त पाए जाते हैं तो उनके विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर उन्हें जेल भेजा जायेगा। उन्होंने डीएमओ को सक्रिय होकर जिले के सभी क्षेत्रों में अभियान चलाकर अवैध क्रशर, ईट भट्टे व अवैध परिवहन पर पूर्ण रूप से रोक लगाने के निर्देश दिये हैं। इधर, डीएमओ ने बताया कि तीनों क्रशर का सीटीओ फेल हो गया है। इस कारण उन्हें सील किया गया।

केंद्र सरकार के आर्थिक सहयोग से झारखंड होगा नक्सल मुक्त : हेमंत सोरेन

नई दिल्ली/रांची, (हि.स.)। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन शुक्रवार को नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में आयोजित वामपंथ उग्रवाद की समीक्षा बैठक में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि उग्रवाद की समस्या की पुनरावृत्ति न हो इसके लिए आवश्यक है कि इन क्षेत्रों में विकासोन्मुखी योजनाएं व्यापक पैमाने पर चलायी जाए, जिसके लिए राज्य को संसाधन की आवश्यकता पड़ेगी। सोरेन ने कहा राज्य सरकार का भारत सरकार के खनन कंपनियों पर करीब एक लाख छत्तीस हजार करोड़ रुपये बकाया है, जिसे उनके द्वारा उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है। उन्होंने अनुरोध किया कि खनन मंत्रालय को यथाशीघ्र इस बकाया का भुगतान करने का निर्देश निर्गत करें। **जनवरी 2022 से 762 उग्रवादियों की हो चुकी गिरफ्तारी** - मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र तथा राज्य सरकार के संयुक्त प्रयासों से जनवरी, 2022 से अगस्त, 2023 तक कुल 762 नक्सलियों को गिरफ्तार किया किया गया है। इनमें स्पेशल एरिया कमेटी के 3 सदस्य, रीजनल कमेटी का एक सदस्य, 10 जोनल कमांडर, 16 सब जोनल कमांडर और 25 एरिया कमांडर शामिल हैं। इसके अलावा 20 नक्सली पुलिस मुठभेड़ में मारे गए हैं, जिनमें स्पेशल एरिया कमेटी का दो, 4 सब जोनल कमांडर और एक एरिया कमांडर शामिल हैं।इसके अलावा 1160 आईडी और 76 हथियार भी बरामद किए गए हैं। इस अवधि में 37 नक्सलियों में पुलिस के समक्ष समर्पण किया है, जिनमें स्पेशल एरिया कमेटी का एक, रीजनल कमेटी का तीन, 4 जोनल कमांडर, 9 सब जोनल कमांडर और 10 एरिया कमांडर शामिल हैं।

सामुदायिक पुलिसिंग कार्यक्रम के तहत ग्रामीणों से सीधा संवाद - नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सामुदायिक पुलिसिंग कार्यक्रम के तहत दुर्गम क्षेत्रों के ग्रामीणों के साथ संवाद स्थापित कर उनका विश्वास जीतने का प्रयास किया जा रहा है। वामपंथी उग्रवादियों के असली चेहरे को जनता के समक्ष उजागर किया जा रहा है। उग्रवादी संगठनों के विरुद्ध चलाये जा रहे इस बहुआयामी अभियान में झारखंड राज्य को अप्रत्याशित सफलता मिली है। नक्सली संगठनों के प्रभाव क्षेत्र में लगातार कमी हो रही है एवं अब उनका दायरा राज्य के कुछेक क्षेत्रों में सिमट कर रह गया है।

नक्सल विरोधी अभियान में इस्तेमाल होने वाले हेलीकॉप्टर का खर्च एसआरई मद से हो - मुख्यमंत्री ने कहा कि नक्सल विरोधी अभियान में समय-समय पर हेलीकॉप्टर का भी प्रयोग किया जाता है, जिसके खर्च का वहन एसआरई मद से किया जाता था। गृह मंत्रालय द्वारा 2018-2022 तक की अवधि के खर्च की प्रतिपूर्ति में आपत्ति दर्ज की गयी है। उन्होंने अनुरोध किया इस राशि का भुगतान एसआरई मद से किया जाय तथा गृह मंत्रालय, भारत सरकार की अधिकार प्राप्त समिति से पूर्व अनुमोदन की अनिवार्यता समाप्त किया जाय।

नक्सल प्रभावित इलाकों में कनेक्टिविटी बढ़ाई जा रही - मुख्यमंत्री ने कहा कि नक्सल प्रभावित जिलों में कनेक्टिविटी का सुधार करना भी आवश्यक है। इसके लिए भारत सरकार द्वारा सड़कों के निर्माण के लिए आरआरपी तथा आरसीपीएलडब्ल्यूईए नामक योजनाएं चालू की गयी हैं। इसके तहत स्वीकृत योजनाओं को ससमय पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है। नक्सल प्रभावित चाईबासा जिला में डीएमएफटीकी राशि से बड़ी संख्या में सड़क निर्माण की कार्य योजना तैयार की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में प्रथम चरण में 816 अधिष्ठापित मोबाईल टावर के 4जी उन्नयन कार्य बीएसएनएल द्वारा किया जा रहा है। टीएससी से उपकरण प्राप्त नहीं होने के कारण यह कार्य अवरूद्ध है। द्वितीय चरण में 1184 स्थानों के विरुद्ध राज्य सरकार ने 1173 स्थानों पर भूमि उपलब्ध करा दी है। शेष 11 स्थानों पर भी शीघ्र भूमि उपलब्ध करा दी जायेगी। टावर निर्माण का कार्य बीएसएनएल द्वारा किया जा रहा है।मुख्यमंत्री ने कहा कि उग्रवादी घटनाओं से संबंधित काण्डों के अनुसंधान एवं अभियोजन को बेहतर बनाने के लिए सभी जिलों में विशेष निगरानी कक्ष का गठन किया गया है। राज्य में 2014 से यूएपीए के तहत दर्ज कुल 599 उग्रवाद कांडों में से 426 में अनुसंधान का कार्य पूर्ण कर आरोप पत्र दाखिल कर दिया गया है।

नरेन्द्र मोदी की सोच से आमलोगों का जीवन हो रहा है सुगम : गिरिराज सिंह

बेगूसराय, (हि.स.)। केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण वाली सरकार ने सभी भारतीयों को सम्मानजनक जीवन प्रदान करने के अपने प्रयासों को आगे बढ़ाते हुए एक घर के सपने को हकीकत में बदल दिया है। बेगूसराय प्रवास के दौरान आज उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने कल्याणकारी कार्यक्रमों के माध्यम से सुनिश्चित किया है कि समाज के सभी वर्ग के लोगों को बैंकिंग, एलपीजी कनेक्शन, स्वच्छता, बिजली, नल का पानी, सस्ती स्वास्थ्य सेवा एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाएं मिले। ब्याज दरों में कमी और क्रेडिट लिंक्ड सब्सिडी योजना ने लोगों को अपना घर खरीदने में सक्षम बनाया है। एक घर का मालिक होना एक प्रतिष्ठित जीवन स्तर की निशानी है। जिसमें नल से पानी, खाना पकाने के लिए ईंधन, स्वच्छता, बिजली और इंटरनेट के साथ सुरक्षा बीमा, कर लाभ और सार्वजनिक उपयोगिता तक आसान पहुंच जैसी बुनियादी सुविधाएं हो। 2014 से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने प्रत्येक भारतीय के जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए अथक प्रयास किया है। रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरण (रेरा) अधिनियम 2016 को लागू करके नियामक ढांचे को मजबूत किया गया। विभिन्न प्रदेशों में इस अधिनियम के तहत एक लाख से अधिक मामले का निपटारा किया गया। नागरिकों की जीवन भर की कमाई एक कानूनी ढांचे द्वारा सुरक्षित है जो घर खरीदने वालों के अधिकारों को बरकरार रखती है। रेरा ने समय पर घरों की डिलीवरी सुनिश्चित की। रुकी हुई रियल एस्टेट परियोजनाओं को फिर से चलाने के लिए स्वामी फंड से 25 हजार करोड़ रुपये दिए गए। स्वामित्व योजना ग्रामीण क्षेत्र में बसे हुए इलाकों में संपत्ति के स्पष्ट स्वामित्व की स्थापना की दिशा में एक सुधारात्मक कदम है। दो लाख 71 हजार से अधिक गांवों का ड्रोन सर्वे हो चुका है। एक लाख से अधिक गांवों में प्रोपर्टी कार्ड तैयार किए गए हैं। भूमि स्वामित्व कॉर्ड उपलब्ध होने से धोखाधड़ी वाले संपत्ति सौदों एवं भूमि स्वामित्व संबंधी भ्रष्टाचार और उत्पीड़न में कमी आई है। सरकार इस क्षेत्र में तेजी से काम करते हुए, ग्रामीण भारत को पारदर्शी सिस्टम दे रही है। उन्होंने कहा कि कर में कमी और सस्ती उधार दरों ने मध्यम वर्ग के परिवारों के लिए बड़े पैमाने पर बचत और उनकी खर्च करने की क्षमता को बढ़ाया है। आयकर छूट और प्रत्यक्ष कर सुधारों में सकारात्मक बदलाव ने उन पर कर के बोझ को कम किया है। मध्यम वर्ग के लिए टैक्स भरने को आसान बना दिया है। जीएसटी उपभोक्ताओं के लिए दैनिक खर्चों में कमी का कारण बना। भारत में उभर रही डिजिटल भुगतान क्रांति ने दुनिया का ध्यान आकर्षित किया है। जनवरी में आठ सौ करोड़ लेन-देन यूपीआई पर किए गए थे। इस प्रणाली का उपयोग अब करीब तीन सौ मिलियन व्यक्तियों और 50 मिलियन व्यापारियों द्वारा किया जाता है। छोटे से छोटे लेन-देन के लिए भी डिजिटल भुगतान किया जा रहा है। जिसमें करीब 50 प्रतिशत को छोटे या सूक्ष्म भुगतान के रूप में वर्गीकृत किया गया है। भारत के डिजिटल परिवर्तन और कनेक्टिविटी को नई ऊंचाइयों पर ले जाते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उच्च तकनीक प्रौद्योगिकी के साथ भारत के लिए असीम संभावनाओं को खोला है। 5-जी कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा, परिवहन, रसद, स्मार्ट शहरों, उद्योग 4.0, वित्तीय समावेशन आदि सहित महत्वपूर्ण क्षेत्रों में परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त कर रहा है। पिछले नौ वर्षों में नागरिकों के दैनिक जीवन में सुधार पर केंद्रित ध्यान "सबका साथ - सबका विकास" के व्यापक दृष्टिकोण के अनुरूप है।

बिहार में उग्रवाद की घटनाएं न्यूनतम : विजय चौधरी

नई दिल्ली/पटना, (हि.स.)। गृहमंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित वामपंथ/उग्रवाद संबंधी शुक्रवार को हुई समीक्षा बैठक में स्पष्ट हुआ कि इस मामले में बिहार सरकार की उपलब्धि अग्रणी है। इस बैठक में भाग लेते हुए वित्त मंत्री विजय कुमार चौधरी ने कहा कि यह नीतीश कुमार के प्रभावकारी नेतृत्व एवं नीतियों का नतीजा है कि बिहार में उग्रवाद की घटनाएं न्यूनतम है। विजय चौधरी ने कहा कि सितम्बर, 2021 में आयोजित पिछली बैठक में मुख्यमंत्री ने जिन मुद्दों को उठाया था, उसमें किसी पर भी अमल नहीं किया गया। चौधरी ने केन्द्र सरकार से मांग की कि एसआरई एवं एसआईएस योजनाओं को केन्द्र प्रायोजित योजना की जगह केन्द्रीय योजना बनायी जाय। जिन इलाकों में उग्रवादी गतिविधियां रुक भी गई हैं, वहां सुरक्षा बलों की तैनाती अगले पांच वर्षों तक रखी जाय, अन्यथा ऐसी गतिविधियों के फिर से पनपने की आशंका हो सकती है। उन्होंने कहा कि केवल नक्सलवाद मुक्त भारत घोषित करने की हड़बड़ी में सुरक्षा बलों को बिना राज्य सरकार की सहमति के वापस नहीं बुला लिया जाय।

शिक्षा विभाग के भ्रष्टाचार के खिलाफ अभाविप के आंदोलन की फिर हुई जीत

बेगूसराय, (हि.स.)। बेगूसराय शिक्षा विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) द्वारा लगातार किए जा रहे आंदोलन के कारण 23 प्रधानाध्यापक के परिवर्तित विद्यालय एवं प्रखंड में संशोधन कर दिया गया है। उक्त पत्र आज जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय से जारी किया गया है। पत्र जारी होते ही अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकताओं ने जीडी कॉलेज में एक-दूसरे को लड्डू खिलाकर अपनी जीत का प्रदर्शन किया। मौके पर पूर्व राष्ट्रीय कार्यकारणी सदस्य अजीत चौधरी ने कहा कि आज जिस प्रकार विद्यार्थी परिषद के आंदोलन से शिक्षा विभाग का भ्रष्टाचार सामने आया है, यह हम सभी के लिए खुशी की बात है। पदस्थापन के दौरान 23 प्रधानाध्यापक को अपने विद्यालय और प्रखंड में नियम के विरुद्ध पदस्थापित किया गया था। जिसकी शिकायत अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकताओं ने जिला शिक्षा पदाधिकारी एवं जिलाधिकारी से किया था। लगातार दबाव पड़ने के बाद जिला शिक्षा विभाग ने इन प्रधानाध्यापकों के पदस्थापन में संशोधन किया है। विभाग संयोजक सोनू सरकार एवं जिला संयोजक पुरुषोत्तम कुमार ने कहा कि पूर्व में भी विद्यार्थी परिषद के आंदोलन के कारण 68 पदस्थापित प्रोन्नति के योग्य नहीं रहने वाले प्रधानाध्यापक को प्रोन्नति से वंचित किया गया था। विद्यार्थी परिषद शिक्षा क्षेत्र को भ्रष्टाचार मुक्त करने की लड़ाई लड़ रही है। हम आगे भी इस लड़ाई को जारी रखेंगे। जिला शिक्षा पदाधिकारी शीघ्र दोषी पर कठोर कार्रवाई करें। नगर सह मंत्री अजीत कुमार एवं कॉलेज इकाई अध्यक्ष प्रहलाद कुमार ने कहा कि विद्यार्थी परिषद के आंदोलन के कारण पदस्थापन में त्रुटि सुधार हुआ। लेकिन अभी भी मध्य विद्यालय किल्ली पहाड़ चक तथा मध्य विद्यालय चांदपुरा पश्चिम में प्रधानाध्यापक के पद को जानबूझकर खाली छोड़ दिया गया है। जिससे बाद में मोटी रकम वसूल कर वहां प्रधानाध्यापक की नियुक्ति की जाए। इसके साथ ही मध्य विद्यालय पपरौर से अखिलेश्वर मिश्र को अन्य विद्यालयों में भेज कर विभाग ने फिर से गलती की है। विद्यार्थी परिषद इन त्रुटियों के शीघ्र सुधार की मांग करती है। इस अवसर पर छात्र नेता बंटी गौतम, मनीष, मंगल माधव, अनीश, सूरज, गौरव, राहुल, अमन एवं विपुल सौरभ सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

संपादकीय

बंदरमुक्त कैसे होंगे

क्या बंदर अब भी जंगल की अमानत है या इससे इनसान का मुकाबला नहीं है, फिर भी मनुष्य के अस्तित्व के प्रश्न पर मानवता हावी रहती है। वन्य प्राणी सुरक्षा कानून ने बंदर को ऐसी प्रजाति तो नहीं माना कि इसकी ओर घातक निगाह से न देखा जाए, फिर भी बंदिश यह है कि जंगल के भीतर इससे अमंगल न किया जाए। इस बार सवाल उत्पाती बंदर को मारने की अनुमति का है, तो जिक्र हिमाचल की आबादी के सामने इससे जुड़े प्रकोप का भी है। यानी जनता चाहे तो वह उत्पाती बंदर की तरफ कोई खूंखार पत्थर उछाल दे, लेकिन धर्म की आंख से अभी तक यह निशाना नहीं बना जो गोली से ऐसी शरारतों का खात्मा कर दे। एक बार धूमल सरकार ने बाकायदा अभियान चलाया और कुछ शूटर काम पर लगाए गए, लेकिन तब के तथाकथित नेशनल मीडिया खास तौर पर एक न्यूज चैनल के हिमाचली एंकर ने इस कार्रवाई को बारूद बना दिया। जाहिर है वन विभाग एक ऐसा पहरा है जो हिमाचल के प्रति सख्तियों का थानेदार तो बनना चाहता है, लेकिन अपनी वजह से उत्पन्न मानवीय परेशानियों की जिम्मेदारी नहीं लेता। वन्य प्राणी भी इसी तरह की एक भूली सी जिम्मेदारी है। बंदर क्या जाने जंगल की सीमा। सुबह किसी की छत या पेड़ पर फल उजाड़ दे और फिर शाम को शरारत के साथ जंगल के अभयारण्य में खुद को संरक्षित कर ले। जाहिर है हिमाचल की सत्तर फीसदी भूमि पर खड़ा जंगल कब अपनी सरदारी घोषित कर दे, इसका न सामाजिक जीवन को आभास है और न ही विकास के रास्तों को पता। यह कैसा वन संरक्षण जो चैन से प्राकृतिक संसाधनों से प्रदेश की मुलाकात में बाधक बना रहता है। मूल विषय तो यह होना चाहिए कि वन्य प्राणी अगर जंगल से बाहर उत्पात मचा रहे हैं, तो यह जंगलात की नीति और प्रबंधन का दोष है। यहां बंदरों और जंगली जानवरों से हो रहे नुकसान का आकलन भी होना चाहिए ताकि इसकी भरपाई की जा सके। आश्चर्य यह कि अगर प्रदेश को अपनी विकास की गाड़ी जंगल के रास्ते गुजारनी पड़ती है, तो इसके बदल उतनी ही तादाद में हरियाली तथा कीमत चुकानी पड़ती है, मगर जब जंगल के जानवर बस्ती में जीना और खेत में खेती हराम करते हैं, तो वन विभाग की कोई जिम्मेदारी तय नहीं होती। हमीरपुर, ऊना, कांगड़ा, मंडी, चंबा व सिरमौर के कुछ हिस्सों में जंगलों के अधीन आई जमीन सौ फीसदी इनसान की बेहतरी के लिए इस्तेमाल होनी चाहिए, लेकिन वहां के वनों ने मानव बस्तियों को घिनौने अनुभव से घेर रखा है। हमीरपुर के ही बड़सर-बिझड़ी जैसे इलाकों में वन संपदा के दंश झेलती खेती उजड़ चुकी है। किसान बंदर को जंगल की अमानत नहीं, अपनी बर्बादी का ऐसा दूत मानते हैं जिसे वन विभाग का प्रश्रय हासिल है। बंदरों की नसबंदी के जो आंकड़े दिए जाते हैं, वे प्रमाणित नहीं होते। अगर ऐसा प्रमाणित होता तो बस्ती के करीब बंदर की शुमारी कम हो जाती, परंतु सामाजिक परिदृश्य बताता है कि हर साल और साल में कई बार बंदरों की नस्ल नया व भयावह स्वरूप अख्तियार कर रही है। ऐसे में आक्रामक बंदर के खिलाफ हथियार खोलने की अनुमति भले ही प्रशंसनीय लगे, मगर इसके लिए राज्य की ओर से संकल्प जरूरी है। संकल्प वन, बागबानी, कृषि व प्रशासन के साथ मिल कर यह तय करे कि हर साल कितने खेत या बागान बंदरों से मुक्त होंगे। ये सारे विभाग किसान और बागबान के साथ-साथ आम इनसान को यह शपथपत्र दें कि कौनसा इलाका बंदर मुक्त घोषित होगा तथा इसके परिप्रेक्ष्य में कितनी सफलता अर्जित हुई, वरना चाहे कितनी भी घोषणाएं बंदरों के उत्पात के खिलाफ हो जाएं, इनसे आजिज लोगों के आंसू पोंछने का प्रमाण नहीं मिलता। सरकार को व्यापक स्तर पर बंदरों से निपटना होगा।

वन्य प्राणी सुरक्षा कानून ने बंदर को ऐसी प्रजाति तो नहीं माना कि इसकी ओर घातक निगाह से न देखा जाए, फिर भी बंदिश यह है कि जंगल के भीतर इससे अमंगल न किया जाए। इस बार सवाल उत्पाती बंदर को मारने की अनुमति का है, तो जिक्र हिमाचल की आबादी के सामने इससे जुड़े प्रकोप का भी है। यानी जनता चाहे तो वह उत्पाती बंदर की तरफ कोई खूंखार पत्थर उछाल दे, लेकिन धर्म की आंख से अभी तक यह निशाना नहीं बना जो गोली से ऐसी शरारतों का खात्मा कर दे। एक बार धूमल सरकार ने बाकायदा अभियान चलाया और कुछ शूटर काम पर लगाए गए, लेकिन तब के तथाकथित नेशनल मीडिया खास तौर पर एक न्यूज चैनल के हिमाचली एंकर ने इस कार्रवाई को बारूद बना दिया। जाहिर है वन विभाग एक ऐसा पहरा है जो हिमाचल के प्रति सख्तियों का थानेदार तो बनना चाहता है, लेकिन अपनी वजह से उत्पन्न मानवीय परेशानियों की जिम्मेदारी नहीं लेता। वन्य प्राणी भी इसी तरह की एक भूली सी जिम्मेदारी है। बंदर क्या जाने जंगल की सीमा। सुबह किसी की छत या पेड़ पर फल उजाड़ दे और फिर शाम को शरारत के साथ जंगल के अभयारण्य में खुद को संरक्षित कर ले। जाहिर है हिमाचल की सत्तर फीसदी भूमि पर खड़ा जंगल कब अपनी सरदारी घोषित कर दे, इसका न सामाजिक जीवन को आभास है और न ही विकास के रास्तों को पता। यह कैसा वन संरक्षण जो चैन से प्राकृतिक संसाधनों से प्रदेश की मुलाकात में बाधक बना रहता है।

कुछ अलग

'महाभूकंप' की पदचाप

अचानक धरती कांप उठी और हम लडखड़ा कर गिरते-गिरते बचे। तुरंत एहसास हो गया कि यह भूकंप का झटका था। सभी अपना काम यथावत छोड़ कर घर-दफ्तर के बाहर निकल गए, लेकिन उस दिन पृथ्वी के भीतर ऐसी हलचलें हुईं कि आधा घंटे के अंतराल पर दो भूकंप आए। बाद वाले भूकंप की तीव्रता 6.2 मापी गई। नेपाल का हिमालयीय क्षेत्र भूकंप का केंद्र था, लेकिन राजधानी दिल्ली समेत उत्तर भारत के कई शहरों ने कंपन और धक्के महसूस किए। भूकंप की यह तीव्रता भी खतरनाक और घातक है। ईश्वर की कृपा रही कि कहीं से जान-माल की त्रासद खबरें नहीं आईं। कुछ लोग नेपाल में घायल हुए हैं और एक पुराने भवन की दीवार ढही है। बहरहाल भूकंप विशेषज्ञ बार-बार आकलन करते हुए भविष्यवाणी करते रहे हैं कि ये भूकंप किसी 'महाभूकंप' की पदचाप हैं। ऐसा 'महाभूकंप' 50,100 या 200 सालों में कभी भी आ सकता है। उसके निश्चित समय का आकलन विशेषज्ञ भी नहीं कर पा रहे हैं। यदि 'महाभूकंप' आया, तो 'महाप्रलय' के हालात बनेंगे और तबाही, त्रासदियां व्यापक स्तर पर होंगी। तुर्किये के भूकंप संभावित महाप्रलय की बानगी माने जा सकते हैं। यदि भूकंप की तीव्रता 7 को पार कर गई और करीब 8 हुई, तो राजधानी दिल्ली और आसपास के क्षेत्र की आधे से अधिक इमारतें वे भूकंपीय कंपन झेल नहीं पाएंगी। इसी साल अगस्त में 6 तीव्रता से अधिक के भूकंप हमने आधा दर्जन बार महसूस किए हैं। अलबत्ता भूकंपों की संख्या लगातार बढ़ रही है। सवाल यह नहीं है कि भूकंप क्यों आते हैं या पृथ्वी के भीतर की प्लेटें आपस में क्यों टकराती हैं? ये सवाल फिलहाल हमारे वैज्ञानिक, भूगर्भीय विशेषज्ञों के अनुसंधान से परे हैं, लेकिन बुनियादी चिंता यह है कि हम लगातार भूकंपों से कांपने, हिलने-डुलने के बावजूद लापरवाह हैं। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान के प्रोफेसर अनिल गुप्ता का विश्लेषण है कि राजधानी दिल्ली की सोसायटियों में बहुमंजिला इमारतें बनी हैं। छोटे स्तर पर बिल्डर भी ऐसे भवन बनवा रहे हैं। वे भवन भूकंप-रोधी तकनीक से बन रहे हैं अथवा नहीं, इमारतों की भूकंप झेलने की क्षमताएं शेष हैं या नहीं, लंबे समय तक गर्मी, धूप, बारिश सहते हुए इमारतों पर उनके क्या प्रभाव पड़े हैं अथवा इमारतों के नीचे पानी रिस रहा है, तो सीलन कितनी है, इन तमाम स्थितियों की न तो उचित और निरंतर जांच की जाती है और न ही कोई कड़े कायदे-कानून हैं। यकीनन भूकंप के झटके हमारे निर्माणों की मजबूती को कमजोर तो कर ही रहे हैं। राजधानी दिल्ली की ही चिंता नहीं है, बल्कि जम्मू-कश्मीर, हिमाचल, उत्तराखंड, उप्र, बिहार के कई हिस्से, गुजरात का कच्छ रण, सभी पूर्वोत्तर राज्य, अंडेमान-निकोबार द्वीप समूह आदि भूकंप-संवेदी क्षेत्र हैं। इन्हें जोन 4 और 5 में वर्गीकृत किया गया है। यानी ये क्षेत्र विध्वंस और मौत के कगार पर स्थित हैं। नेपाल का 7.9 तीव्रता वाला भूकंप 2015 में हम देख-पढ़ चुके हैं। कितने लोग मारे गए थे और कितने भवन 'मलबा' हो गए थे। इतिहास में 1897 का शिलांग पठार का 8.1 तीव्रता, 1905 में कांगड़ा का 7.8 तीव्रता, बिहार-नेपाल सीमा का 1934 में 8.3 तीव्रता और 1950 में अरुणाचल-चीन सीमा पर 8.5 तीव्रता के भूकंप दर्ज हैं।

अंग्रेजों को अपने शासन को सुचारू रूप से संचालन के लिए नौकरों की आवश्यकता थी

भारत में बेरोजगारी की समस्या का हल निकालने में मिल रही है सफलता

प्रह्लाद सबनानी

पिछले एक दशक के दौरान केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों ने भारतीय नागरिकों को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कई नई योजनाएं प्रारम्भ की हैं। वर्ष 2015 में प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) प्रारम्भ की गई थी। इस योजना को प्रारम्भ करने का मुख्य उद्देश्य देश के युवाओं को सुरक्षित बेहतर आजीविका प्राप्त करने के लिए उद्योग-प्रासंगिक कौशल प्रशिक्षण लेने में सक्षम बनाना था।

भारतीय सनातनी वेदों एवं ग्रंथो में इस बात के कई प्रमाण मिलते हैं, जिससे यह सिद्ध होता है कि भारत सदैव ही आर्थिक रूप से सम्पन्न देश रहा है एवं भारत के समस्त नागरिकों के लिए रोजगार के भरपूर अवसर उपलब्ध रहे हैं। मुद्रा स्फीति, आय की असमानता, बेरोजगारी एवं ऋण के भारी बोझ के तले दबे रहना जैसे शब्दों का तो प्राचीन भारत के आर्थिक इतिहास में वर्णन नहीं के बराबर मिलता है। भारत के समस्त नागरिकों की पर्याप्त मात्रा में आय होती थी जिससे वह अपने परिवार का आसानी से गुजर बसर कर पाते थे एवं समाज में समस्त नागरिक प्रसन्नता पूर्वक रहते थे। दरअसल प्राचीन भारत के उस खंडकाल में नागरिकों में उद्यमशीलता अपने चरम पर थी। परिवार के जमे जमाए व्यवसाय पीढ़ी दर पीढ़ी सफलतापूर्वक आगे चलते रहते थे एवं परिवार के सदस्यों के आय अर्जन का मुख स्त्रोत बने रहते थे। इस दृष्टि से नागरिकों को सामान्यतः नौकरी के लिए परिवार के पारम्परिक व्यवसाय के बाहर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ती थी। इस प्रकार उस खंडकाल में बेरोजगारी की समस्या उत्पन्न ही नहीं होती थी। भारत पर आक्रांताओं के आक्रमण एवं इसके तुरंत बाद अंग्रेजों के शासनकाल में भारतीय नागरिकों की उद्यमशीलता को समाप्त कर उनमें नौकरी करने की भावना को विकसित किया गया क्योंकि अंग्रेजों को अपने शासन को सुचारू रूप से संचालन के लिए नौकरों की आवश्यकता थी। अंग्रेजों के शासनकाल में भारत की शिक्षा पद्धति को भी कुछ इस प्रकार से परिवर्तित किया गया कि भारतीय नागरिक अपनी पढ़ाई समाप्त करने के पश्चात अंग्रेजों के संस्थानों में केवल नौकरी कर सके। दीर्घकाल में इसका परिणाम यह हुआ कि भारतीय नागरिक केवल नौकरी को ही रोजगार का साधन मानने लगे और उन्हें यदि नौकरी नहीं मिल पाती तो वे अपने आप को बेरोजगार मानने लगे। भारतीय नागरिकों में उद्यमशीलता तो जैसे समाप्त ही हो गई थी। परंतु, पिछले लगभग 10 वर्षों के दौरान भारतीय नागरिकों में उद्यमशीलता को पुनः पैदा करने के अथक प्रयास किये गए हैं, जिनमे सफलता भी मिलती दिखाई दे रही है और भारत में अब पुनः बहुत बड़ी मात्रा में उद्यमों को स्थापित किया जा रहा है, जिससे भारतीय नागरिक अब धीरे धीरे नौकर नहीं बल्कि नौकरी देने वाले बनते जा रहे हैं। पिछले एक दशक के दौरान केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों ने भारतीय नागरिकों को

रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कई नई योजनाएं प्रारम्भ की हैं। वर्ष 2015 में प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) प्रारम्भ की गई थी। इस योजना को प्रारम्भ करने का मुख्य उद्देश्य देश के युवाओं को सुरक्षित बेहतर आजीविका प्राप्त करने के लिए उद्योग-प्रासंगिक कौशल प्रशिक्षण लेने में सक्षम बनाना था। वर्ष 2016 में स्टार्ट-अप इंडिया योजना देश में लागू की गई थी। इस योजना को लागू करने का मुख्य उद्देश्य एक ऐसा तंत्र विकसित करना था, जो पूरे देश में उद्यमिता का पोषण और प्रचार करता हो। वर्ष 2016 में ही स्टैंड अप इंडिया योजना प्रारम्भ की गई थी। इस योजना का मुख्य उद्देश्य महिलाओं और एससी/एसटी उधारकर्ताओं को 10 लाख रुपये तक के बैंक ऋण की सुविधा तथा ग्रीनफील्ड उद्यम स्थापित करने के लिए 1 करोड़ रु. तक का ऋण प्रदान करना था। इसके पूर्व, वर्ष 2014 में राष्ट्रीय कौशल विकास मिशन की स्थापना 'कौशल भारत' एजेंडे को 'मिशन मोड' में चलाने के लिए की गई थी ताकि मौजूदा कौशल प्रशिक्षण पहलों को एकजुट किया जा सके और कौशल प्रयासों के पैमाने और गुणवत्ता को गति के साथ जोड़ा जा सके। इन योजनाओं के साथ ही भारतीय नागरिकों और राष्ट्र के सामाजिक और आर्थिक कल्याण को सम्बोधित करने के लिए भारत सरकार द्वारा कई अन्य योजनाएं (पीएमगरीब कल्याण योजना, आयुषमान भारत, प्रसाद योजना, आदि) भी प्रारम्भ की गई हैं। विभिन्न सरकारों के साथ ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जैसे कुछ सांस्कृतिक संगठनों ने भी भारत में रोजगार के अवसर निर्मित करने के उद्देश्य से कई अन्य सामाजिक संस्थाओं को साथ लेकर भी कुछ प्रयास प्रारम्भ किया गए। संघ ने तो अपने कुछ अनुशांगिक संगठनों को यह जिम्मेदारी सौंपी कि वे इस क्षेत्र में विशेष प्रयास करें। इन सामाजिक, आर्थिक एंड सांस्कृतिक संगठनों ने मिलकर समाज में विशेष रूप से युवा नागरिकों के उद्यमशीलता को पुनः विकसित करने के सफल प्रयास किए हैं एवं अब एक बार पुनः भारत में उद्यमों को बढ़ावा मिलता दिखाई दे रहा है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में कर्मचारी भविष्यनिधि संस्थान में रजिस्टर हुए नए सदस्यों की संख्या वित्तीय वर्ष 2018-19 में 61 लाख थी जो वित्तीय वर्ष 1920-21 में 77 लाख, वित्तीय वर्ष 2021-22 में 122 लाख एवं वित्तीय वर्ष 2022-23 में बढ़कर 139 लाख हो गई है। इस संख्या में लगातार सुधार से आश्य यह है कि देश में युवाओं को फोर्मल रोजगार बड़ी संख्या में मिल रहे हैं। यहां इस बात पर भी ध्यान देना होगा कि इस दौरान विश्व के अन्य देशों में कई कम्पनियों में कर्मचारियों की छटनी की गई है। इसी प्रकार पीरिओडिक लेबर फोर्स सर्वे के अनुसार जनवरी 2022 से भारत में बेरोजगारी की दर में लगातार कमी देखने को मिल रही है। जनवरी 2022 में देश में बेरोजगारी की दर 8.2 प्रतिशत थी जो अप्रेल-जून 2022 तिमाही में घटकर 7.6 प्रतिशत तो वहीं जुलाई-सितम्बर 2022 तिमाही में 7.2 प्रतिशत, अकटोबर-दिसम्बर 2022 तिमाही में 7.2 प्रतिशत से घटाकर जनवरी-मार्च 2023 तिमाही में 6.8 प्रतिशत पर आ गई है। सीएमआईई द्वारा जारी एक अन्य जानकारी के अनुसार, भारत में बेरोजगारी की दर मार्च 2023 में घटकर 7.6 प्रतिशत हो गई है जो मार्च 2022 में 8 प्रतिशत एवं मार्च 2021 में 10 प्रतिशत थी। शहरी क्षेत्रों में महिलाओं (15 वर्ष और उससे अधिक) में बेरोजगारी की दर जनवरी-मार्च 2023 तिमाही में घटकर 9.2 प्रतिशत पर आ गई है, जो कि एक वर्ष पहिले इसी तिमाही में 10.1 प्रतिशत थी। वहीं, पुरुषों में शहरी क्षेत्रों में बेरोजगारी की दर इस वर्ष पहली तिमाही में कम होकर 6 प्रतिशत रही, जो एक वर्ष पूर्व 2022 की जनवरी-मार्च तिमाही में 7.7 प्रतिशत थी। देश में राज्यवार बेरोजगारी का विश्लेषण करने पर ध्यान में आता है कि 10 प्रतिशत से अधिक बेरोजगारी की दर वाले राज्य हैं, हरियाणा में 37.4 प्रतिशत, राजस्थान में 28.5 प्रतिशत, दिल्ली में 20.8 प्रतिशत, बिहार में 19.1 प्रतिशत, झारखंड में 18 प्रतिशत, जम्मू कश्मीर में 14.8 प्रतिशत, त्रिपुरा में 14.3 प्रतिशत एवं सिक्किम में 13.6 प्रतिशत है।

महाविद्यालयों में खेल विंग कब?

पंजाब अपने विभिन्न विश्वविद्यालयों के विभिन्न महाविद्यालयों व विश्वविद्यालय परिसरों में खेल सुविधा के अनुसार खेल विंग चलवा कर अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय खेलों की प्रतिष्ठित मौलाना अब्दुल कलाम ट्राफी पर कब्जा करता रहा है तथा खेल विंगों के माध्यम से ही उसने खेलों में श्रेष्ठतम स्थान प्राप्त किया हुआ है। प्रतिभा व सुविधा के अनुसार हिमाचल प्रदेश के विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों में भी सरकार खेल विंग खोलती है तो भविष्य में हिमाचल के और अधिक खिलाड़ी राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकते हैं। हिमाचल प्रदेश के कई महाविद्यालयों के पास अंतरराष्ट्रीय स्तर का खेल ढांचा तैयार खड़ा यूं ही बेकार हो रहा है। हिमाचल प्रदेश के महाविद्यालयों में भी खेल विंग हो, इस कॉलम के माध्यम से पिछले दो दशकों से इस पर बहुत बार लिखा जा चुका है, मगर तत्कालीन सरकारों का रवैया उदासीन ही रहा है।

विश्व के अधिकांश पदक विजेता खिलाड़ी महाविद्यालय स्तर से ही निकल कर आगे आते रहे हैं। जिन जिन देशों ने खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है वहां के शिक्षा संस्थानों के पास अच्छी खेल प्रशिक्षण सुविधाओं के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर का खेल ढांचा व प्रशिक्षक उपलब्ध रहते हैं। हिमाचल में महाविद्यालय स्तर पर खेल सुविधाओं का टोटा है। पंजाब की तरह यहां अभी तक महाविद्यालय स्तर पर खेल विंग विद्यार्थी खिलाडियों के लिए उपलब्ध नहीं है। पंजाब अपने विभिन्न विश्वविद्यालयों के विभिन्न महाविद्यालयों व विश्वविद्यालय परिसरों में खेल सुविधा के अनुसार खेल विंग चलवा कर अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय खेलों की प्रतिष्ठित मौलाना अब्दुल कलाम ट्राफी पर कब्जा करता रहा है तथा खेल विंगों के माध्यम से ही उसने खेलों में श्रेष्ठतम स्थान प्राप्त किया हुआ है। प्रतिभा व सुविधा के अनुसार हिमाचल प्रदेश के विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों में भी सरकार खेल विंग खोलती है तो भविष्य में हिमाचल के और अधिक खिलाड़ी राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकते हैं। हिमाचल प्रदेश के कई महाविद्यालयों के पास अंतरराष्ट्रीय स्तर का खेल ढांचा तैयार खड़ा यूं ही बेकार हो रहा है। हिमाचल प्रदेश के महाविद्यालयों में भी खेल विंग हो, इस कॉलम के माध्यम से पिछले दो दशकों से इस पर बहुत बार लिखा जा चुका है, मगर तत्कालीन सरकारों का रवैया उदासीन ही रहा है। खेल विंगों के लिए सरकार को न तो खेल ढांचा खड़ा करना पड़ता है और न ही नया छात्रावास बनाना पड़ता है। केवल खेल विशेष का प्रशिक्षक और खिलाडियों के लिए खुराक व रहने का प्रबंध करना होता है जो आसानी से बहुत कम धन राशि खर्च करके हो सकता है। राजकीय महाविद्यालय हमीरपुर, धर्मशाला, बिलासपुर व सरस्वती नगर में एथलेटिक्स के विंग आसानी से चल सकते हैं क्योंकि यहां तीन जगह सिंथेटिक ट्रैक हैं और चौथी जगह सरस्वती नगर में बन रहा है। हमीरपुर व धर्मशाला में साई विभिन्न खेलों में एक्सीलेंस सैंटर चला रही है, मगर यहां पर राष्ट्रीय पदक विजेताओं को ही प्रवेश मिलेगा। अच्छा होगा हिमाचल सरकार अपने प्रदेश से राष्ट्रीय पदक विजेता तैयार कर इन सैंटरों में भेजे। भारतीय खेल प्राधिकरण के शिलारू केन्द्र में भी दो सौ मीटर का सिंथेटिक ट्रैक बिछ गया है। वहां के नजदीकी विद्यालयों में एथलेटिक्स की नर्सरियां स्थापित हो सकती हैं। ऊना तथा मंडी में तैराकी के लिए तरणताल उपलब्ध हैं। शिलारू व ऊना में हॉकी की एस्ट्रोटर्फ बिछी हुई है। हिमाचल प्रदेश में विभिन्न खेलों का स्तर राज्य में खेल छात्रावासों के खुलने के बाद काफी सुधरा है। विद्यालय स्तर पर खेल छात्रावासों को आज से तीन दशक पहले शुरू कर दिया गया था। पपरोला के बास्केटबॉल खेल छात्रावास ने एक समय तक अच्छे परिणाम दिए हैं। हॉकी में माजरा स्कूली खेल छात्रावास की लड़कियों ने पिछले कई वर्षों से राष्ट्रीय स्कूली खेलों में हिमाचल प्रदेश को पदक तालिका में स्थान दिलाया है। यदि इन लड़कियों को एस्ट्रोटर्फ मिलता है तो बात कुछ और हो सकती है। स्कूल स्तर की राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में हिमाचल प्रदेश का प्रदर्शन सम्मानजनक खेल छात्रावासों के कारण रहता है। हिमाचल प्रदेश में स्कूली स्तर पर पपरोला में लडक़ों के लिए बास्केटबॉल, सुंदरनगर व नादौन में लडक़ों की हाकी, माजरा में लड़कियां के लिए हाकी में खेल छात्रावास चल रहे हैं। वालीबाल में स्कूली स्तर पर प्रशिक्षण का प्रबंध है। मतियाणा व रोहड़ू में लडक़ों को तथा कोटखाई में लड़कियों के लिए खेल छात्रावासों को वर्षों पहले से शुरू किया गया है। रोहड़ू में फुटबॉल का भी खेल छात्रावास है। इन छात्रावासों में अच्छे प्रशिक्षकों के साथ साथ खेल सुविधाओं में काफी सुधार की जरूरत है। हिमाचल प्रदेश में भारतीय खेल प्राधिकरण ने तीस वर्ष पहले बिलासपुर व धर्मशाला में खेल छात्रावासों की शुरुआत की है। दो छात्रावास राज्य सरकार ने ऊना तथा बिलासपुर में चला रखे हैं। इन खेल छात्रावासों में अधिकांश बारह से चौदह वर्ष के खिलाड़ी बालक व बालिकाओं को ही प्रवेश मिलता है। स्कूल से निकल कर जब खिलाड़ी महाविद्यालय में प्रवेश ले रहा होता है तो उस समय उसकी उम्र अठारह वर्ष हो चुकी होती है। इसलिए इन खेल छात्रावासों में दाखिल होने के अवसर न के बराबर होते हैं। इसलिए हिमाचल में खिलाड़ी विद्यार्थी को स्कूल के बाद महाविद्यालय स्तर पर खेल विंग मिलना जरूरी हो जाता है। हिमाचल प्रदेश में महाविद्यालय स्तर पर कोई भी प्रशिक्षण सुविधा उपलब्ध न होने के कारण स्कूली स्तर पर सामने आई खेल प्रतिभाओं को या तो हिमाचल प्रदेश से पलायन कर पड़ोसी राज्यों के खेल विंगों की शरण लेनी पड़ती है या फिर असमय ही खेल को अलविदा कह कर गुमनामी के अंधेरे में खो जाना होता है। निजी स्तर पर नब्बे के दशक से सुंदरनगर में मुक्केबाजी तथा हमीरपुर में जूडो व एथलेटिक्स पर प्रशिक्षण कार्यक्रम जो शुरू हुआ था उसी से मुक्केबाजी में परशुराम अवार्ड से सम्मानित पहले शिव चौधरी व अब आशीष चौधरी के लिए आधार मिला। आज आशीष ओलंपिक खेल चुका है जो हिमाचल प्रदेश के लिए बहुत गौरव की बात है। हमीरपुर से जूडो में परशुराम अवार्डी नूतन, एथलेटिक्स प्रशिक्षण कार्यक्रम से परशुराम अवार्डी पुष्पा ठाकुर ने तेज गति की दौड़ों में व संजो ठाकुर ने भाला प्रक्षेपण में राष्ट्रीय स्तर पर हिमाचल प्रदेश को पहचान दिलाई है। मोरसिंघी में चले हैंडबाल प्रशिक्षण कार्यक्रम से कई महिला खिलाडियों ने हिमाचल प्रदेश को कई बार पदकों से सजाते हुये अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व किया है। पूरे संसार में खिलाडियों के लिए महाविद्यालय स्तर पर उच्च स्तरीय खेल सुविधाएं उपलब्ध हैं क्योंकि यही उम्र होती है जहां से खिलाड़ी को स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की जरूरत होती है।

दृष्टिकोण

अंधी जमात के वारिस

इतना वक्त गुजर गया, उन्हें कुछ पता ही नहीं चला। कल तक जो अपने आपको नवांकुर कह कर उनके गमलों में रोपित हो जाना चाहते थे, आज वह अचानक बरगद बन कर उन्हें अपने साये से महरूम कर देना चाहते हैं। कल तक जो उन्हें क्रांतिकारी कह उन पर आलोक आरोपित कर उसकी विरासत का ध्वज जो जाना चाहते थे, आज उन्हें बीते जमाने की अंधेरी परछाई कह उससे यूं अलग हुए कि जैसे चिहुंक कर कहते हो, 'छाया मत छूना मन। हो जाएगा दुख दूना मन।' वे लाख उन्हें गलत कह दें, सच सच चिल्ला दें, बस्ता ढोने से कहीं बेहतर है अपना ग्रन्थ आप रचने का दावा करना। आजकल जल्दी समझ आ जाती है, किसी ज्योति स्तम्भ से आलोकित होने की बजाय, उसके समानान्तर अपना ज्योति स्तम्भ स्थापित कर देने का शुबहा पैदा कर देना। यह सच है जो आज उनके आंगन में झूठ था, वह हमारे आंगन में सच का श्रृंगार बनेगा, तभी तो हमारी मौलिकता, हमारे अलगाव की ताजपोशी होगी। ऐसा उन्होंने सबको बता दिया। इसीलिए तो आज सहज स्वीकार से अधिक सार्थक आक्रामक नकार हो गया है। हर बदलाव के आंदोलन का सामना करने का एक ही तरीका है, पहली जितनी देर हो सके, उसके सुगबुगाते हुए वजूद की अवहेलना कर दो, फिर अपनी मूर्तिभंजक भूमिका से किसी ऐसे दरकिनार कर दिये गये तर्क के ढांचे को शिरोधार्य कर वाचाल स्वर में उसका प्रतिस्थापन कर दो। बदलाव की पहली आवाज खुद ही शर्मिन्दा होकर गूंगी हो जाएगी। आपका विकल्प के रूप में उत्पन्न झूठा सच ही बदलाव की बयार बन जायेगा। पुरोधा को नकार कर ही भविष्य पुत्र पैदा होते हैं। समय हमेशा आने वाले कल को आशीर्वाद देता है, बीते कल के लिए तो आजकल कोई विदागान भी नहीं गाता। यह वक्तव्य अपनी दाड़ी खुजाते एक भविष्य जीवी नागरिक अपने समकक्ष दूसरे सत्य की पैरवी करते हुए समकालीन जुझारुओं के लिए कहा था, कि जिनकी समकालीनता छीन उन्हें पिटा हुआ बोसीदा सच कह उन्हें पटरी से उतार देने में ही जैसे अपना क्रांतिबोध मारक बना रहे थे। लीजिये एक क्रांति संभाषण से बड़ा बन कर दूसरा संभाषण उससे टकराया। टकरा कर ये सब संभाषण तो अपनी सफलता की मंजिलें तय करते चल गए, नीचे धरती तल पर रह गये वे करोड़ों लोग, जिन्हें अपने कंधों पर बैठाकर इन भाषणबाजों ने उड़ान भरनी थी। उड़ान तो उनकी जारी है, परन्तु इस उडऩखटोले पर सवार हैं उनके नाती-पोते, जो कभी उनके अपने आदमी थे, वही बन गये वंशज, जिनके पत्तों पर तकिया वही अब उन्हें हवा देता कह कर इधर-उधर बिखरा दिये गए। प्रगति के रास्ते पर सत्ता की दलाली के इतने टीले खड़े हो गये कि परिवर्तन की पुकार नासमझी लगने लगी है। और हर क्रांति की हुंकार बड़ी हवेलियों के द्वार से अपनी प्राण वायु के लिए कतार लगाती दिखने लगी है। निवेश के आकाशचारियों ने तरक्की के नये आसमान छू लिये, जो धनपति थे, और परिवर्तन के नाम पर मरते निवेश को जिंदगी दे देने का दावा कर रहे थे, वे तो दुगनी तरक्की कर गये और उनकी कतार से बहिष्कृत लोगों की रोजी-रोटी भी गई। उखड़े हुए लोगों के भाग्य में तो उखडऩा ही लिखा होता है। उनका बेकार युवा बल गांवों से उखड़ता है तो शहरों की ओर धंधा पाने का रुख करता है। कोरोना की मृत्युवाहिनी की ध्वनि ने उन्हें शहरों की गंदी बस्तियों से उखाड़ कर वापस गांवों की ओर फेंका कि जाओ एक नये कृषक भारत का निर्माण करो, लेकिन वहां तो वहीं ऊसर वीरानी थी और धनाढ्य साहूकार, दलालों और जमीदारों के पास बंधक पड़े बंटाईदार थे।

देश दुनीया से

छोटी फिल्मों के बड़े सरोकार

हाल ही में शिमला में सम्पन्न अन्तरराष्ट्रीय फिल्म समारोह में स्क्रीन की गयीं अधिकांश फिल्में विषय विविधता, कहानी कहने की अनूठी कला, मानवीय रिश्तों में संवेदनहीनता की पराकाष्ठा, जेंडर समस्या व खुद के लिये जीने लायक स्पेस अर्जित करने की छटपटाहट के लिये याद की जाएंगी। कला, साहित्य व फिल्मों की सृजनात्मक विधाएं भौगोलिक सीमाओं को तोडक़र हर देश में लोगों को प्यार, मोहब्बत व संवेदना के स्तर पर 'वसुधैव कुटुम्बकम' की तरह जोड़ती हैं। फिल्म में अगर संवाद न भी हो तो उसकी 'विज़ुअल लैंग्वेज' यानी दृश्य भाषा स्वतः ही फिल्म की कहानी को बयान कर देती है। शिमला फिल्मोत्सव का यह नौवां संस्करण था। करीब एक दशक की यात्रा में शिमला के गेयटी थियेटर में हर साल उमडऩे वाले सिने प्रेमियों के सैलाब से स्पष्ट है कि दर्शकों के अन्तर्मन को झिंझोडऩे वाली फिल्में हर दौर में अपनी सार्थकता साबित कर ही लेती हैं। पुष्पराज व देवकथा के सांझे प्रयासों से इस बार दुनिया भर से 106 फिल्मों का चयन हुआ जिनमें से 38 फिल्में 20 देशों से पहुंची तो भारत के 24 राज्यों में से 63 फिल्मों के अलावा हिमाचल श्रेणी में 5 फिल्मों ने अपनी-अपनी उपस्थिति दर्ज की। यह सही है कि शिमला का आकर्षण देश-विदेश के फिल्मकारों को अपनी नैसर्गिक छटा के बल पर खींचता है। सन 1889 में निर्मित गेयटी थियेटर में करीब 15 साल पहले सिनेमा स्क्रीनिंग के लिये एक प्रोफैशनल प्रेक्षागृह का निर्माण हुआ तो फिल्म रसिकों ने इसका भरपूर उपयोग किया। ऐसे समारोहों के आयोजन में प्रदेश सरकार के भाषा विभाग का सहयोग काबिले तारीफ है। इस फैस्टिवल को जिस बड़े पैमाने पर अनेक संस्थाएं 'स्पान्सर' कर रही हैं, उससे पता चलता है कि चन्द सालों में ही यह फिल्मोत्सव अनेक 'माइल स्टोन' हासिल करने में कामयाब रहा है। इस साल फिल्मोत्सव का एक और आकर्षक व शानदार पहलू था नाहन, कण्डा जेलों में कैदियों के लिये फिल्मों का प्रदर्शन। शिमला के करीब ढली में 'विशेष बच्चों' के लिये भी फिल्मों की स्क्रीनिंग हुई। सिनेमा जैसे सशक्त माध्यम को 'माल रोड कल्चर' से बाहर निकालकर दीगर संस्थानों में ले जाना वास्तव में सामाजिक सरोकारों के प्रति प्रतिबद्ध होने का परिचायक है। जिन देशों की फिल्मों का फिल्म फैस्टिवल में चयन हुआ उनमें अमेरिका, बेलजियम, इरान, कैनेडा, चीन, चेक रिपब्लिक, तुर्की, नेपाल, मिश्र, बांग्लादेश, इटली, पोलैण्ड, अर्जेन्टीना, स्वीडन, अफगानिस्तान, आस्ट्रेलिया, फ्रांस और दुबई शामिल हैं। लेकिन पुरस्कारों की बात करें तो फारसी ज़बान में निर्मित इरान की फिल्मों की धूम रही। 'नरेगेसी' और 'फार द सेक आफ आवा' और अफगानिस्तान की 'रोया', 'बांग्लादेश की नारी', 'चेक रिपब्लिक की' 'सेवन थाऊसेन्ड सोलस', को अन्तरराष्ट्रीय श्रेणी में पुरस्कृत किया गया। गुवाहटी की फिल्म मेकर रूपम ज्योति मालांकर की फिल्म 'एकाकी' ने भी दर्शकों को ध्यान खींचा। 'नरेगेसी' में एक ऐसे व्यक्ति के संघर्ष को उकेरा गया है जो मानसिक रूप से अस्वस्थ है, मगर वो प्यार की तलाश में है ताकि शादी रचाकर 'खुशियां' बटोर सके। लेकिन स्वार्थी दुनिया में उसके जैसे लोगों के लिये कोई जगह नहीं है। लेकिन एक उपहार उसके जीवन को बदल देता है। 'फॉर द सेक ऑफ आवा' एक ऐसी लडक़ी 'आवा' की कहानी को बयां करती है जो दूसरे देश में एक समारोह में अपनी प्रस्तुति देने के लिये जाना चाहती है, लेकिन उसके पास न तो जन्म प्रमाण पत्र है, न ही पासपोर्ट। कारण, उसकी माता इरान से है और पिता अफगानी। 'रोया' अफगानी फिल्म है जो अपने विषय से दर्शकों को स्तब्ध कर देती है। इसे उद्घाटन सत्र में मुख्यमंत्री को भी दिखाया गया। इस फिल्म ने दर्शकों को बांधे रखा। फिल्म में एक अफगान और उसकी पत्नी एक दल के साथ अफगानिस्तान की सीमा पार कर यूरोप में गैर कानूनी ढंग से दाखिल होने के लिये भय, आतंक के माहौल में मीलों का सफर पैदल तय करते हैं। बियावान और मरूस्थल में। उसकी गर्भवती पत्नी प्रसव पीड़ा के कारण रोने चिल्लाने लगती है।

कला, साहित्य व फिल्मों की सृजनात्मक विधाएं भौगोलिक सीमाओं को तोडक़र हर देश में लोगों को प्यार, मोहब्बत व संवेदना के स्तर पर 'वसुधैव कुटुम्बकम' की तरह जोड़ती हैं। फिल्म में अगर संवाद न भी हो तो उसकी 'विज़ुअल लैंग्वेज' यानी दृश्य भाषा स्वत: ही फिल्म की कहानी को बयान कर देती है। शिमला फिल्मोत्सव का यह नौवां संस्करण था। करीब एक दशक की यात्रा में शिमला के गेयटी थियेटर में हर साल उमडऩे वाले सिने प्रेमियों के सैलाब से स्पष्ट है कि दर्शकों के अन्तर्मन को झिंझोडऩे वाली फिल्में हर दौर में अपनी सार्थकता साबित कर ही लेती हैं। पुष्पराज व देवकथा के सांझे प्रयासों से इस बार दुनिया भर से 106 फिल्मों का चयन हुआ जिनमें से 38 फिल्में 20 देशों से पहुंची तो भारत के 24 राज्यों में से 63 फिल्मों के अलावा हिमाचल श्रेणी में 5 फिल्मों ने अपनी-अपनी उपस्थिति दर्ज की। यह सही है कि शिमला का आकर्षण देश-विदेश के फिल्मकारों को अपनी नैसर्गिक छटा के बल पर खींचता है।

अमेरिकी संसद का स्पीकर बनने को तैयार अगर... पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का बड़ा बयान

वॉशिंगटन ।

डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर सुर्खियों में हैं। अमेरिका में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से ताल ठोकने को तैयार डोनाल्ड ट्रंप ने एक चौंकाने वाले बयान में कहा है कि वे प्रतिनिधि सभा के स्पीकर का पद संभालने को तैयार हैं। ट्रंप का बयान ऐसे समय में आया है जब केविन मैक्कार्थी को पहली बार वोटिंग के प्रोसेस के बाद पद से हटाया गया।

पद स्वीकार करने के पीछे ट्रंप की मंशा – दरअसल, अमेरिकी संसद की प्रतिनिधि सभा में केविन मैक्कार्थी को हटाने के लिए मतदान कराया गया। केवल 269 दिनों तक पद पर रहने के बाद हटाए गए मैक्कार्थी के बाद अगला स्पीकर कौन बनेगा, इस पर कयास लगाए जा रहे हैं। इसी बीच ट्रंप ने एक सवाल पर कहा, जरूरत पड़ने पर वे स्पीकर का पदभार संभालने को तैयार हैं।

जनवरी में चुने गए मैक्कार्थी, सिर्फ 9 महीने में विदाई – बता दें कि अमेरिकी प्रतिनिधि सभा से किसी अध्यक्ष को पद से हटाने के लिए पहली बार वोटिंग कराई गई। मतदान के बाद कैलिफोर्निया के रिपब्लिकन सीनेटर केविन मैक्कार्थी को हटाया गया। मैकहेनरी उनकी जगह प्रो-टेम अध्यक्ष चुने गए हैं। मैक्कार्थी का कार्यकाल 7 जनवरी, 2023 को शुरू हुआ था, जो किसी भी स्पीकर का दूसरा सबसे छोटा कार्यकाल है।

राष्ट्रपति चुनाव से पहले ट्रंप यूएस हाउस स्पीकर बनेंगे – ट्रंप रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति चुनाव 2024 में ताल ठोकने की तैयारी कर रहे ट्रंप स्पीकर का पद क्यों संभालेंगे इस सवाल पर उन्होंने कहा, वह रिपब्लिकन पार्टी को एकजुट करने का प्रयास करने के मकसद से प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष के रूप में अस्थायी पद स्वीकार करेंगे।

अमेरिकी कांग्रेस में ट्रंप के कई दोस्त – बातचीत में ट्रंप ने कहा, अमेरिकी कांग्रेस में उनके कई दोस्त हैं, इसलिए उन्हें अस्थायी रूप से स्पीकर का भूमिका निभाने में कोई आपत्ति नहीं होगी। उन्होंने कहा, रिपब्लिकन सीनेटरों को एकजुट रखने का प्रयास करना है। अगर उनका स्पीकर बनना अनिवार्य है तो उन्हें कोई आपत्ति नहीं है। ट्रंप ने साफ किया, ऐसा नहीं है कि वे स्पीकर बनना चाहते हैं, इसलिए पद संभालने को सहमत हैं।

न्यूज ब्रीफ

आइओवा में प्रदर्शनकारियों ने जानबूझकर मारी प्रचार अभियान की कार को टक्कर', विवेक रामास्वामी का आरोप

वाशिंगटन । अमेरिका में अगले साल राष्ट्रपति के चुनाव होने हैं। ऐसे में यहां जमकर चुनाव प्रचार किया जा रहा है। प्रचार से जुड़ी लगातार कई खबरें सामने आ रही हैं। अब राष्ट्रपति पद के रिपब्लिकन उम्मीदवार विवेक रामास्वामी ने दो लोगों पर प्रचार अभियान की कार को जानबूझकर टक्कर मारने का आरोप लगाया है। रामास्वामी ने कहा कि यूक्रेन को सहायता दिए जाने के उनके कड़े विरोध से नाराज दो प्रदर्शनकारियों ने आइओवा में उनके प्रचार अभियान की कार में जानबूझकर अपना वाहन घुसा दिया। हालांकि, पुलिस का कहना है कि इसका कोई सबूत नहीं है कि दुर्घटना जानबूझकर की गई थी। बताया जा रहा है कि घटना आइओवा के ग्रिनेल में एक प्रचार अभियान के लिए खड़ी एसयूवी कार को एक नीले रंग की होंडा ने कथित तौर पर जानबूझकर टक्कर मार दी। होंडा कार महिला चला रही थी, जबकि उसके साथ कार में एक व्यक्ति और बैठा था। कहा जा रहा टक्कर के तुरंत बाद प्रदर्शनकारी मौके से फरार हो गए। रामास्वामी ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर कहा, प्रदर्शनकारियों के साथ तीखी बहस हो गई। उसी समय उनमें से दो लोग अपनी कार में सवार होकर आए और एसयूवी को टक्कर मार दी। उन दोनों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए।' उन्होंने आगे कहा, 'शांतिपूर्वक कर रहे प्रदर्शन कर रहे और लोगों को दो की वजह से परेशान नहीं किया जाना चाहिए। 38 वर्षीय उद्यमी रामास्वामी ने कार्यक्रम के बाद एक बयान में कहा, शुक्र है कि किसी को चोट नहीं आई।' बता दें, घटना के समय रामास्वामी कार में नहीं थे। उन्होंने कहा, मैं आज एक प्रचार कार्यक्रम में भाग ले रहा था और प्रदर्शनकारियों के एक छोटे समूह ने मुझसे मुलाकात की। मैंने सम्मानपूर्वक उनके सवालों का जवाब दिया और अपने विचार व्यक्त करने के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। हालांकि, मैं उनसे सहमत नहीं था।' उन्होंने कहा, इसके बाद जो हुआ वह बहुत दूर की बात थी। प्रदर्शनकारियों में से एक अपनी कार में सवार होकर आया और मेरी कार से टकराते हुए चला गया।' रामास्वामी के प्रचार अभियान ने टक्कर के लिए प्रदर्शनकारियों को जिम्मेदार ठहराया। कहा कि वे लोग यूक्रेन के लिए सहायता संबंधी रामास्वामी की टिप्पणी से नाराज थे। रामास्वामी की प्रवक्ता ट्रिसिया मैकलॉघलिन ने कहा, चीजें स्पष्ट रूप से बिगड़ गई हैं। रामास्वामी को प्रदर्शनकारियों से निपटना आता है। उन्होंने इसे बहुत शांति से संभाला।

साहित्य का नोबेलः रोजमर्रा की कठिनाइयों को शब्दों में गढ़ते हैं फॉसे, नार्वे की इस भाषा में करते हैं लेखन

स्टॉकहोम । साहित्य का नोबेल पाने वाले जॉन फॉसे का लेखन दो मायने में खास है। एक तो वह अपने पात्रों के जरिये रोजमर्रा के जीवन में पेश आने वाली कठिनाइयां और उनसे लड़ने की जिजीविषा को उकेरते हैं। वह असुरक्षा और हताशा जैसी अनकही मानवीय संवेदनों को बेहद शानदार ढंग से शब्दों में गढ़ते हैं। इसके अलावा, वह नार्वे की उस भाषा में लिखते हैं जिसमें ग्रामीण परिवेश की खुशबू बसी है। 1959 में नॉर्वे में जन्मे फॉसे का महज सात वर्ष की आयु में एक भयानक हादसे के शिकार हुए थे। हालांकि, इस हादसे में वे बाल-बाल बचे गए, लेकिन उसका खौफ उनके जेहन में बहुत गहरे तक बस गया। उनके लेखन में इस हादसे का गहरा असर दिखता भी है। फॉसे ने पहला उपन्यास रेड एंड ब्लैक लिखा था जो कि आत्महत्या जैसे संवेदनशील मुद्दे पर केंद्रित था। फॉसे नार्वे की दो आधिकारिक भाषाओं में से एक निनोर्स्क में लिखते हैं। नॉर्वे की भाषा परिषद के मुताबिक, देश की 54 लाख आबादी में से केवल 10 प्रतिशत लोग ही इसका उपयोग करते हैं, हालांकि दूसरी भाषा बोकमाल में लिखने-पढ़ने वाले बाकी लोग इसे पूरी तरह समझते हैं। बोकमाल नार्वे की सत्ता की भाषा है, और शहरी वर्ग इसे ही तरजीह देता है, जबकि निनोर्स्क का उपयोग मुख्यतः ग्रामीण पश्चिमी नॉर्वे के लोग करते हैं। नोबेल विजेता घोषित होने पर खुशी जाहिर करते हुए जॉन ने कहा कहा कि यह पुरस्कार उस तरह के साहित्य के लिए दिया गया है, जो साहित्य के अलावा और कुछ नहीं है। फॉसे ने मजाकिया अंदाज में कहा, मैं तो एक दशक से हर बार ही इंतजार करता था, और इसकी घोषणा से उत्साहित हुआ भी और नहीं भी। फॉसे ने पुरस्कार पर खुशी जाहिर की। लेखन की दुनिया में फॉसे की हैसियत का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि उनकी लिखी किताबें 40 से ज्यादा भाषाओं में अनूदित हो चुकी हैं। लेखन के अलावा फॉसे को संगीत का भी शौक है। वे गानों की धुन बनाते हैं। वे दुनिया के सबसे ज्यादा प्रतिभाशाली 100 जीवित शख्सों में 83वें स्थान पर हैं।

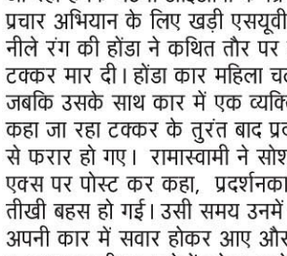

हादसा या साजिश

मिसाइल हमले से नहीं, विमान में ग्रेनेड फटने से हुई वैगनर चीफ प्रिगोझिन की मौत, बोले पुतिन

मॉस्को ।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भाड़े के सैनिकों के प्रमुख की मौत को लेकर एक दावा किया है। उन्होंने कहा कि येवगेनी प्रिगोझिन की मौत मिसाइल हमले नहीं बल्कि विमान के अंदर रखे ग्रेनेड के विस्फोट के कारण हुई थी। बता दें, दो माह पहल एक विमान हादसे में प्रिगोझिन की मौत हो गई थी।

मॉस्को में बुधवार यानी 23 अगस्त को एक विमान दुर्घटना में 10 लोगों की मौत हो गई थी। जिसमें निजी सैन्य समूह 'वैग्नर ग्रुप' का प्रमुख येवगेनी प्रिगोझिन भी शामिल था। प्रिगोझिन जून में रूस की सरकार के खिलाफ बगावत का एलान करते हुए वैग्नर लड़ाकों को मॉस्को की ओर मार्च का आदेश देने के बाद से चर्चा में आए थे।

अब पुतिन ने सोची के काला सागर रिसॉर्ट में वल्दाई डिस्कशन क्लब की एक बैठक में जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि रूस की जांच समिति के प्रमुख ने कुछ दिन पहले ही रिपोर्ट दी है। इसमें कहा गया है कि दुर्घटना में मारे गए लोगों के शरीर में विस्फोटक तत्व पाए गए हैं। इसके साथ ही उन्होंने अमेरिकी अधिकारियों के उन दावों को भी खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया था कि विमान को जानबूझकर निशाना बनाकर मार गिराया था।

हालांकि, पुतिन ने इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी कि ग्रेनेड विमान में कैसे पहुंचा और विस्फोट कैसे हुआ। वहीं, रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें लगता है कि जांचकर्ताओं ने दुर्घटना में मारे गए लोगों के शवों में अल्कोहल और ड्रग परीक्षण नहीं किया था। जबकि ऐसा किया जाना चाहिए था।

पुतिन ने कहा, मेरी राय में अल्कोहल और ड्रग की जांच की जानी चाहिए थी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।' वहीं, क्रेमलिन ने इस बात को पूरी तरह झूठ बताकर खारिज कर दिया है कि पुतिन ने बदला लेने के लिए प्रिगोझिन की हत्या कराई थी।

पुतिन ने आगे कहा कि सेंट पीटर्सबर्ग में वैगनर के कार्यालयों की तलाशी में, एफएसबी सुरक्षा सेवा को 10 अरब रूबल नकद और पांच किलोग्राम कोकीन मिला था। हालांकि, दुर्घटना के जांचकर्ताओं ने अभी तक सार्वजनिक रूप से रिपोर्ट जारी नहीं की है। येवगेनी प्रिगोझिन का जन्म साल 1961 में लेनिनग्राड में हुआ था।

लेनिनग्राड को आज हम सेंट पीट्सबर्ग के नाम से जानते हैं। साल 1981 में येवगेनी को मारपीट, डकैती और धोखाधड़ी का दोषी पाए जाने पर 13 साल की सजा सुनाई गई थी। हालांकि, सोवियत यूनियन के पतन के बाद येवगेनी को 9 साल की सजा के बाद ही रिहा कर दिया गया था।

लुलु समूह के अध्यक्ष ने की पीएम मोदी की तारीफ, कहा- प्रधानमंत्री के कारण ही भारत आज विश्व की उभरती शक्ति

अबू धाबी । लुलु समूह ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ की है। लुलु के अध्यक्ष ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व के कारण भारत विश्व की एक उभरती हुई शक्ति बन सका है। पीएम मोदी की नीतियों के कारण ही भारत को दुनिया की सबसे मजबूत अर्थव्यवस्थाओं में से एक माना जा रहा है। 35.4 लाख भारतीय यूएई की अर्थव्यवस्था के विकास का महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। लुलु समूह के अध्यक्ष और एमडी यूसुफ अली एमए ने अबू धाबी चैंबर द्वारा आयोजित भारत और संयुक्त अरब अमीरात के शीर्ष व्यापारिक नेताओं के साथ बैठक की। इस दौरान अली ने कहा कि यूएई और भारत का लक्ष्य शांति, स्थिरता और आर्थिक प्रगति ही है। राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के नेतृत्व में यूएई गतिशील और दुनिया के उन्नत देशों में शामिल है। तो वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत वैश्विक शक्ति के रूप में उभर रहा है। भारत को अब दुनिया की सबसे मजबूत अर्थव्यवस्थाओं में से एक माना जा रहा है। यूसुफ ने आगे कहा कि 3.54 मिलियन से अधिक भारतीय यूएई की अर्थव्यवस्था के विकास का अभिन्न अंग है। यूएई के विकास में भारतीय समुदाय का अहम योगदान है। भारतीय भी यहां सम्मान के साथ रह रहे हैं। भारत-यूएई सहयोग के साथ आगे बढ़ते रहेंगे। यूएई रहने और काम करने के लिए सुरक्षित है। यूएई आज विश्व का प्रमुख आर्थिक केंद्र बन चुका है। यूएई विश्व स्तरीय वास्तुकला, ऊर्जा, आईटी, लॉजिस्टिक्स, चिकित्सा और पर्यटन सहित अन्य प्रमुख क्षेत्रों का गढ़ बना चुका है। यहां विभिन्न-विभिन्न क्षेत्रों में निवेश का विशाल अवसर है। यूसुफ ने पीएम मोदी की तारीफ करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में कई उदारवादी नीतियों को बढ़ावा मिला है।

मेरी अंतरात्मा ने कहा..., उच्चायोग के सामने खालिस्तानी आतंकियों से तिरंगे को बचाने वाले छात्र का बयान

लंदन ।

लंदन में भारतीय उच्चायोग के सामने खलिस्तानियों के प्रदर्शन के दौरान भारतीय राष्ट्र ध्वज की रक्षा करने वालो छात्र सत्यम सुराना ने बताया कि उसने इससे पहले कभी भी भारतीय ध्वज का इस तरह से अपमान होते हुए नहीं देखा था। उन्होंने कहा कि उनकी अंतरात्मा ने उन्हें तिरंगे की रक्षा करने के लिए प्रेरित किया था।

लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के छात्र सत्यम ने कहा, मैंने भारतीय ध्वज का अपमान होते हुए देखा। एक महिला पुलिस अधिकारी जानबूछ कर तिरंगे पर खड़ी थी। मैंने झंडा उठाया और वहां से निकल गया। मैंने इस तरह से कभी भी भारतीय झंडे का अपमान होते हुए नहीं देखा। मेरी अंतरात्मा, मेरा दिमाग इसे देखकर हैरान था और इसी ने मुझे आगे बढ़ने और वह करने के लिए प्रेरित किया, जो मैंने किया।

भारतीय उच्चायोग के सामने प्रदर्शन के दौरान तिरंगे का अपमान

सोमवार को लंदन में भारतीय उच्चायोग के सामने खालिस्तानी प्रदर्शनकारियों ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों का एक झुंड ने बैरिकेड तोड़कर घुसने की भी कोशिश की थी। प्रदर्शनकारियों के हाथों में भारतीय ध्वज के साथ गौमूत्र भी था। प्रदर्शनकारियों ने बताया कि वे खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

खालिस्तानी समर्थकों में से एक ने भारतीय उच्चायोग के सामने खड़े होकर भारत विरोधी और सुनक विरोधी भाषण देने के बाद तिरंगे को जमीन पर फेंक दिया। सत्यम उस समय वहां मौजूद था। खालिस्तानियों के आगे बढ़ते ही उसने झंडे को उठा लिया। इस हरकत से कुछ खालिस्तानी भड़क गए और उसे रोकने लगे। हालांकि, स्थिति को शांत करने के लिए वहां पुलिसकर्मी भी मौजूद थे।

सत्यम ने कहा, भारतीय उच्चायोग के सामने प्रदर्शन हो रहा था। जब मैं वहां देखने पहुंचा तो मुझे पता चला कि ये खालिस्तानी समर्थक थे जो नारे लगाकर विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। उन्होंने आगे कहा, कुछ लोगों के हाथों में भारतीय झंडा भी था, जिसे लेकर वे उच्चायोग की तरफ बढ़ रहे थे। उन्होंने झंडे को नीचे गिराया और उसे अपवित्र करने लगे। सत्यम ने बताया कि उसकी इस हरकत से उसके परिवार वाले खुश है, लेकिन उन्हें फिलहाल उसकी सुरक्षा की चिंता हो रही है।

तहव्वुर राणा का भारत प्रत्यर्पण थोड़े और समय के लिए टला, यूएस कोर्ट ने याचिका दाखिल करने के लिए दिया समय

वाशिंगटन ।

भारत के लिए एक बार फिर बुरी खबर है। अमेरिका की एक अदालत ने 26/11 मुंबई आतंकी हमले का आरोपी पाकिस्तानी मूल का कनाडाई व्यवसायी तहव्वुर राणा को भारत प्रत्यर्पण किए जाने के खिलाफ याचिका दायर करने के लिए और समय दे दिया है।

सुनवाई तक भारत को न सौंपा जाए

दरअसल, अमेरिकी शहर कैलिफॉर्निया के सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट के यूनाइटेड स्टेट्स डिस्ट्रिक्ट जज डेल एस फिशर ने दो अगस्त को राणा की बंदी प्रत्यक्षीकरण रिट याचिका को खारिज कर दिया था। इस आदेश के खिलाफ उसने नौवें सर्किट कोर्ट में अपील की थी कि सुनवाई तक उसे भारत को न सौंपा जाए।

18 अगस्त को नया आदेश

इसी को लेकर, डिस्ट्रिक्ट जज डेल एस. फिशर ने 18 अगस्त को एक नया आदेश जारी किया। उन्होंने कहा कि राणा के प्रत्यर्पण पर रोक लगाने की मांग करने वाले एकतरफा आवेदन को मंजूरी दी जाती है। उन्होंने सरकार की उन सिफारिशों को भी खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया था कि राणा के प्रत्यर्पण पर कोई रोक नहीं होनी चाहिए। न्यायाधीश ने कहा था कि

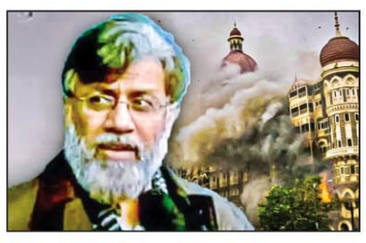

राणा के भारत प्रत्यर्पण पर नौवें सर्किट कोर्ट के समक्ष उसकी अपील के पूरा होने तक रोक लगाई जाती है।

पहले दिया था 10 अक्तूबर का समय

दूसरी तरफ, नौवीं सर्किट कोर्ट ने राणा के उस अनुरोध पर सहमति दी थी, जिसमें उसने दलील पेश करने के लिए अधिक समय मांगा था। इस पर कोर्ट ने शुरू में 10 अक्तूबर का समय दिया था। अमेरिकी सरकार से आठ नवंबर तक जवाब देने को कहा था।

अब पेश करना होगा इस दिन दलील

वहीं, अब अदालत के नए आदेश के अनुसार, राणा को नौ नवंबर को अब अदालत के सामने दलील पेश करना है। जबकि सरकार को 11 दिसंबर तक अपना पक्ष रखना है।

पाक सुप्रीम कोर्ट बार ने की भारतीय सर्वोच्च अदालत के इन फैसलों की तारीफ, कहा-भारत आना चाहते हैं

इस्लामाबाद ।

पाकिस्तानी सुप्रीम कोर्ट बार ने भारतीय सुप्रीम कोर्ट की तारीफ की है। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ऑफ पाकिस्तान ने भारतीय सुप्रीम के पहलों की सराहना की है, जिसमें ई-फाइलिंग, स्थानीय भाषाओं में फैसले की कॉपी, ई-कोर्ट सहित अन्य पहल शामिल है।

पाकिस्तानी एसोसिएशन ने भारतीय एसोसिएशन को लिखा पत्र

पाकिस्तानी बार एसोसिएशन का कहना है कि उन्हें विश्वास है कि अगर दोनों देशों के कानूनी समुदायों के बीच बातचीत को बढ़ाया जाए तो इससे देनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंध भी मजबूत होंगे। दोनों देशों के बीच रिश्ते मजबूत करने में यह महत्वपूर्ण हो सकता है। पाकिस्तानी सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीएपी) ने भारत के सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) के

अध्यक्ष और वरिष्ठ अधिवक्ता आदिश सी अग्रवाल को पत्र लिखा और कहा कि हमारे वकील एक बार भारत का दौरा करना चाहते हैं।

भारत आकर पहलों को समझना चाहते हैं

पाकिस्तानी सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने पत्र में आगे कहा कि एससीबीएपी भारत के सर्वोच्च न्यायालय की गई पहलों की सराहना करता है। ई-फाइलिंग, स्थानीय भाषाओं में फैसले, ई-कोर्ट, वकीलों के लिए कल्याणकारी योजनाएं प्रशंसनीय पहल है। इससे लोगों और समाज का विकास होगा। एससीबीएपी के सचिव एम अख्तर शब्बीर ने कहा कि एससीबीएपी एससीबीए के आमंत्रण पर भारत का दौरान करना चाहता है। जिससे हम सुप्रीम कोर्ट द्वारा शुरू की गई पहलों को अच्छे से जान सके और उसे समझ सकें। मुझे लगता है कि हमारे कानूनी समुदायों के बीच अगर बातचीत को बढ़ावा दिया जाए तो इससे दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को बेहतर बनाया जा सकता है।

रूस ने किया परमाणु मिसाइल का परीक्षण

पुतिन बोले- हमले की स्थिति में हमारा सामना नहीं कर पाएंगे दुश्मन

मॉस्को ।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बृहस्पतिवार को कहा कि रूस तीन दशक के बाद एक बार फिर परमाणु परीक्षण आरंभ कर सकता है और परमाणु परीक्षण प्रतिबंध समझौते से बाहर निकल सकता है।

दुनिया के सबसे बड़े परमाणु ताकत के सर्वोच्च नेता ने यह भी माना कि रूस ने परमाणु क्षमता से लैस मिसाइल बरेवेस्तनिक का सफल परीक्षण किया है और दुनिया में अभी इसकी ताकत का कोई मुकाबला नहीं है। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि इसका परीक्षण कब किया गया। पुतिन ने पश्चिम पर परमाणु समझौता भूलने का भी आरोप लगाया। पुतिन ने कहा, रूस की परमाणु नीति को बदलने की अभी कोई जरूरत नहीं है क्योंकि रूस पर होने वाला कोई भी हमला सैकड़ों परमाणु मिसाइलों के साथ सेकंड से कम समय में प्रतिक्रिया को आमंत्रित करेगा और कोई भी दुश्मन इसका सामना नहीं कर पाएगा। उन्होंने कहा, क्या हमें इस नीति को बदलने की जरूरत है क्यों किसी भी चीज में बदलाव हो सकता है लेकिन मैं इसमें बदलाव की जरूरत नहीं देखता। पुतिन ने यह भी कहा कि वह रूस के लिए अभी कोई खतरा नहीं देखते।

परमाणु परीक्षण प्रतिबंध की संधि से निकल सकता है रूस

पुतिन ने कहा, मैं अभी यह कहने के लिए तैयार नहीं हूं कि हमें परीक्षण करने की सच में जरूरत है, लेकिन सैद्धांतिक रूप से यह संभव है कि हम अमेरिका की तरह की व्यवहार करें। लेकिन यह रूसी संसद ड्यूमा के उप प्रमुखों के विचार करने का सवाल है। सैद्धांतिक रूप से यह संभव है कि हम परमाणु परीक्षण प्रतिबंध संधि की पुष्टि वापस ले लें।

डॉलर के मुकाबले 100 रूबल से भी नीचे गई रूस की मुद्रा

पुतिन जब पश्चिम और अमेरिका पर आरोप लगा रहे थे तब रूस की मुद्रा रूबल का मूल्य अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 100 से भी नीचे चला गया। यूक्रेन पर हमले से एक दिन पहले एक डॉलर की कीमत 80 रूबल थी। पुतिन ने कहा, कोई भी सही दिमाग और स्पष्ट याद्दाश्त वाला व्यक्ति रूस के खिलाफ परमाणु हथियारों के इस्तेमाल के बारे में सोच भी नहीं सकता।

नई पीढ़ी के मिसाइलों पर काम हुआ पूरा

पुतिन ने कहा, रूस ने नई पीढ़ी के अंतरमहाद्वीपीय बैलेस्टिक मिसाइलों पर अपना काम करीब करीब पूरा कर लिया है। यह मिसाइलें 10 या अधिक परमाणु मुखास्त्र ले जा सकती हैं। इस वर्ष फरवरी में पुतिन ने न्यू स्टार्ट संधि में हिस्सेदारी को निलंबित कर दिया था। अमेरिका के साथ यह संधि दोनों पक्षों की ओर से परमाणु मिसाइलों की तैनाती की संख्या निर्धारित करती है।

पांच सौ पर्यटक मित्रों की होगी नियुक्ति

जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नेतृत्व में राज्य सरकार ने प्रदेश में पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए उल्लेखनीय निर्णय लिए हैं। इसी कड़ी में सरकार 500 पर्यटक मित्रों की नियुक्ति करने जा रही है। मुख्यमंत्री ने इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। ये पर्यटक मित्र राज्य में आने वाले देशी-विदेशी पर्यटकों की पर्यटन स्थलों के संबंध में वांछित सहायता, कानून व्यवस्था, सुरक्षा तथा चिकित्सा सुविधाओं के लिए उचित मार्गदर्शन करेंगे। इनकी नियुक्ति राजस्थान एक्स सर्विसमेन कॉर्पोरेशन लि. के माध्यम से होगी। प्रत्येक पर्यटक मित्र को 15,200 रुपए मासिक पारिश्रमिक दिया जाएगा। इससे राज्य सरकार पर लगभग 13 करोड़ रुपए से अधिक का वार्षिक वित्तीय भार आएगा। उल्लेखनीय है कि गहलोत ने राज्य बजट 2023-24 पर हुई चर्चा के जवाब के दौरान इस संबंध में घोषणा की थी।

जिंदगी से बड़ी सजा ही नहीं, और जुर्म क्या है पता ही नहीं, बेवजह राजनीति में घसीट रहे : उपराष्ट्रपति

जयपुर (हिंस)। *जिंदगी से बड़ी सजा ही नहीं, और जुर्म क्या है पता ही नहीं।* उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का ये शायराना अंदाज शुक्रवार को सीकर जिले के लक्ष्मणगढ़ में मोदी यूनिवर्सिटी में दिखा। वे यहां छात्रों को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने शायराना अंदाज में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के तंज का जवाब दे डाला। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के लगातार राजस्थान दौरों को लेकर सवाल खड़े किए थे। गहलोत ने करीब आठ दिन पहले जयपुर के बिड़ला ऑडिटोरियम में मिशन 2030 के लिए जनसंवाद कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति के बार-बार राजस्थान दौरे को लेकर सवाल उठाए थे। गहलोत ने कहा था कि पहले प्रधानमंत्री आए और अब उप राष्ट्रपति अप-डाउन कर रहे हैं। अब उप राष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि मैं केंद्र सरकार और अन्य कई कार्यक्रमों में आमंत्रण आने पर जाता हूं। राज्य सरकार ने मुझे आमंत्रित नहीं किया है। उन्होंने कहा कि मन दुखी

तो होता है कि किन-किन शब्दों का प्रयोग कर लिया, उबरना बड़ा मुश्किल है। आपकी संस्था इतनी अच्छी है और कोई बेवजह अनर्गल बात कहे तो उनके उत्साह में कितनी कमी आएगी। मैं सबसे अपील करता हूं कि यह हमारा देश है और हम सभी इसके नौकर हैं। हमें कभी ऐसा परसेप्शन जनरेट नहीं करना चाहिए कि बेवजह संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति को राजनीति में घसीटा जाए, यह ठीक नहीं है। मैं यहां आया हूं, ठीक काम कर रहा हूं, पहले भी कई जगह गया। पर कुछ लोगों ने कहा कि आप क्यों आते हो बार-बार पता नहीं क्यों कह रहे हो कि बार-बार,... थोड़ा अचंभित हो गया, क्योंकि कहने वाले ने ना तो संविधान को पड़ा, ना कानून को पड़ा, ना अपने पद की मर्यादा रखी। उन्होंने कहा कि यदि अगर थोड़ा सोच लेते, कानून में झांक लेते तो उनको पता लग जाता कि भारत के उपराष्ट्रपति की कोई भी यात्रा अचानक नहीं होती है। काफी सोच-विचार और मंथन-चिंतन के बाद होती है। इसके बावजूद कह दिया कि आपका आना ठीक नहीं है! किस कानून के तहत पता नहीं! क्योंकि राज्य सभा में शेरो-शायरी होती है, रास्ते में मैंने भी एक छोटी सी कविता लिख दी, और मैंने कहा कि सबसे पहले आपसे साझा करूं, इस कविता को लिखने से पहले मुझे गजल याद आ गई, उस गजल में था।

मोदी सरकार में महिलाएं आर्थिक आजादी और तरक्की को अनुभव कर रही हैं : सुनीता दांगी

सिरसा (हिंस)। भाजपा सरकार की जन-हितैषी योजनाओं और राज्य के विकास को गति देने के उद्देश्य से भाजपा महिला मोर्चा द्वारा प्रदेश अध्यक्ष सुनीता दांगी के नेतृत्व में दो दिवसीय संगठनात्मक प्रवास का आयोजन किया गया। प्रवास के दौरान महिला मोर्चा ने महिलाओं, नव वोटरों, आंगनवाडी कार्यकर्ताओं, लाभार्थी महिलाओं से संवाद किया। इन दो दिनों में दिल्ली, पंजाब, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और गुजरात राज्यों से आई महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्षों ने भी जिलों में जाकर महिलाओं से संवाद स्थापित किया और मोदी सरकार की योजनाओं की जानकारी दी गई। संगठनात्मक प्रवास के दूसरे दिन शुक्रवार को बीजेपी हरियाणा महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष सुनीता दांगी ने सिरसा में कहा कि उन्होंने स्वयं रोहतक, फरीदाबाद, फतेहाबाद, हिसार व अन्य दूसरे जिलों में प्रवास किया है। प्रवास के दौरान

महिलाओं में मोदी सरकार की योजनाओं के प्रति उत्साह देखने को मिला है। महिलाओं को मोदी सरकार की योजनाएं पसंद आ रही हैं। नवमतदाताओं में पहली बार मतदान करने का उत्साह देखा गया है। उन्होंने बताया कि प्रवास के दौरान एनजीओ, स्व-सहायता समूह, विभिन्न क्षेत्रों की प्रभावशाली महिलाओं व बूथ स्तर की बैठकों में महिला मोर्चा पदाधिकारियों ने मोदी और मनोहर सरकार की योजनाओं की जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि भाजपा का संगठन सबसे बड़ा संगठन है और इसमें महिलाओं का बहुत बड़ा योगदान है। महिलाएं कदम-कदम पर साथ चल रही हैं हर बूथ पर मजबूती से खड़ी हैं। सुनीता दांगी ने कहा कि मिशन 2024 में भाजपा की बड़ी और ऐतिहासिक जीत में इस बार भी महिलाओं की अहम भागीदारी होगी। केंद्र और राज्य में तीसरी बार भाजपा का परचम लहराएगा। मोदी सरकार आने के बाद से ही महिलाएं आर्थिक आजादी और तरक्की को अनुभव कर रही हैं।

विपक्षियों का भर्ती रोको गैंग लेकर आता है स्टे आर्डर : मनोहर लाल

विपक्षी के नेता कर रहे भर्ती-प्रक्रिया को बाधित

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने प्रदेश के सरकारी विभागों में अटक रही भर्तियों के लिए विपक्ष को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा है कि हरियाणा में नहीं बल्कि कई राज्यों में भर्ती रोको गैंग सक्रिय हैं और वे किसी न किसी बहाने से कोर्ट से स्टे ले आते हैं। इसमें विपक्ष के लोग भी संलिप्त हैं। मुख्यमंत्री शुक्रवार को चंडीगढ़ में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ग्रुप सी की 56 व 57 कैटेगरी के परिणाम पर कोर्ट ने रोक लगाई है। इस मामले में 31 अक्तूबर को होनी सुनवाई है। उन्होंने कहा कि ग्रुप डी के लिए संयुक्त पात्रता परीक्षा 20 व 21 अक्तूबर को होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि भर्ती एजेंसियों ने सीईटी का नया सिस्टम तैयार किया है। आरंभ में कुछ कठिनाइयां आई हैं, जिन्हें ठीक किया जा चुका है। जेबीटी अध्यापकों के लिए अन्तर-जिला स्थानान्तरण नीति तैयार कर ली गई है। वर्ष 2004, 2008 व 2011 बैच के अध्यापकों के स्टेशन व जिले के विकल्प को पूरा कर लिया गया है। वर्ष 2004 के लिए दिए 1, 2, 3 विकल्पों को अंतिम रूप दे दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 बैच के अध्यापकों द्वारा दिए गए जिलों के विकल्प को आठ दिनों के अन्दर पूरा कर लिया जाएगा। हरियाणा विधानसभा के नए भवन के लिए चंडीगढ़ में जमीन के सम्बन्ध में पूछे जाने पर मुख्यमंत्री ने कहा कि 12 एकड़ जमीन हरियाणा को भी चंडीगढ़ को देनी है। पंजाब, हरियाणा व चडीगढ़ प्रशासन अपने-अपने स्तर पर बैठक कर चुके हैं। वन्य जीव संरक्षित एरिया के सम्बन्ध में केन्द्र सरकार ने भी राज्यों को नए सिरे से तय करने को कहा है। सुखना कैचमैंट एरिया में यह तय करना है कि इकोसैंसिटिव में कितना क्षेत्र पड़ता है।

एसवाईएल के मुद्दे पर आआपा सरकार को करें बर्खास्त : शिअद

चंडीगढ़ (हिंस)। शिरोमणि अकाली दल ने गुरुवार को पंजाब के राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित से सुप्रीम कोर्ट में सतलुज यमुना लिंक (एसवाईएल) नहर मामले में बचाव करते समय राज्य के हितों से समझौता करने के लिए मुख्यमंत्री भगवंत मान को तुरंत बर्खास्त करने का आग्रह किया है। पार्टी अध्यक्ष सरदार सुखबीर सिंह बादल के नेतृत्व में शिरोमणि अकाली दल का एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल यहां राज्यपाल से मिला और उन्हें एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा गया कि किस तरह मुख्यमंत्री ने आम आदमी पार्टी (आआपा) के संयोजक अरविंद केजरीवाल के कहने पर सुप्रीम कोर्ट में पंजाब और पंजाबियों की पीठ में छूरा घोंपा है। अकाली दल अध्यक्ष ने यह भी कहा कि पार्टी पानी की एक बूंद भी पंजाब से बाहर नहीं जाने देगी, ना नहर बनेगी ना ही पानी है। उन्होंने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि राज्य में कोई एसवाईएल नहर नहीं है, जिस जमीन पर नहर बनाई गई थी, उसे 2016 में पूर्व मुख्यमंत्री सरदार प्रकाश सिंह बादल ने किसानों को हस्तांतरित कर दिया गया था। उन्होने कहा कि हमारे पास देने के लिए पानी नहीं है। सरदार

बादल ने कहा कि राज्य में सत्ता संभालने के बाद अकाली दल सभी जल बंटवारा समझौतों को समाप्त कर देगा। हम राजस्थान में पानी बहने से रोकेंगे। उन्होंने राज्यपाल से यह भी अपील की कि वे केंद्र सरकार को एसवाईएल नहर मुददे पर पंजाब के साथ हुए ऐतिहासिक अन्याय को सुधारने के लिए संसद में कानून लाने की सिफारिश करें और इसे रिपेरियन सिद्धांत के तहत सुलझाएं, जिसके तहत पंजाब को अपने क्षेत्र में बहने वाले पानी पर अविभाज्य अधिकार प्राप्त है। इस बीच अकाली दल का प्रतिनिधिमंडल, जिसमें सरदार बिक्रम सिंह मजीठिया, डॉ. दलजीत सिंह चीमा, डॉ. सुखविंदर कुमार और अनिल जोशी शामिल थे, ने केंद्र सरकार को पंजाब की बुनियादी स्थिति से अवगत कराया और कहा कि राज्य के पानी का हरियाणा तक पहुंचाने के इरादे से केंद्र सरकार द्वारा जबरन सर्वेक्षण कराने के प्रयास से राज्य के किसानों का गुस्से ज्वालामुखी की तरह फूटने की संभावना है, जिसे रोकना बेहद मुश्किल होगा। यह कदम संवेदनशील सीमावर्ती राज्य में शांति के अनुकूल भी नहीं होगा। अकाली दल के प्रतिनिधिमंडल ने शीर्ष कोर्ट में आआपा सरकार के विश्वासघात को भी रेखांकित किया, जिसमें उसने एसवाईएल नहर के निर्माण की इच्छा व्यक्त की, लेकिन विपक्षी दलों के दबाव के साथ नहर के लिए भूमि अधिग्रहण में कठिनाइयों के कारण पूर्ववर्ती अकाली दल सरकार ने किसानों को वापस कर दिया था। पार्टी ने कहा कि यह विवाद किसानों की पीठ में छूरा घोंपने जैसा है। इसमें कहा गयाकि ऐसा लगता है कि आप सरकार पंजाब के मामले में ठोस बहस करने में विफल रही है। उन्होंने कहा कि आप पार्टी रिपेरियन सिद्धांत पर जोर देने में भी विफल रही जिसके माध्यम से पंजाब को अपने क्षेत्र में बहने पर अपने अपने अपरिहार्य अधिकार प्राप्त है।

महिलाओं को अपने अधिकारों के लिए जागरूक होने की जरूरत : कल्पना तिवारी

जींद (हिंस)। भाजपा शीर्ष नेतृत्व के निर्देशानुसार एवं भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष सुनीता दांगी के नेतृत्व में हरियाणा में महिला मोर्चा का दो दिन का प्रवास कार्यक्रम कर रही है। इसके तहत भाजपा महिला मोर्चा की कार्यकर्ता देश के विभिन्न राज्यों से आकर हरियाणा के 22 जिलों में प्रवास कर रही हैं। जींद में उत्तर प्रदेश की महिला मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष कल्पना तिवारी प्रवास कर रही हैं। भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष कविता शर्मा के नेतृत्व में प्रवास के पहले दिन विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। पहले दिन के प्रवास के तहत सबसे पहले नागक्षेत्र मंदिर सफीदों में जाकर पूजा प्रार्थना की। इसके पश्चात सरकारी अस्पताल में जाकर प्रसूति वार्ड में महिलाओं को फल वितरित किए। नव मतदाताओं से मिलकर उन्हें मतदान के महत्व एवं अधिकार के बारे में जागरूक किया। इसी कड़ी में आंगनबाड़ी में जाकर वहां उपलब्ध सुविधाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की और बच्चों को बिस्किट, फल आदि वितरित किए। बेरीखेड़ा गांव में महिला लाभार्थी बहनों का कार्यक्रम आयोजित किया गया। उन्होंने महिलाओं को अपने अधिकारों के बारे में जागरूक होने एवं आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ाने का आह्वान किया। 33 प्रतिशत का आरक्षण नारी वंदन अधिनियम पास करने के लिए महिलाओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद किया। पंचायत में 50 प्रतिशत आरक्षण है। इसीलिए हरियाणा के 50 प्रतिशत गांवों में महिला सरपंच अपने गांव के विकास कार्यों में लगी हुई हैं। यहां कल्पना तिवारी ने अपने बूथ को मजबूत बनाने के बारे में मार्गदर्शन किया। दूसरे दिन शुक्रवार को प्रवास कार्यक्रम के तहत जिला कार्यकारिणी की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें सभी मंडल अध्यक्ष, महामंत्री, जिला पदाधिकारी एवं प्रदेश कार्यकर्ता सदस्यों ने भाग लिया। बैठक में सरकार की योजनाओं के कारण महिलाओं के जीवन में आने वाले सकारात्मक बदलाव लाने के बारे में चर्चा की गई। बैठक में सरकार के द्वारा ट्रांसजेंडर्स को मुख्य धारा का हिस्सा बनने के प्रयास के बारे में बातचीत की गई।

दोस्त की पत्नी से दुष्कर्म के जुर्म में दस वर्ष कैद की सजा

जींद (हिंस)। एडीजे अमरजीत सिंह की अदालत ने महिला के साथ दुष्कर्म करने के जुर्म में शुक्रवार को दोषी को दस वर्ष कैद तथा 21 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है। जुर्माना न भरने की सूरत मे दोषी को एक वर्ष की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। अभियोजन पक्ष के अनुसार 18 फरवरी 2021 को एक महिला ने उचाना थाना पुलिस को दी शिकायत मे बताया था कि उसके पति की गांव पबनाबा कुरूक्षेत्र निवासी बलराज से दोस्ती रही है। जिसके चलते उसका पति अक्सर बाहर रहता था। बलराज उसके पति की गैर मौजूदगी में घर आया और उसके साथ दुष्कर्म किया। विरोध करने पर आरोपी ने उसे बुरा अंजाम भुगतने की धमकी दी। उचाना थाना पुलिस ने महिला की शिकायत पर बलराज के खिलाफ दुष्कर्म समेत विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया था। तभी से मामला अदालत में विचाराधीन था।

भाजपा राष्ट्रीय महिला मोर्चा की सदस्य भारती ने अस्पताल का किया दौरा

यमुनानगर (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य भारती सूद ने जिला कार्यकारिणी की सदस्यों के साथ शुक्रवार को यमुनानगर के नागरिक अस्पताल का दौरा किया। इस अवसर पर उनके साथ प्रधान चिकित्सा अधिकारी डॉ. दिव्या मंगला व अस्पताल के अन्य अधिकारी कर्मचारी भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर अस्पताल में भर्ती मरीजों को फल वितरित किए गए। महिला मोर्चा कि राष्ट्रीय कार्यकारणी सदस्य भारती सूद ने अस्पताल परिसर व नए भवन की प्रशंसा करते हुए कहा कि सरकार द्वारा स्वास्थ्य के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य किए जा रहे हैं। जिले में इस प्रकार के भवय भवन के निर्माण से जिलावासियों को सभी प्रकार की स्वास्थ्य सेवाऐं एक ही स्थान पर प्रदान करना सरल हो गया है। जिला अध्यक्ष प्रिति जौहर ने

नागरिक अस्पताल प्रशासन की सराहना की तथा कहा कि अस्पताल भवन व परिसर का रखरखाव साफ-सुथरा व स्वच्छ है। मरीजों की सुविधाओं का पूर्ण ख्याल रखा गया है। उन्होने कहा कि स्वस्थ जीवन की समाज का पूर्ण विकास करता है, अत: स्वास्थ्य सेवाओं का विकास अति आवश्यक है। इस अवसर पर प्रधान चिकित्सा अधिकारी डॉ. दिव्या मंगला ने महिला मोर्चा की सभी सदस्यों का धन्यवाद किया। साथ ही कहा कि सरकार द्वारा चलाई जा रहे सभी स्वास्थ्य कार्यक्रमों का लाभ जिलावासियों को अस्पताल द्वारा प्रदान किया जा रहा है, जिससे की जिले में उच्च स्वास्थ्य व्यवस्था बनी रहे। उन्होंने कहा कि सरकारी व गैर सरकारी संस्थाओं के सहयोग से ही आमजन तक जागरूकता का प्रचार व प्रसार किया जा सकें और लाभार्थियों को इसका लाभ भी मिल सकें।

पंजाब में हो रहे अवैध खनन की जांच करे सीबीआई : शिअद

चंडीगढ़ (हिंस)। शिरोमणी अकाली दल ने गुरुवार को पंजाब के राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित से खडूर साहिब में आआपा विधायक के अवैध खनन होने में लिप्त होने की सीबीआई जांच कराने की सिफारिश करने का आग्रह किया है। शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल से मुलाकात कर एक ज्ञापन सौंपकर कहा कि आप विधायक राज्य में बड़े पैमाने पर अवैध खनन कर रहे हैं और इससे पर्यावरण को बहुत भारी नुकसान पहुंचा रहे हैं। इससे आम आदमी को परेशानी हो रही और सरकारी खजाने का भी नुकसान हो रहा है। उन्होंने राज्यपाल से खुद हालात का जायजा लेने की भी अपील की। खडूर साहिब के विधायक मनजिंदर सिंह लालपुरा से संबंधित मामले की जानकारी देते हुए अकाली दल अध्यक्ष ने बताया कि विधायक के जीजा निशान सिंह को भारत-पाक सीमा पर अवैध खनन में लिप्त होने पर गिरफ्तार किया गया था। उन्होंने कहा कि इस मामले में मुख्य भूमिका निभाने वाले विधायक के खिलाफ आगे की कार्रवाई करने के बजाय, आप सरकार ने तरनतारन के तत्कालीन एसएसपी गुरमीत सिंह चौहान का तबादला कर और पांच पुलिस कर्मियों को निलंबित कर दिया। इन पुलिस अधिकारियों को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के नामित आतंकवादियों व गैंगस्टर लखबीर लांडा और हरविंदर रिंदा से सीधा खतरा था। अकाली दल के प्रतिनिधिमंडल में सरदार बिक्रम सिंह मजीठिया, डॉ. दलजीत सिंह चीमा, डॉ. सुखविंदर कुमार और श्री अनिल जोशी शामिल थे। उन्होंने राज्यपाल को बताया कि विधायक के जीजा को गिरफ्तारी की अवधि के दौरान एक भी दिन जेल में नहीं रखा गया और अस्पताल में वीआईपी ट्रीटमेंट दिया गया। प्रतिनिधि मंडल ने खुलासा किया कि निशान के घर की तस्वीरें, जहां जेसीबी मशीनें और अन्य अवैध खनन उपकरण नियमित रूप से रखे जाते थे अब सार्वजनिक दायरे में हैं। उन्होंने आग्रह किया कि क्षेत्र में सीसीटीवी कैमरों की भी जांच की जानी चाहिए और साथ ही ग्रामीणों बयानों की भी जांच की जानी चाहिए कि विधायक अवैध खनन में शामिल होने के लिए अपने पुलिस एस्कॉर्ट वाहन और अपने सुरक्षा कर्मियों का उपयोग कर रहे थे। सरदार सुखबीर सिंह बादल ने राज्य में अवैध खनन की सीबीआई जांच की मांग करते हुए आरोप लगाया कि सच्चाई यह है कि मुख्यमंत्री भगवंत मान और अरविंद केजरीवाल पंजाब में अवैध खनन के असली सरगना हैं और एकत्रित फंडों का उपयोग आप के प्रचार-प्रसार के लिए कर रहे हैं।

लापता ट्रक ढूंढ़ने के एवज में दस हजार की रिश्वत लेते दरोगा गिरफ्तार

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब विजीलेंस ब्यूरो ने राज्य में भ्रष्टाचार के विरुद्ध चल रही मुहिम के तहत थाना धर्मकोट, जिला मोगा में तैनात एसचओ गुरविन्दर सिंह भुल्लर को दस हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। इस संबंधी में राज्य विजीलेंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि सुखविन्दर सिंह निवासी गांव नूरपुर हकीम (ढाणी मलूक सिंह), तहसील धर्मकोट की शिकायत के बाद कार्रवाई की गई है। उन्होंने बताया कि शिकायतकर्ता का आरोप था कि उसके चोरी हुए एक ट्रक-ट्राले का पता लगाने के लिए थाना कोट के एसचओ गुरविन्दर सिंह भुल्लर ने एक लाख रुपए की मांग की थी। बाद में सौदा 80 हजार रुपए में तय हो गया। थानेदार ने शिकायतकर्ता से पेशगी किश्त के तौर पर 50 हजार रुपए ले लिए और शेष रुपए ट्रक का पता लगने के बाद देने पर सहमति हुई थी। शिकायतकर्ता के अनुसार अपने ट्रक के बारे पता लगाने के लिए जब वह दोबारा थाना कोट इसे खान पहुंचा तो पता लगा कि उक्त थानेदार का तबादला बतौर एसएचओ धर्मकोट हो गया है। जब शिकायतकर्ता नयी तैनाती वाले थाने में गुरविंदर से मिला, तब उसने रिश्वत की बकाया रकम देने के बाद ही गुजरात से उसकी गाड़ी बरामद करने की बात की। आरोप है कि थाने में ही एसएचओ ने शिकायतकर्ता से दूसरी किश्त के तौर पर 20 हजार रुपए ले लिए।

मुख्यमंत्री ने की साहित्यकार वेद व्यास से मुलाकात

जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शुक्रवार को प्रगतिशील लेखक, चिंतक और विचारक, साहित्य अकादमी के पूर्व अध्यक्ष वेद व्यास से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने व्यास को साहित्य मनीषी पुरस्कार से सम्मानित होने पर बधाई दी। उल्लेखनीय है कि व्यास को साहित्य अकादमी के सर्वोच्च सम्मान *साहित्य-मनीषी* से सम्मानित किया गया है। उन्हें सम्मान स्वरूप 2 लाख 51 हजार रुपए तथा सम्मान पत्र प्रदान किया गया।

व्यापारी को हनीट्रेप में फंसाकर पचास लाख मांगे

जयपुर (हिंस)। बिंदायका थाना इलाके में व्यापारी को हनीट्रेप में फंसाकर पचास लाख रुपए मांगने का मामला सामने आया है। इंस्टाग्राम से दोस्ती होने के बाद मिलने आने पर युवती ने व्यापारी के अश्लील वीडियो बनाकर अश्लील वीडियो को वायरल करने के साथ झूठे केस में फंसाने की धमकी देकर सौलह लाख रुपए ऐंठ लिए। इस संबंध में पीड़ित बिंदायका थाने में पहुंचा और मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर किया है। थानाधिकारी संजय पूनिया ने बताया कि गांधीपथ वैशाली नगर निवासी व्यापारी ने मामला दर्ज करवाया है कि अक्तूबर-2021 में इंस्टाग्राम के जरिए उसकी बात एक लड़की से हुई। इसने खुद का नाम अनामिका निवासी मध्यप्रदेश बताया। बातचीत के दौरान पता चला कि उसका नाम अनामिका नहीं शीतल है। इंस्टाग्राम पर चेटिंग के दौरान दोनों में अच्छी दोस्ती हो गई। उसके परिवार के लोगों से भी शीतल ने जान-पहचान करवाई। पीडिता का आरोप है कि योजना के तहत परिवार उसे उनके घर मिलने बुलाया। चार दिसंबर 2021 को वह मिलने उनके घर पहुंचा। जहां खाना खाने के बाद शीतल उसे घुमाने के बहाने एक होटल में ले गई। उसकी जाल में नहीं फसने पर भी एक लाख 53 हजार रुपए बहाना बनाकर ले लिए। जनवरी-2022 में शीतल अपनी बहन के साथ मिलने जयपुर आई। सिरसी रोड स्थित फ्लैट पर उन्हें रूकवाया। उसके साथ रात को रूकने पर शीतल ने चुपचाप उसके अश्लील वीडियो बना लिए। उसके बाद अश्लील वीडियो को वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। योजना के तहत शीतल और उसका परिवार ब्लैकमेल कर झूठे मामले में फंसाने की धमकी देकर अगस्त-2023 तक 4 लाख 30 हजार रुपए के गैजेट्स और 16 लाख रुपए ऐंठ लिए। इसके बाद भी पचास लाख रुपए की डिमांड करने लगे।

कई लोगों से परेशान व्यापारी ने की खुदकुशी, सुसाइड नोट बरामद

बहादुरगढ़ निवासी पति-पत्नी और दो अन्य के खिलाफ केस दर्ज

झज्जर (हिंस)। बहादुरगढ़ के एक व्यापारी ने जहरीला पदार्थ निगलकर आत्महत्या कर ली। जहर खाने से पहले लिखे सुसाइड नोट में व्यापारी ने सेक्टर-6 निवासी दंपति और दो अन्य लोगों पर आत्महत्या के लिए मजबूर करने के आरोप लगाए हैं। पुलिस ने मृतक की पत्नी की शिकायत पर चारों लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। जहर निगलने से मरे व्यक्ति की पहचान कृष्णा कॉलोनी निवासी परमजीत के रूप में हुई है। वह स्क्रैप का व्यापार करते थे। उनकी पत्नी ज्योति ने पुलिस को शिकायत दी है। उन्होंने कहा है कि उनके पति कई दिन से वह परेशान दिख रहे थे। उसने अपने पति से पूछा तो उन्होंने बताया कि उन पर पैसे का दबाव है। इसलिए बेहद परेशान हैं। पांच अक्तूबर को दोपहर के समय करीब साढ़े 3 बजे उसके पति घर आए थे और थोड़ी देर में आने की कहकर घर से वापस चले गए। उसके 10-15 मिनट बाद उनके बेटे आर्यन का फोन आया कि पापा ने कुछ खा लिया है और उनकी तबीयत खराब हो गई है। जिसे लेकर हम सिविल अस्पताल आए हैं। इस सूचना पर वह भी अस्पताल में पहुंची। यहां चिकित्सकों ने उसके पति को पीजीआईएमएस रोहतक रेफर कर दिया। एंबुलेंस से वे पीजीआईएमएस रोहतक पहुंचे तो यहां डाक्टरों ने उनके पति को मृत घोषित कर दिया। उसने अपने पति की पैंट की जेब को चेक किया तो उसमें एक सुसाइड नोट मिला। सुसाइड नोट में परमजीत ने सेक्टर-6 निवासी कर्मबीर व उसकी पत्नी सुनीता पर गंभीर आरोप लगाए हैं। परमजीत ने कहा है कि आरोपियों ने उसकी जमीन हड़प ली व जमीन के पैसे नहीं दिए। ऊपर से जान से मारने की धमकी भी दे रहे हैं। इस दबाव, प्रताड़ना व भय के कारण उसको आत्महत्या जैसी कदम उठाना पड़ा। परमजीत ने कहा है कि उनके गोदाम में काम करने वाले मनीष व रामू ने मिलकर सामान बेच दिया और पैसे हड़प गए। ज्योति ने पुलिस को दी शिकायत में कहा है कि उनके पति परमजीत ने सुनीता, कर्मबीर, मनीष और रामू द्वारा पैसे न देने से परेशान होकर जहरीला पदार्थ खा आत्महत्या की है। पुलिस ने चारों के खिलाफ केस दर्ज कर जरूरी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस इस संबंध में विभिन्न नजरिए ध्यान में रखकर जांच कर रही है।

12 हजार करोड़ रुपये के बैंक नोट अब भी सर्कुलेशन में आज है बदलने की आखिरी तारीख, आरबीआई ने ये कहा

नई दिल्ली।
2000 रुपये के अब सिर्फ 12000 करोड़ रुपये के मूल्य के नोट यानी कुल नोटों के मूल्य के सिर्फ 3.37 प्रतिशत परिचालन में शेष बचे हैं। इसका मतलब है कि 2000 रुपये के बैंक नोट के लगभग 96 प्रतिशत बैंकिंग प्रणाली में वापस आ गए हैं। ये बातें आरबीआई गवर्नर ने शुक्रवार को कही। बता दें कि 2000 रुपये नोटों कों बैंकों से बदलने और बैंकों में जमा करवाने की आखिरी तारीख आरबीआई की ओर से सात अक्तूबर 2023 तय की गई है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने शुक्रवार को कहा कि 2000 रुपये के पुराने नोटों को बदलवाने या बैंकों में जमा कराने के लिए केवल एक दिन बचा है। उन्होंने कहा, हमने अब तक, हमें लगभग 3.32 लाख करोड़ रुपये के 2000 रुपये के नोट वापस मिल गए हैं और केवल 12000 करोड़ रुपये के नोट शेष बजे हैं। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक के बाद, 2000 के नोटों में 87 प्रतिशत बैंक जमा के रूप में बैंकों में वापस आए हैं और अन्य नोटों की दूसरे मूल्य वर्ग के नोटों से अदला-बदली की गई है। 19 मई को 2023 को जब 2000 के नोटों को आरबीआई की ओर से वापस लेने का एलान किया गया था बाजार में कुल 3.44 लाख करोड़ रुपये के नोट प्रचलन में थे। एक्सचेंज और डिपॉजिट की कवायद को समयबद्ध तरीके से पूरा करने और जनता को पर्याप्त समय प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू में 2000 रुपये के नोटों को बदलने के लिए 30 सितंबर तक का समय दिया गया था। इस बीच लोगों से अपील की गई थी कि वे 2000 रुपये के बैंक नोटों को जमा करने या बदलने के लिए अंतिम समय में किसी भी भीड़ बसे बचें। 30 सितंबर को आरबीआई ने समीक्षा के आधार पर जमा और विनिमय की व्यवस्था को 7 अक्टूबर, 2023 तक बढ़ाने का फैसला किया। रिजर्व बैंक ने कहा कि आठ अक्टूबर से बैंक 2000 रुपये के नोट खातों में जमा लेना और बदलना बंद कर देगे। हालांकि, 2000 रुपये के बैंक नोटों को सात अक्तूबर के बाद आरबीआई के 19 निर्गम कार्यालयों में एक समय में 20,000 रुपये की सीमा तक बदला जा सकेगा।

न्यूज़ ब्रीफ

एमपीसी की बैठक के दौरान जीडीपी के अनुमानों में भी नहीं किया गया कोई बदलाव, 6.5 प्रतिशत पर अपरिवर्तित

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक की एमपीसी ने वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए जीडीपी के अनुमान को 6.5 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखा है। भारतीय रिज़र्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने शुक्रवार को कहा कि उसे उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2024 के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि दर उसकी पिछली भविष्यवाणियों के अनुरूप 6.5 प्रतिशत ही रहेगी। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने एमपीसी की बैठक के बाद अपने संबोधन के दौरान कहा, जोखिम समान रूप से संतुलित होने के बीच वास्तविक जीडीपी या वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है, दूसरी तिमाही में इसके 6.5 प्रतिशत, तीसरी तिमाही में 6 प्रतिशत और चौथी तिमाही में 5.7 प्रतिशत रहने का अनुमान है। वित्त वर्ष 24 की अप्रैल-जून तिमाही में भारत की जीडीपी 7.8 प्रतिशत बढ़ी, जबकि वित्त वर्ष 2022-23 की पहली तिमाही में 13.1 प्रतिशत की वृद्धि दर देखी गई थी। द्विमासिक मौद्रिक नीति समिति की बैठक में इस बार मुद्रास्फीति की लड़ाई पर जोर रहा। अक्टूबर के एमपीसी के फैसले का एलान करते हुए शक्तिकांत दास ने कहा कि 2023-24 के लिए सीपीआई मुद्रास्फीति के अनुमान को 5.4 प्रतिशत पर अपरिवर्तित छोड़ दिया गया है। दास ने यह भी उल्लेख किया कि तीसरी तिमाही के दौरान, खाद्य मुद्रास्फीति के दबाव के कारण महंगाई में निरंतर कमी नहीं देखी जा सकती है, जबकि कोर सीपीआई जनवरी में अपने शिखर से 140 आधार अंक कम हो गया है। इस सप्ताह की शुरुआत में, विश्व बैंक ने वित्त वर्ष 2024 के लिए भारत के जीडीपी के पूर्वानुमान को 6.3 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखा था, जो निवेश से प्रेरित है, जबकि अपने मुद्रास्फीति अनुमान को 5.2 प्रतिशत से 5.9 प्रतिशत तक संशोधित किया है। वैश्विक रेटिंग और शोध एजेंसी मूडीज इन्वेस्टर सर्विस ने सितंबर में 2023 में भारत की वृद्धि दर का अनुमान 5.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.7 प्रतिशत कर दिया था। मौद्रिक नीति समिति की अगस्त की बैठक में भी वित्त वर्ष 2024 के लिए जीडीपी अनुमान को जून में घोषित 6.5 प्रतिशत पर बरकरार रखा गया था।

त्योहारी सीजन के पहले सोना 56 हजार के पार, चांदी भी तेज

नई दिल्ली । सोने और चांदी की वायदा कीमतों की शुरुआत शुक्रवार को भी तेजी के साथ हुई। दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। चांदी के वायदा भाव 67,000 रुपए के करीब और सोने के वायदा भाव 56,700 रुपए के करीब कारोबार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने और चांदी की वायदा कीमतों में तेजी देखी जा रही है। एमसीएक्स पर सोने का दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 127 रुपए की तेजी के साथ 56,735 रुपए के भाव पर खुला। फिलहाल यह 117 रुपए की तेजी के साथ 56,725 रुपए के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 56,739 रुपए के भाव पर दिन का उच्च स्तर और 56,692 रुपए के भाव पर निचला स्तर छू लिया। मई महीने में सोने के वायदा भाव ने 61,845 रुपए प्रति 10 ग्राम के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। वहीं चांदी के वायदा भाव में भी तेजी देखने को मिली। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 58 रुपए की तेजी के साथ 66,825 रुपए के भाव पर खुला। फिलहाल यह 244 रुपए की तेजी के साथ 67,012 रुपए के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 67,099 रुपए के भाव पर दिन का उच्च और 66,825 रुपए प्रति किलो के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया।

रुपया चार पैसे की तेजी के साथ 83.21 डॉलर पर

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के ब्याज दर पर फैसले से पहले वैश्विक बाजार के सकारात्मक रुख के बीच शुरुआती कारोबार में रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले चार पैसे की बढ़त के साथ 83.21 पर पहुंच गया। विदेशी कारोबारियों ने बताया कि अमेरिकी डॉलर की मजबूती के बीच विदेशी कोष की बिकवाली के कारण रुपया सीमित दायरे में कारोबार कर रहा है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.21 पर खुला और फिर 83.22 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। इसके बाद 83.21 पर रहा, जो पिछले बंद स्तर की तुलना में चार पैसे की बढ़त है। रुपया 83.25 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.08 प्रतिशत की बढ़त के साथ 106.42 पर रहा।

रेपो रेट पर आरबीआई गवर्नर ने किया बड़ा एलान, 6.5 प्रतिशत की दर पर रखा गया बरकरार

नई दिल्ली ।
आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति ने त्यौहारों के पहले एक बार फिर लोगों को बड़ा तोहफा दिया है। लगातार चौथी बार रेपो रेट को 6.5 प्रतिशत पर बरकरार रखा गया है। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने मौद्रिक नीति समिति की बैठक के बाद कहा, सभी प्रासंगिक पहलुओं पर विस्तृत विचार-विमर्श के बाद मौद्रिक नीति समिति ने सर्वसम्मति से रेपो दर को 6.5 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखने का फैसला किया है। इस दौरान आरबीआई गवर्नर ने जीडीपी के अनुमानों में भी कोई बदलाव नहीं किया है।

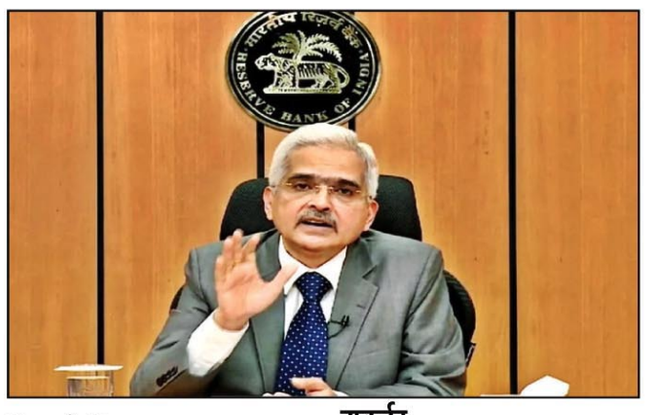

एमपीसी के सभी सदस्य दरों को स्थिर रखने के पक्ष में रहे

आरबीआई गवर्नर ने कहा है कि सितंबर महीने में महंगाई में कमी आने की उम्मीद है। आरबीआई गवर्नर ने कहा है कि रेपो रेट में बढ़ोतरी का असर अर्थव्यवस्था पर दिख रहा है। आरबीआई गवर्नर के अनुसार महंगाई की ऊंची दर अर्थव्यवस्था के लिए खतरा है। गवर्नर के अनुसार एमपीसी के छह में से पांच सदस्य अकोमोडेटिव रुख बरकरार रखने के पक्ष में रहे। एमपीसी के सभी सदस्यों को दरों को स्थिर रखने के पक्ष में सहमति दी है।

दूसरी तिमाही में वृद्धि दर का अनुमान 6.5 प्रतिशत पर बरकरार

आरबीआई गवर्नर ने अपने संबोधन में कहा कि सरकारी खर्चे से निवेश की रफ्तार में तेजी आई है। दूसरी तिमाही में वृद्धि दर का अनुमान 6.5 प्रतिशत पर बरकरार रखा गया है। तीसरी तिमाही के लिए भी विकास दर का अनुमान 6 प्रतिशत पर ही अपरिवर्तित रखा गया है। इस दौरान आरबीआई गवर्नर ने कहा है कि पॉलिसी दरों के लंबे समय तक ऊंची दरों पर बने रहने का अनुमान है।

महंगाई पर ये बोले आरबीआई गवर्नर

अपने संबोधन में आरबीआई गवर्नर ने कहा कि टमाटर की कीमतों में कमी आने से महंगाई के कम होने की संभावना बढ़ी है। महंगाई दर का अनुमान 5.4 प्रतिशत पर बरकरार रखा गया है। दूसरी तिमाही के लिए महंगाई के अनुमान को 6.2 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.4 प्रतिशत कर दिया गया है।

आरबीआई गवर्नर ने बैंकों को दी ये सलाह

अपने संबोधन के दौरान आरबीआई गवर्नर ने बैंकों और एनबीएफसी को अपना सर्विलांस सिस्टम मजबूत करने की सलाह दी है। उन्होंने बैंको से कहा है कि वे अपने अतिरिक्त फंड का इस्तेमाल कर्ज देने में करें। आरबीआई गवर्नर ने शहरी सहकारी बैंकों के लिए गोल्ड लोन की सीमा दो लाख रुपये से बढ़ाकर चार लाख रुपये करने का एलान किया है। शक्तिकांत दास ने कहा कि आरबीआई वैश्विक स्थिति की बारीकी से निगरानी कर रहा है और वित्तीय स्थिरता बनाए रखने के लिए सक्रिय रूप से कार्य करता रहेगा। उन्होंने कहा कि वैश्विक वित्तीय परिदृश्य तेजी से बदल रहा है और संभावित जोखिम उत्पन्न हो सकते हैं।

आरबीआई ने शहरी सहकारी बैंकों पर लिया बड़ा फैसला, गोल्ड लोन की सीमा दो लाख रुपये से बढ़ाकर चार लाख की गई

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक ने मौद्रिक नीति समिति की बैठक के बाद शहरी सहकारी बैंकों से जुड़ा बड़ा एलान किया है। शहरी सहकारी बैंकों के लिए बुलेट पुनर्भुगतान योजना के तहत सोने के बदले कर्ज (गोल्ड लोन) की सीमा को दोगुना कर चार लाख रुपये कर दिया गया है। यह सीमा उन शहरी सहकारी बैंकों के लिये बढ़ाई गयी है, जिन्होंने प्राथमिक क्षेत्र को कर्ज के तहत सभी लक्ष्यों को 31 मार्च 2023 तक पूरा किया है। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा की घोषणा करते हुए कहा, ''शहरी सहकारी बैंकों (यूसीबी) जिन्होंने 31 मार्च 2023 तक प्राथमिकता क्षेत्र ऋण (पीएसएल) के तहत समग्र लक्ष्य तक उप-लक्ष्य पूरा कर लिया है, उनके लिए बुलेट पुनर्भुगतान योजना के तहत गोल्ड लोन की मौजूदा सीमा को दो लाख रुपये से बढ़ाकर चार लाख रुपये करने का निर्णय किया गया है। बुलेट' पुनर्भुगतान योजना के तहत कर्ज लेने वाला मूल राशि और ब्याज का भुगतान कर्ज अवधि के अंत में एकमुश्त करता है। हालांकि सोने के बदले कर्ज पर ब्याज का आकलन पूरी अवधि के दौरान हर महीने किया जाता है, लेकिन मूल राशि और ब्याज का भुगतान एकबारगी करना होता है। इसीलिए इसे 'बुलेट' पुनर्भुगतान के नाम से जाना जाता है। दास ने कहा , ''यह उपाय हमारी उस पिछली घोषणा के तहत है, जिसमें कहा गया था कि 31 मार्च 2023 तक निर्धारित प्राथमिक क्षेत्र कर्ज के लक्ष्यों को पूरा करने वाले यूसीबी को उपयुक्त प्रोत्साहन दिया जाएगा। आरबीआई ने इस साल जून में मौद्रिक नीति समीक्षा में कहा था कि प्राथमिक क्षेत्र को कर्ज के तहत तय लक्ष्यों को मार्च 2023 तक पूरा करने वाले शहरी सहकारी बैंकों को उपयुक्त प्रोत्साहन दिया जाएगा। आरबीआई ने शुक्रवार को लगातार चौथी बार नीतिगत दर रेपो को 6.5 प्रतिशत पर बरकरार रखा। इसका मतलब है कि मकान, वाहन समेत विभिन्न कर्जों पर मासिक किस्त (ईएमआई) में कोई बदलाव नहीं होगा।

अब यूएई में बैठे-बैठे मोबाइल से भारत भेज सकते हैं पैसे, 53 लाख भारतीयों को होगा फायदा

नई दिल्ली ।
संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में रहने वाले भारतीय अब वहां से भारत में मोबाइल फोन के जरिये रकम भेज सकेंगे। वे घरेलू एटीएम कार्ड से ही वहां पर एटीएम से पैसे निकाल सकेंगे और पॉइंट ऑफ सेल (पीओएस) के साथ ई-कॉमर्स से लेनदेन कर सकेंगे।

भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने बृहस्पतिवार को यूएई के अल एतिहाद पेमेंट्स से करार किया है। इससे यूएई में रह रहे करीब 35 लाख भारतीयों को फायदा होगा। ये लोग सालाना 20 अरब डॉलर भारत में भेजते हैं। यूएई में 23 लाख भारतीय संगठित क्षेत्रों में नौकरी करते हैं। इन लोगों के पास यहां बैंकिंग सुविधा नहीं है और ये अर्थव्यवस्था की मुख्यधारा से भी बाहर हैं। लाभार्थी पहचानकर्ता (मोबाइल नंबर वीपीए) का उपयोग करके भारत की तरह निर्बाध लेनदेन कर सकेंगे। दोनों देशों के उपयोगकर्ताओं के लिए वास्तविक समय पर सीमा पार रकम भेजने की कम लागत होगी। इससे ग्राहक लगने वाले शुल्क को दोनों देशों की मुद्राओं में देख सकेंगे। कार्ड स्विच को एक दूसरे से जोड़ने से कार्डधारक एटीएम, पीओएस टर्मिनलों और ई-कॉमर्स लेनदेन पर एक-दूसरे के अधिकार क्षेत्र में घरेलू कार्ड का उपयोग कर सकेंगे। समझौते के तहत भारत के यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) और यूएई के इंस्टेंट पेमेंट्स प्लेटफॉर्म (आईपीपी) को एक साथ जोड़ा जाएगा, ताकि दो देशों के बीच सीमा पार लेनदेन को अधिक आसानी से किया जा सके। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत और यूएई रुपये एवं दिरहम में कारोबार को बढ़ाने की संभावनाएं तलाश रहे हैं। इससे द्विपक्षीय व्यापार को काफी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा, हमने रुपये-दिरहम व्यापार को और बढ़ाने पर विचार किया है। इसे यूएई के केंद्रीय बैंक और आरबीआई के प्रयासों से चलाया जा रहा है। निवेश पर भारत-यूएई के उच्चस्तरीय कार्यबल की 11वीं बैठक में शामिल होने यहां आए गोयल ने कहा, उद्योग व बैंकरों के साथ मिलकर रुपये-दिरहम व्यापार को और अधिक तेजी से बड़े पैमाने पर संचालित करने के लिए काम किया जाएगा। गोयल ने अबू धाबी निवेश प्राधिकरण के एमडी शेख हमीद बिन जायद अल नाहयान संग अध्यक्षता की।

बच्चों की देखभाल के लिए आया की तलाश, वेतन 80 लाख रुपए,अमेरिकी राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार रामास्वामी का ऑफर

वॉशिंगटन ।
अमेरिकी राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार विवेक रामास्वामी कथित तौर पर अपने बच्चों की देखभाल के लिए एक आया यानि की बच्चों की देखभाल करने वाली नैनी की तलाश कर रहे हैं। भारतीय मूल के रिपब्लिकन का विवाह अपूर्वा टी रामास्वामी से हुआ है। दंपति के दो बेटे हैं। एक वेबसाइट के अनुसार विवेक रामास्वामी नैनी की नौकरी के लिए 100,000 या अधिक (80 लाख) का वेतन दे रहे हैं। एक खबर के अनुसार ये जॉब एक वेबसाइट पर लिस्ट की गई है। जॉब के डिस्क्रिप्शन में फैमिली एडवेंचर्स में शामिल होते हुए बच्चों की ग्रोथ और डेवलपमेंट में योगदान देना होगा। नैनी को विकली रोटेशनल शेड्यूल के हिसाब से काम करना होगा और हफ्ते में 1 दिन की छुट्टी बी दी जाएगी। विज्ञापन के अनुसार नैनी को हर हफ्ते ट्रैवल भी करना पड़ेगा, विकली फैमिली ट्रैवल, प्राइवेट फ्लाइट ट्रैवल और रेगुलर बेस पर ट्रैवल शामिल है। जॉब की डिस्क्रिप्शन में दी जानकारी के मुताबिक नैनी को उनके हाउसहोल्ड स्टाफ का हिस्सा बनना होगा, जिसमें एक हाउसकीपर, सेफ, प्राइवेट सिक्योरिटी और अन्य नैनी शामिल हैं। इस जॉब के लिए उम्मीदवार की उम्र कम से कम 21 साल होनी चाहिए और उनके पास इससे जुड़ी नौकरी का एक्सपीरियंस भी होना चाहिए। इसके अलावा नैनी को एक नॉन डिसक्लोजर एग्रीमेंट भी साइन करना होगा।

बैंक सरप्लस फंड का इस्तेमाल ऋण देने में करें एमपीसी के बाद आरबीआई गवर्नर ने बैंकों से ये कहा

नई दिल्ली ।
आरबीआई भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने एमपीसी की बैठक के बाद बैंकों को सलाह दिया है कि वे अपने सरप्लस फंड का इस्तेमाल ऋण देने में करें। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि है कि बैंकों को एसडीएफ (स्थायी जमा सुविधा) में अपेक्षाकृत कम आकर्षक दरों पर धन जमा करने के बजाय अंतरबैंक कॉल मनी बाजार में ऋण देने के अवसर तलाशने चाहिए। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने बताया कि एसडीएफ के तहत पर्याप्त धन के बीच एमएसएफ (सीमांत स्थायी सुविधा) उधारी का ऊंचा स्तर बैंकिंग प्रणाली की लिक्विडिटी में विषमता की ओर इशारा करता है। उन्होंने कहा, बैंकों का एक समूह एसडीएफ में हर दिन एक लाख करोड़ रुपये से अधिक जमा कर रहा है। कभी-कभी यह 1.1 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो जाता है। कई अन्य बैंक भी हैं जो आरबीआई के एमएसएफ से इतनी ही राशि उधार ले रहे हैं। उन्होंने कहा, इसलिए जाहिर तौर पर बैंकिंग प्रणाली में नकदी का वितरण विषम है। यह भारित औसत कॉल दर/डब्ल्यूएसीआर (जो मौद्रिक नीति का परिचालन लक्ष्य है) की मजबूती में परिलक्षित होता है। टर्म स्ट्रक्चर के शॉर्ट-एंड में इस तरह की सख्ती के बावजूद, जी-सेक मार्केट में औसत टर्म स्प्रेड (10-वर्षीय जी-सेक माइनस 91-दिन टी-बिल) अगस्त और सितंबर में लगभग 40 आधार अंक पर रहा, जो स्थिर वित्तीय स्थितियों की ओर इशारा करता है। उन्होंने कहा कि हाल के महीनों में बैंकों ने 14 दिन के मुख्य वीआरआरआर (परिवर्तनीय दर रिवर्स रेपो) परिचालन में धन की पेशकश करने के बजाय ओवरनाइट एसडीएफ के तहत धन रखने को प्राथमिकता दी है। दास ने कहा, यह जरूरी है कि बैंक रिजर्व मेंटेनेंस साइकल पर अपनी वास्तविक नकदी जरूरतों का आकलन करें और आरबीआई के मुख्य 14 दिवसीय वीआरआरआर परिचालन के तहत नीलामी में उसी के अनुसार बोली लगाएं।

चार साल से एक ही पॉइंट पर अटकी सरकारी कर्मियों के जीपीएफ की ब्याज दर, लगातार 16वीं तिमाही में 7.1 फीसदी

नई दिल्ली।
केंद्र सरकार ने 2023 की अक्तूबर-दिसंबर तिमाही के लिए सामान्य भविष्य निधि जीपीएफ की ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया है। पिछले चार वर्षों से ब्याज दरें एक ही पॉइंट पर अटकी हैं। यह लगातार 16वीं तिमाही है, जब जीपीएफ की ब्याज दर 7.1 फीसदी पर रहेगी। इससे पहले जुलाई-सितंबर 2023-24 की तिमाही में भी जीपीएफ की ब्याज दर 7.1 फीसदी रही थी।

कर्मियों को ब्याज दरों में बदलाव होने की उम्मीद थी

वित्त मंत्रालय के आर्थिक कार्य विभाग ने चार अक्तूबर को अक्तूबर-दिसंबर तिमाही के दौरान जनरल प्रोविडेंट फंड और मिलते जुलते प्रोविडेंट फंड के लिए ब्याज दरें घोषित की हैं। सरकारी कर्मियों को इस बार जनरल प्रोविडेंट फंड की दरों में बदलाव होने की उम्मीद थी, लेकिन वित्त मंत्रालय ने ब्याज की दरों में किसी तरह का कोई बदलाव नहीं किया है। लंबे समय से ब्याज दरों को स्थिर रखा गया है।

कोरोना के दौरान भी नहीं बढ़ाई गई दरें

वर्ष 2021-22 के दौरान सामान्य भविष्य निधि तथा उसी प्रकार की अन्य निधियों के अभिदाताओं की कुल जमा रकमों पर दी जाने वाली ब्याज दर एक जुलाई 2021 से लेकर सितंबर 2021 तक 7.1 फीसदी रखी गई थी। आर्थिक कार्य विभाग के 19 अप्रैल 2021 को जारी संकल्प में भी सामान्य भविष्य निधि की राशि पर ब्याज दर 7.1 फीसदी तय की गई थी। उस वक्त देश में कोरोना की दूसरी लहर ने अपना कहर बरपा रखा था। तब केंद्रीय कर्मियों का महंगाई भत्ता भी 18 माह से रोका गया था। इसी वजह से कर्मियों को यह उम्मीद थी कि सरकार जीपीएफ की राशि पर मिलने वाले ब्याज की दरों में बढ़ोतरी करेगी, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हो सका।

इन विभागों में लागू होती हैं दरें

ये दरें सामान्य भविष्य निधि (केंद्रीय सेवाएं), अंशदायी भविष्य निधि (भारत), अखिल भारतीय सेवा भविष्य निधि, राज्य रेलवे भविष्य निधि (रक्षा सेवाएं), भारतीय आयुद्ध विभाग भविष्य निधि, भारतीय आयुद्ध कारखाना कामगार भविष्य निधि, भारतीय नौसेना गोदी कामगार भविष्य निधि, रक्षा सेवा अधिकारी भविष्य निधि और सशस्त्र सेना कार्मिक भविष्य निधि पर लागू होती हैं। जीपीएफ में जमा कर्मियों की राशि पर बैंकों के मुकाबले ब्याज अधिक मिलता है, इसलिए बहुत से कर्मचारी अपना शेयर बढ़ा देते हैं। जीपीएफ में ज्यादा वेतन इसलिए कटवाया जाता था, ताकि कर्मचारी अपनी बड़ी जरूरत के समय इसका इस्तेमाल कर सकें।

अब वार्षिक योगदान की सीमा 5 लाख रुपये तय

कर्मचारी अपने जीपीएफ में से 90 फीसदी राशि निकाल सकते हैं। हालांकि इस लेकर नियम-शर्तें बदलती रहती हैं। बच्चों की शिक्षा, शादी, घर बनाना या उसके लिए प्लाट खरीदना, फ्लैट लेना है, पुश्तैनी मकान की रिपेयर करानी है और घर का लोन चुकाना है, जैसे कामों में जीपीएफ राशि काम आ जाती है। पिछले साल केंद्र सरकार ने एक वित्त वर्ष में जनरल प्रोविडेंट फंड में वार्षिक योगदान की सीमा 5 लाख रुपये तय कर दी थी। नए प्रावधान के अनुसार, एक वित्त वर्ष में जीपीएफ खाते में जमा की गई कुल राशि पांच लाख रुपये से ज्यादा नहीं हो सकती है।

पेरिस फैशन वीक से ऐश की कई तस्वीरें आईं सामने

मुंबई (ईएमएस)। एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय बच्चन इन दिनों पेरिस फैशन वीक 2023 में हिस्सा लेने के लिए पेरिस में हैं। फैशन वीक से ऐश की कई तस्वीरें सामने आईं हैं जो इस समय इंटरनेट पर तहलका मचा रही हैं। यह वॉक एफिल टॉवर के पास रनवे के पास हुई। लुक की बात करें तो ऐश्वर्या गोल्डन कलर के गाउन में ग्लैमरस लग रही हैं। गया था। इस-के साथ उन्होंने केप पेयर की थी जो उनके लुक को और भी ग्लैमरस बना था। एक्ट्रेस ने ग्लैम मेकअप और ओपन हेयर्स से लुक को पूरा किया था। रैंप के दौरान कैमरे के सामने पोज देते हुए वह फ्लाइंग किस और विंक करती हुई भी नजर आईं जो उनके फैंस के लिए काफी सरप्राइ-जिंग था। इससे पहले ऐश फ्रांसीसी कॉस्मेटिक कंपनी लोरियल की इंडियन ब्रांड एंबेसडर होने के नाते प्रेस मीट में अपनी पहली उपस्थिति दर्ज की थी। इवेंट के पहले दिन के लिए ऐश्वर्या ने ऑल-ब्लैक लुक चुना था।

उन्होंने अपनी ट्यूल ड्रेस के साथ एम्बेलिश्ड कोट पेयर किया था। विंग्ड आईलाइनर, ग्लॉसी लिप्स, ब्लश्ड चीक्स, हाईलाइटेड चीकबोन्स, खुले बालों और बूट्स के साथ अपने लुक को पूरा करते हुए एक्ट्रेस ने बॉस-लेडी वाइब्स बिखेरी थीं। ऐश की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। फैंस उनकी इन तस्वीरों को काफी पसंद कर रहे हैं। बता दें कि ऐश्वर्या इंडस्ट्री की खूबसूरत और टैलेंटेड एक्ट्रेसेस में से एक हैं। बच्चन खानदान की बहू की खबसूरती के चर्चे आज भी वैसे ही हैं जैसे 90 के दशक में हुआ करते थे।

इलियाना ने शेयर की नन्हें बेटे की तस्वीर

-फैंस को भा रही बेटे कोआ की यह तस्वीर

मुंबई (ईएमएस)। एक बार फिर बालीवुड एक्ट्रेस इलियाना डिक्रूज ने अपने नन्हें बेटे कोआ की एक प्यारी सी तस्वीर शेयर की है जो इस समय इंटरनेट पर छाई हुई है। दरअसल, 1 अक्टूबर 2023 को कोआ 2 महीने के हो गए हैं, ऐसे में एक्ट्रेस ने इस मौके पर एक प्यारी फोटो शेयर की है। सामने आई तस्वीर में लविंग मॉम इलियाना को अपने बच्चे को गोद में लिए हुए देखा जा सकता है। वहीं कोआ भी अपनी मां के कंधों पर सिर रखे सकून से सोए हैं। लुक की बात करें तो कोआ धारीदार शर्ट में नन्हा बच्चा बहुत प्यारे लग रहे हैं। तस्वीर शेयर करते हुए इलियाना ने लिखा, 2 महीने पहले ही इससे पहले 5 अगस्त 2023 को इलियाना ने अपने इंस्टा हैंडल पर अपने बेटे की पहली तस्वीर शेयर की थी, जिसमें न्यूबार्न बेबी शांति से सोया नजर आ रहा था। इस तस्वीर के साथ की एक्ट्रेस ने अपने लाडले के यूनीक नाम का खुलासा किया था। तस्वीर शेयर कर इलियाना ने लिखा था-शब्दों में यह नहीं बताया जा सकता कि हम अपने प्यारे बेबी बॉय का दुनिया में स्वागत करते हुए कितने खुश हैं। दिल बहुत भरा हुआ है। इलियाना ने लंबे समय तक अपने बच्चे के पिता के बारे में चुप रहने के बाद 17 जुलाई 2023 कोपहली बार अपने बॉयफ्रेंड के साथ कुछ प्यारी तस्वीरें शेयर की थीं। इलियाना ने अपनी डेट नाइट के कुछ पल साझा करते हुए फैंस से अपने मिस्ट्री मैन को इंट्रोड्यूस कराया था। तस्वीरों में इलियाना रेड कलर की ड्रेस में बहुत खूबसूरत लग रही थीं जबकि माइकल ब्लैक शर्ट में नजर आ रहे थे। सेल्फी क्लिक करते समय एक्ट्रेस ने अपना सिर माइकल के कंधों पर रखा हुआ था। बता दें कि इलियाना डिक्रूज इन दिनों अपनी मदरहुड लाइफ को एंजाय कर रही हैं। इलियाना के घर इसी साल 1 अगस्त को अपने पार्टनर माइकल डोलन संग एक प्यारे से बच्चे का स्वागत किया। कपल के घर बेटे की किलकारी गूंजी जिसका नाम उन्होंने कोआ फीनिक्स डोलन रखा। इलियाना अक्सर अपने लाडले संग क्यूट तस्वीरें शेयर करती हैं।

संगीत से मिलती है प्रेरणा : वाणी कपूर

अभिनेत्री वाणी कपूर ने कहा, मुझे संगीत हमेशा से पसंद रहा है। हाल ही में न्यूयॉर्क की यात्रा के दौरान मुझे लगातार कुछ लोकप्रिय संगीत कार्यक्रम देखने का मौका मिला। बता दें कि हाल ही में वाणी कपूर ब्रॉडवे के ओपेरा संगीत को देखने के लिए न्यूयॉर्क शहर गई थी। अपनी अमेरिका यात्रा के दौरान, वॉर अभिनेत्री ने स्वीकार किया कि उन्हें हमेशा से संगीत पसंद रहा है और वह उसे बहुत प्रेरणादायक मानती हैं। उन्होंने आगे कहा, एक लाइव नाटक या संगीत इतना आकर्षक होता है कि प्रत्येक क्षण को मंच पर इतनी अच्छी तरह से निखारा जाता है कि इसे कभी दोहराया नहीं जा सकता। मैंने हमेशा हल्का, खुश महसूस किया है और मैं इससे रचनात्मक रूप से प्रेरित हुई हूं। अपने बयान में उन्होंने कहा, ब्रॉडवे थिएटर में लाइव दर्शकों के साथ रहने की ऊर्जा खास है। ब्रॉडवे शो में वापस जाना जादू के लिए वापस जाने जैसा है, जो हर पल को वास्तव में अद्भुत और अद्वितीय बनाता है। ब्रॉडवे पर उन्होंने जो संगीत कार्यक्रम देखे उनमें एक भव्य प्रस्तुति में लोकप्रिय एनिमेटेड फीचर अलादीन का थिएटर प्रदर्शन शामिल था। यह दृश्यात्मक रूप से आश्चर्यजनक निर्माण मनोरंजक ढंग से माइम से प्रेरित है, जहां पात्र दर्शकों से सीधे बात करते हैं। उन्होंने उसके एक दिन बाद संगीतमय सिक्स देखी, जिसे सिक्स : ए पॉप कॉन्सर्ट के नाम से भी जाना जाता है, क्योंकि यह संगीत पॉप कॉन्सर्ट शैली में प्रस्तुत किया गया था। उनका अंतिम संगीतमय प्रोग्राम टोनी पुरस्कार विजेता प्रोडक्शन एमजे के साथ पूरा हुआ। यह शो मशहूर डांस आइकन और किंग ऑफ पॉप माइकल जैक्सन के शानदार जीवनकाल के मार्मिक क्षणों और क्लासिक गानों से भरपूर है। वाणी कपूर दो अलग-अलग परियोजनाओं में मुख्य भूमिका निभाती नजर आएंगी।

मां के हाथ का सिंधी खाने का आनंद लिया कियारा ने

अपनी मां द्वारा बनाए गए घर के बने सिंधी भोजन का आनंद एक्ट्रेस कियारा आडवाणी ने लिया। बीते दिनों कियारा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर अपनी मां द्वारा बनाए गए भोजन से भरी एक प्लेट पोस्ट की। तस्वीर में उन्होंने लिखा, सिंधी करी आलू, भिंडी फ्राई। कभी-कभी आपको बस मां के घर का खाना ही चाहिए होता है। अपने काम के बारे में बात करते हुए, कियारा वर्तमान में अपनी लेटेस्ट रिलीज सत्यप्रेम की कथा की सफलता का आनंद ले रही हैं, जिसमें उन्हें एक्टर कार्तिक आर्यन के साथ स्क्रीन स्पेस शेयर करते देखा गया था। एक्ट्रेस अगली बार राम चरण के साथ गेम चेंजर में दिखाई देंगी, जो एक राजनीतिक एक्शन थ्रिलर फिल्म है। यह एस. शंकर द्वारा निर्देशित उनकी पहली तेलुगु निर्देशित फिल्म है और कार्तिक सुब्बाराज द्वारा लिखित है। फिल्म में अंजलि, एस जे सूर्या, जयराम, सुनील, श्रीकांत, समुथिरकानी और नासर भी हैं। फिल्म की घोषणा फरवरी 2021 में अनटाइटल आरसी15 के साथ की गई थी और अक्टूबर 2021 में इसका निर्माण शुरू हुआ।

घोस्ट में नजर आयेंगे अनुपम खेर

दक्षिण भारतीय फिल्म घोस्ट का ट्रेलर हिंदी में आउट हो गया है। ट्रेलर ने रिलीज के साथ ही फैंस को फिल्म के लिए एक्साइट कर दिया है। फिल्म इसी साल 19 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी। कन्नड़ सुपरस्टार शिव कुमार के साथ घोस्ट में अनुपम खेर भी अहम किरदार अदा करते दिखाई देने वाले हैं। एक्शन पैक्ड फिल्म घोस्ट के ट्रेलर ने फिल्म को लेकर दर्शकों की एक्साइटमेंट बढ़ा दी है। फिल्म में लीड रोल निभाने वाले शिवकुमार एक गैंगस्टर के किर-दार में दिखाई देने वाले हैं जो जेल पर कब्जा करने वाले हैं। वहीं अनुपम खेर का किरदार भी बेहद खास होने वाला है। शिव राजकुमार की पैन इंडिया फिल्म घोस्ट सैंडलवुड की अगली बड़ी फिल्म है। फिल्म को ब्लॉकबस्टर हिट बीरबल फेम श्रीनी ने डायरेक्ट किया है। शिव कुमार और अनुपम खेर के अलावा फिल्म में जयराम, प्रशांत नारायणन, अर्चना जोइस, सत्य प्रकाश भी नजर आएंगे। ट्रेलर में शिवकुमार का एक्शन से भरपूर अवतार दिखाया गया है। इस तरह एक बार फिर वे स्क्रीन पर धमाल मचाने के लिए तैयार हैं। वहीं अनुपम खेर शिवकुमार के साथ लीड रोल प्ले करते दिखाई दे सकते हैं। अनुपम खेर की बात करें तो वे हाल ही में विवेक अग्निहोत्री की फिल्म द वैक्सीन वॉर में दिखाई दिए। उनकी फिल्म 28 सितंबर को थिएटर्स में रिलीज हुई थी जिसमें उनके साथ नाना पाटेकर, रायमा सेन, पल्लवी जोशी और गिरीजा ओक जैसे स्टार्स दिखाई दिए।

लाहौर, 1947 में सनी देओल मुख्य भूमिक निभाएंगे

निर्देशक राजकुमार संतोषी ने आगामी फिल्म लाहौर 1947 के लिए अभिनेता आमिर खान और सनी देओल से हाथ मिलाया है। यह अपकमिंग फिल्म आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बनाई जाएगी। आमिर खान के साथ सनी देओल, राजकुमार संतोषी भी इस प्रोजेक्ट में साथ काम कर रहे हैं। बयान में कहा गया, राज कुमार संतोषी द्वारा निर्देशित सनी देओल अभिनीत फिल्म लाहौर 1947 की घोषणा करते हुए बेहद उत्साहित और खुश हैं। हम बेहद प्रतिभाशाली सनी और मेरे पसंदीदा निर्देशकों में से एक राज संतोषी के साथ सहयोग करने के लिए उत्सुक हैं। हमने जो यात्रा शुरू की है वह सबसे समृद्ध होने का वादा करती है। हम आपका आशीर्वाद चाहते हैं। आमिर इस फिल्म का निर्माण आमिर खान प्रोडक्शंस के तहत कर रहे हैं, जबकि राजकुमार संतोषी इस परियोजना का निर्देशन करेंगे। फिल्म में मुख्य अभिनेता के तौर पर सनी देओल लीड रोल में होंगे। राजकुमार संतोषी और सनी देओल इससे पहले घायल, दामिनी, और घातक के रूप में बॉक्स ऑफिस पर तीन हिट फिल्में दे चुके हैं। अंदाज अपना अपना के बाद आमिर खान और राजकुमार संतोषी लाहौर, 1947 में साथ नजर आएंगे दिलचस्प बात यह है कि यह फिल्म आमिर खान प्रोडक्शंस की 17वीं फिल्म होगी। आमिर खान प्रोडक्शंस ने इसकी घोषणा सोशल मीडिया पर की।

श्रीदेवी की मौत पर खुलासा, क्रेश डाइट की वजह से बाथरूम में गिरीं

मुंबई (ईएमएस)। अभिनेत्री श्रीदेवी की मौत पर बोनी कपूर ने खुद खुलासा करते हुए बताया कि क्रेश डाइट की वजह से वह बाथरूम में गिरीं थीं, और उनका एक दांत भी टूट गया था। बता दें कि श्रीदेवी के निधन के पांच साल बाद उनके पति और बॉलीवुड फिल्मों के डायरेक्टर बोनी कपूर ने एक इंटरव्यू के दौरान यह खुलासा किया है। 24 फरवरी, 2018 को दिग्गज अभिनेत्री श्रीदेवी का निधन हो गया जिसकी खबर सुनते ही पूरे देश में सन्नाटा पसर गया। इतना ही नहीं उनकी असामयिक मृत्यु ने न केवल मनोरंजन उद्योग को बल्कि पूरे देश को सदमे में डाल दिया। बोनी कपूर ने कहा कि वह अक्सर भूखी रहती थीं; वह अच्छी दिखना चाहती थी। वह यह सुनिश्चित करना चाहती थी कि वह अच्छी स्थिति में रहे, ताकि स्क्रीन पर वह अच्छी दिखे। उन्होंने कहा कि जब से उनकी मुझसे शादी हुई थी, तब से उन्हें कुछ मौकों पर ब्लैकआउट की समस्या हुई और डॉक्टर कहते रहे कि उन्हें लो बीपी की समस्या है। उन्हें ये दिक्कत नमक ना लेने से होती थी। बोनी कपूर ने कहा कि मैंने इसके बारे में बात न करने का फैसला किया था क्योंकि जब मुझसे जांच और पूछताछ की जा रही थी, तो मैंने लगभग 24 या 48 घंटों तक इसके बारे में बात की थी। अधिकारियों का कहना था कि हमें ऐसा इसलिए करना पड़ा क्योंकि भारतीय मीडिया का बहुत दबाव था। मैं सभी टेस्ट से गुजरा, जिसमें लाई डिटेक्टर टेस्ट और अन्य सभी चीजें शामिल थीं। बोनी कपूर ने बताया कि श्रीदेवी की मौत के बाद नागार्जुन उनके घर आए थे।

सबा आजाद ने अपने को साबित किया : ऋतिक

बालीवुड अभिनेता ऋतिक रोशन ने वेब सीरीज में अपनी गर्लफ्रेंड सबा आजाद के काम की भरपूर प्रशंसा की है ओर उसके अभिनय को अद्भुत बताया। एक्टर कहा कि उन्हें इस पर गर्व है। वेब सीरिज हू इज योर गाइनैक? यह वह कहानी है जो सबा द्वारा निभाए गए मुख्य किरदार डॉ विदुषी के जीवन और एक नई स्त्री रोग विशेषज्ञ के रूप में जीवन में आने वाली चुनौतियों के इर्द-गिर्द घूमती है। यह शो फ्रेशर ओबी-जीवाईएन की यात्रा को बताता है, जो प्रोफेशनल और पर्सनल दोनों तरह से बैलेंस बनाने की कोशिश कर रही है। इंस्टाग्राम स्टोरीज पर ऋतिक ने अपनी गर्लफ्रेंड का समर्थन किया और एक कोलाज साझा किया, जिसमें सबा और अन्य स्टार कास्ट की तस्वीरें हैं। एक्टर ने एक नोट भी लिखा, यह दिल को छू लेने वाला शो है!

हमने सभी एपिसोड देखे, मैं इसे देखने से खुद को रोक नहीं सका। बढ़िया काम दोस्तों! पूरी टीम को बधाई! एक अन्य पोस्ट में, ऋतिक ने लिखाः हर अभिनेता तालियों का हकदार है। हंसी और आंसुओं के लिए धन्यवाद... और सबा आजाद, आप कितनी अद्भुत हैं। आपको इस पर बहुत गर्व होना चाहिए, इसके साथ उन्होंने रेड हार्ट वाला इमोजी शेयर किया। ऋतिक की पोस्ट का जवाब देते हुए, सबा ने रेड हार्ट वाला इमोजी के साथ कहाः धन्यवाद रो। द वायरल फीवर (टीवीएफ) द्वारा निर्मित यह शो अमेजन मिनी टीवी पर स्ट्रीम हो रहा है। ऋतिक ने 20 दिसंबर 2000 को सुजैन खान से शादी की और नवंबर 2014 में दोनों का तलाक हो गया। इस शादी से दो बेटे रेहान और ऋदान हैं। ऋतिक और सबा एक साल से ज्यादा समय से डेट कर रहे हैं।

बिपाशा-करण की जिंदगी में खुशियां लेकर आई नन्हीं परी

बालीवुड एक्ट्रेस बिपाशा बसु और करण सिंह ग्रोवर इस वक्त अपनी जिंदगी का सबसे अच्छा दौर जी रहे हैं। उनकी जिंदगी में नन्हीं सी बिटिया देवी खुशियां का भंडार लेकर आई हैं। ये कपल अक्सर अपनी लाडली के साथ क्वालिटी टाइम बिताते नजर आते हैं। अब हाल ही में बिपाशा-करण बेटी देवी के साथ लंच डेट पर स्पॉट हुए, जहां से उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं। सामने आई तस्वीरों में देखा जा सकता है कि बिपाशा और करण अपनी बेटी के साथ रेस्टोरेंट के बाहर पोज दे रही हैं। इस दौरान नन्हीं देवी अपनी मां की गोद ने नजर आ रही हैं, लेकिन तस्वीरों में उनका चेहरा नजर नहीं आ रहा। वहीं बिपाशा बसु इस दौरान स्काई ब्लू कलर की शर्ट के साथ शॉर्ट्स में कैजुअल लुक में नजर आ रही हैं। व्हाइट शूज के साथ उन्होंने अपने लुक को टीम-अप किया है। वहीं करण सिंह व्हाइट टी और डेनिम पैंट में नजर आ रहे हैं। बेटी के साथ पोज देते मम्मी-पापा का अंदाज देखते ही बन रहा है।

सूडोकु नवताल- 6575

कठिनतम

			2					4
			6					1
	5		8			2		3
		7					6	
	3					8		
1		6			3		7	
2					5			
8					4			

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6574 का हल

6	5	4	3	1	9	7	2	8
7	2	3	5	8	4	9	6	1
8	9	1	7	2	6	3	4	5
1	7	2	8	3	2	5	9	4
4	3	8	9	6	5	1	7	6
5	6	9	4	7	1	8	3	2
2	8	7	1	4	3	6	5	9
9	1	6	2	5	7	4	8	3
3	4	5	6	9	8	2	1	7

शब्दजाल - 7322

ची	दु	मे	रि	द्रो	णा	चा	र्य	न	प	क
न	र्यो	शा	प	इं	डो	भी	म	या	ड़	क
अ	ध	जा	स	र	ग	स	द	ह	प	न
जी	न	ल	पा	न	दू	स	न	ह	र्जु	ल
त	या	अ	सौ	न	जा	ला	न्यु	अ	प	दे
आ	यु	इ	मो	व	प	म	क	ह	यु	बां
ग	धि	ल	ह	च	भि	रि	पा	व	प	ग
र	ष्ठ	भा	त्क	अ	प	स	रा	ब्रा	वि	ला
क	र	ट्यो	तें	व	न	क	र्ण	शा	जू	दे
र	घ	ल	प	व	सिं	ल	स्र	अ	प	श
बां	स	ल	भी	ष्म	पि	ता	मा	ह	क	र

शब्द जाल में 10 योद्धाओं के नाम हैं, जिन्होंने महाभारत युद्ध लड़ा था. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

युधिष्ठर, घटोत्कच, अभिमन्यु, अर्जुन,भीम, दुर्योधन, भीष्म पितामाह, द्रोणाचार्य, कर्ण, दुशासन.

शब्दजाल - 7321 का हल

अष्टयोग - 6275

1	5		7		2	
	28		35		28	
7		2		3	1	5
	32		32		31	
6	3	1		2		
4	33		30	5	35	7
	2	7	4			3

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6274 का हल

2	1	3	7	6	5	4
1	22	7	38	5	41	3
3	4	1	2	7	6	5
7	32	6	30	3	35	2
6	3	2	5	4	1	7
4	32	5	30	2	24	1
5	3	4	7	1	2	6

Jagrutidaur.com, Bangalore

कमर दर्द के बावजूद प्रणय बैडमिंटन एकल के सेमीफाइनल में, पदक किया पक्का; सिंधू हार के साथ बाहर

हांगझोऊ ।

भारत के शीर्ष एकल खिलाड़ी एचएस प्रणय ने हांगझोऊ एशियाई खेलों में मलयेशिया के ली झी जिया को तीन गेम तक चले पुरुष एकल के रोमांचक क्वार्टर फाइनल में हराकर भारत के लिए बैडमिंटन का पदक सुनिश्चित किया।

कमर की चोट से जूझ रहे दुनिया के सातवें नंबर के खिलाड़ी प्रणय ने दुनिया के 16वें नंबर के खिलाड़ी जिया को 78 मिनट चले क्वार्टर फाइनल मुकाबले में 21-16 21-23 22-20 से हराया। प्रणय का पदक नई दिल्ली 1982 खेलों में सैयद मोदी के कांस्य के बाद एशियाई खेलों की पुरुष एकल स्पर्धा में भारत का पहला पदक है। यानी 41 साल बाद पदक मिला है। मैच में चिकित्सकीय मदद लेने वाले प्रणय ने निर्णायक गेम में दो मैच प्वाइंट बचाए और लगातार चार अंक के साथ गेम और मैच जीत लिया।

महिला एकल में सिंधू की चुनौती क्वार्टर फाइनल में टूटी – महिला एकल में पीवी सिंधू को हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू क्वार्टर फाइनल में चीन की ही बिंगजियाओ के खिलाफ सीधे गेम में शिकस्त के साथ एशियाई खेलों से बाहर हो गईं। दुनिया की 15वें नंबर की खिलाड़ी सिंधू को दुनिया की पांचवें नंबर की खिलाड़ी बिंगजियाओ के खिलाफ 47 मिनट में 16-21, 12-21 से हार का सामना करना पड़ा। सिंधू ने टोक्यो ओलंपिक में बिंगजियाओ को ही सीधे गेम में हराकर कांस्य पदक जीता था लेकिन चीन की खिलाड़ी ने अपनी सरजमीं पर जीत के साथ बदला चुकता किया और भारतीय खिलाड़ी से पिछले दो एशियाई खेलों के पदक के रंग को बेहतर करने का मौका छीन लिया।

सिंधू ने 2014 इंचियोन और 2018 जकार्ता एशियाई खेलों में क्रमशः कांस्य और रजत पदक जीता था। दोनों खिलाड़ियों ने पहले गेम में अच्छी शुरुआत की लेकिन बिंगजियाओ ने जल्द ही 9-5 की बढ़त बना ली। सिंधू को कोर्ट में मूवमेंट को लेकर जूझना पड़ रहा था। बिंगजियाओ ने भारतीय खिलाड़ी को पूरे कोर्ट पर दौड़ाया और फिर सटीक शॉट के साथ अंक जुटाए।

चीन की खिलाड़ी ने पहला गेम 23 मिनट में जीता। दूसरे गेम में भी सिंधू जूझती दिखी। बिंगजियाओ ने 5-1 की बढ़त बनाई। सिंधू की गलतियों पर चीन की खिलाड़ी ने दमदार स्मैश से कई अंक जुटाए। सिंधू ने हालांकि वापसी करते हुए स्कोर 8-9 किया लेकिन बिंगजियाओ ने लगातार तीन अंक के साथ 12-8 की बढ़त बना ली। चीन की खिलाड़ी को इसके बाद गेम और मैच जीतने में कोई परेशानी नहीं हुई।

न्यूज ब्रीफ

भारत के खिलाफ पहले मैच से बाहर हुए स्टोइनिस

चेन्नई । ऑस्ट्रेलियाई स्टार ऑलराउंडर मार्केस स्टोइनिस चोटिल हो गये हैं। ऐसे में स्टोइनिस रविवार को यहां

भारतीय टीम के खिलाफ होने वाले मुकाबले से तकरीबन बाहर हो गये हैं। स्टोइनिस का बाहर होना ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए एक करारा झटका है। टीम पहले ही अपने प्रमुख खिलाड़ियों की चोटों से जूझ रही है। ऑस्ट्रेलियाई टीम के कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड के अनुसार स्टोइनिस हैमस्ट्रिंग की चोट से परेशान हैं। ऐसे में उनके भारत के खिलाफ खेलने की संभावनाएं बेहद कम हैं। इस खिलाड़ी को पिछले महीने भारत के खिलाफ मोहाली में हुए पहले एकदिवसीय के दौरान चोट लग गई थी और तब से ही उन्होंने कोई मैच नहीं खेला है। मैकडोनाल्ड ने कहा कि वह (स्टोइनिस) अभ्यास मैचों में नहीं खेल पाए थे। वह भारत के खिलाफ पहले मैच के लिए तैयार था पर हमने जब अभ्यास सत्र लगाया तो पाया कि वह पूरी तरह फिट नहीं हैं। अभी हम एक और सत्र लगाएंगे अगर वह फिट नहीं हुआ तो नहीं खेलेंगे। साथ ही कहा कि ऑलराउंडर कैमरून ग्रीन अच्छी फॉर्म में हैं और पाकिस्तान के खिलाफ अंतिम अभ्यास मैच में भी उन्होंने टीम के लिए अहम भूमिका निभाई थी। हालाँकि, मैकडॉनल्ड्स ने कहा कि टीम का इरादा दोनों को बनाये रखने का है। विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया के शुरुआती गेम के लिए संभावित विकल्पों को लेकर मैकडोनाल्ड ने कहा कि हम जिस सतह पर हम खेलने जा रहे हैं, उसके आधार पर बल्लेबाजी लाइनअप या शीर्ष क्रम में बदलाव संभव है।

शुभमन डेंगु से संक्रमित होने के कारण विश्वकप के शुरुआती मैचों से बाहर हुए, ईशान कर सकते हैं पारी की शुरुआत

चेन्नई । भारतीय टीम के युवा सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल को डेंगू बुखार हो गया है। ऐसे में वह रविवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले पहले मुकाबले के अलावा एक दो अन्य मुकाबलों से भी बाहर हो गये हैं क्योंकि उन्हें ठीक होने में करीब एक सप्ताह लग सकता है। शुभमन को डेंगू होना भारतीय टीम के लिए एक करारा झटका है क्योंकि पिछले काफी दिनों से वह पारी की शुरुआत करते हुए बेहद सफल रहे हैं। ऐसे में अब रोहित शर्मा के जोड़ीदार के तौर पर शुभमन की जगह पर ईशान किशन को अवसर मिल सकता है। ईशान ने भी सलामी बल्लेबाज के तौर पर एकदिवसीय में दोहरा शतक लगाया है। वहीं बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा, शुभमन को चेन्नई पहुंचने के बाद से ही तेज बुखार है और उनकी जांच हो रही है। इसके बाद ही उनके आगे के मैचों में खेलने पर फैसला होगा। मेडिकल टीम ही सलाह से ही शुभमन के खेलने पर फैसला होगा। भारतीय टीम को 8 अक्टूबर के ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उतरना है। इसके बाद उसे 11 अक्टूबर को अफगानिस्तान से और फिर 14 अक्टूबर को पाकिस्तान से खेलना है। इन सभी मैचों से शुभमन बाहर हो सकते हैं। शुभमन पिछले दिनों ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में उतरे थे और उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया था। पहले मैच में उन्होंने 74 जबकि दूसरे मैच में 104 रन बनाए थे। वहीं तीसरे मैच से उन्हें आराम दिया गया था। ऐसे में उनका नहीं होना टीम को खलेगा। शुभमन के नहीं खेलने पर ईशान एक बेहतर विकल्प हो सकते हैं। ईशान पिछले दिनों मिडिल ऑर्डर में भी उतरे और अच्छा प्रदर्शन किया। ईशान ने अब तक एकदिवसीय की 22 पारियों में 44 की औसत से 886 रन बनाए हैं। जिसमें एक शतक और 7 अर्धशतक शामिल हैं। उसका सबसे अधिक स्कोर 210 रन है। इसके अलावा केएल राहुल भी पारी की शुरुआत कर सकते हैं।

रचिन रवींद्र ने दिलाई मुझे युवा युवराज सिंह की याद, पूर्व भारतीय कप्तान ने किया दावा

नई दिल्ली। अनिल कुंबले ने दावा किया है कि रचिन रवींद्र उन्हें युवा युवराज सिंह की याद दिलाते हैं।

रचिन रवींद्र ने वर्ल्ड कप 2023 के उद्घाटन मैच में इंग्लैंड के खिलाफ शानदार शतकीय पारी खेली। रचिन रवींद्र ने इंग्लैंड के खिलाफ शानदार शतक जमाया। केन विलियमसन की गैर-मौजूदगी में रवींद्र को तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिए भेजा गया। रचिन रवींद्र ने इस मौके को दोनों हाथों से भुनाया और केवल 96 गेंदों में नाबाद 123 रन की पारी खेली। रचिन रवींद्र ने न्यूजीलैंड को इंग्लैंड पर जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। रवींद्र ने डेवोन कॉनवे (152*) के साथ 200 से ज्यादा रन की साझेदारी की और 82 गेंदें शेष रहते लक्ष्य हासिल कर लिया। न्यूजीलैंड ने इस तरह वर्ल्ड कप 2023 में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। रचिन रवींद्र ने शतक जमाकर विशेष उपलब्धि हासिल की। वो उन चुनिंदा खिलाड़ियों के क्लब में शामिल हुए, जिन्होंने वर्ल्ड कप डेब्यू में शतक जमाया।

भारतीय क्रिकेट टीम एशियन गेम्स के फाइनल में

सेमीफाइनल में बांग्लादेश को 9 विकेट से हराया पाकिस्तान या अफगानिस्तान से होगा मैच

हांगझोऊ।

भारत ने एशियन गेम्स मेंस क्रिकेट इवेंट के फाइनल में जगह बना ली है। टीम इंडिया ने शुक्रवार को खेले गए सेमीफाइनल में बांग्लादेश को 9 विकेट से हरा दिया। भारत ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग का फैसला किया। बांग्लादेश की टीम 20 ओवर में 9 विकेट पर 96 रन ही बना सकी। जवाब में भारत ने 9.2 ओवर में एक विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया। तिलक वर्मा ने 26 गेंद पर नाबाद 55 रन की पारी खेली। उन्होंने 2 चौके और 6 छक्के जमाए। कप्तान ऋतुराज गायकवाड ने नाबाद 40 रन बनाए।

फाइनल में पाकिस्तान या अफगानिस्तान से हो सकती है भिड़ंत – फाइनल में भारत का सामना पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा। पाक और अफगान मैच खेला जाना है। फाइनल 7 अक्टूबर को होगा। भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका और बांग्लादेश को मेंस क्रिकेट इवेंट में सीधा क्वार्टर फाइनल में एंट्री मिली थी। तिलक वर्मा का नाबाद अर्धशतक तिलक वर्मा ने शानदार बैटिंग करते हुए अर्धशतक जड़ा। टीम इंडिया के लिए तिलक वर्मा ने नाबाद 55 रन बनाए। उन्होंने 26 गेंदों पर 6 छक्के और 2 चौके लगाए। ऋतुराज गायकवाड ने नाबाद 40 रन बनाए। वहीं, यशस्वी जयसवाल बिना खाता खोले ही आउट हो गए। बांग्लादेश की ओर से रिपन मंडल को एक विकेट मिला।

ऐसे गिरा भारत का पहला विकेट – यशस्वी जयसवाल- 0 रन: पहले ओवर की चौथी गेंद पर रिपन मंडल ने यशस्वी को मृत्युंजय चौधरी के हाथों कैच कराया।

साई किशोर ने लिए 3 विकेट – भारत ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग का फिसला किया। जाकिर अली 24 रन बनाकर नाबाद रहे। भारत की तरफ से आर साई किशोर ने सबसे ज्यादा तीन विकेट झटके। वॉशिंगटन सुंदर को दो विकेट मिले। अर्शदीप सिंह, तिलक वर्मा, डेब्यूटेंट शाहबाज अहमद और रवि बिश्नोई ने एक-एक विकेट लिया ।

ऐसे गिरे बांग्लादेश के विकेट

पहला: महमूद हसन – 5 रन: 5वें ओवर की दूसरी बॉल पर साई किशोन ने महमूद हसन को यशस्वी जायसवाल के हाथों कैच कराया। दूसरा: सैफ हसन- 1 रन: छठे ओवर की चौथी बॉल पर वॉशिंगटन सुंदर ने सैफ हसन को रिंकू सिंह के हाथों कैच कराया। तीसरा: जाकिर हसन-0 रन: छठे ओवर की आखिरी बॉल पर वॉशिंगटन सुंदर ने जाकिर हसन को जयशस्वी जायसवाल के हाथों कैच कराया। चौथा: परवेज हुसैन-23 रन: 9वें ओवर की चौथी गेंद पर तिलक वर्मा ने परवेज हुसैन को ऋतुराज गायकवाड़ के हाथों कैच कराया। पांचवां: शहदत हुसैन-5 रन- 10वें ओवर की तीसरी गेंद पर साईं किशोर ने शहदत हुसैन को तिलक वर्मा के हाथों कैच कराया। छठा : अफिफ हुसैन -7 रन, 13वें ओवर की चौथी गेंद पर साई किशोन ने अफिफ हुसैन को शिवम दुबे के हाथों कैच कराया। सातवां : मृत्युंजय चौधरी- 4 रन: 16वें ओवर की पांचवीं गेंद पर रवि बिश्नोई ने मृत्युंजय चौधरी को विकेट के पीछे जितेश शर्मा के हाथों कैच कराया। आठवां : रकीबुल हसन- 14 रन: 17वें ओवर की छठी गेंद पर शहबाज अहमद ने रकीबुल हसन को तिलक वर्मा के हाथों कैच कराया। नौवां: रिपन मंडल- 0 रन: 20वें ओवर की आखिरी गेंद पर अर्शदीप सिंह ने रिपन मंडल को रिंकू सिंह के हाथों कैच कराया।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

भारत: ऋतुराज गायकवाड (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, तिलक वर्मा, जितेश शर्मा, शिवम दुबे, रिंकू सिंह, वॉशिंगटन सुंदर, शाहबाज अहमद, साई किशोर, रवि बिश्नोई और अर्शदीप सिंह।

बांग्लादेश: सैफ हसन (कप्तान), परवेज हुसैन, महमूद हसन जॉय, जाकिर हसन, अफिफ हुसैन, शहदत हुसैन, जाकिर अली, रकीबुल हसन, मृत्युंजय चौधरी, हसन मुराद और रिपन मंडल।

19 साल की पहलवान अंतिम पंघाल ने जीता कांस्य, महिला कुश्ती में खुला खाता; पूजा-मानसी और चीमा हारे

हांगझोऊ ।

महिला रेसलिंग में भारत की नई स्टार अंतिम पंघाल ने 53 किलो भारवर्ग में भारत को कांस्य पदक दिलाया। भारतीय पहलवान ने पदक मुकाबले में मंगोलिया की बैट ओचिर बोलोरतुया को 3-1 से हराया। बैट ओचिर टोक्यो ओलंपिक की पदक विजेता हैं। यह 19वें एशियाई खेलों में कुश्ती में भारत का दूसरा पदक है। इससे पहले ग्रीको रोमन में सुनील ने पदक दिलाया था। वहीं, इन खेलों में महिला कुश्ती में भारत का पहला पदक है। अंतिम को एशियाई खेलों की टीम में तब शामिल किया गया था जब विनेश फोगाट चोट के कारण हट गईं थी।

इससे पहले अंतिम ने उज्बेकिस्तान की जैस्मिना को 11-0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी। 19 साल की अंतिम को दो बार की विश्व चैंपियन जापान की अकारी फुजिनामी के हाथों क्वार्टर फाइनल में हार मिली थी लेकिन उसके बाद रेपचेज दौर में भारतीय पहलवान ने वापसी करते हुए भारत को 12वें दिन कुश्ती में खाली हाथ लौटने से बचा लिया।

अंतिम के अलावा बाकी पहलवानों ने निराश किया। ग्रीको रोमन शैली में नरिंदर चीमा (97 भारवर्ग), नवीन (130) और पूजा गहलोत (50 भारवर्ग) अपने मुकाबले हारकर बाहर हो गए। चीमा को क्वार्टर फाइनल में कोरिया के ली ने 3-1 से पराजित किया।

नवीन को चीनी पहलवान ने 3-0 से हराया। पूजा गहलोत को कांस्य पदक के मुकाबले में एकटेंगे ने 9-2 से हराया। मानसी (57 भारवर्ग) को उज्बेकिस्तान की लेलोखन ने 70 सेकंड में चित कर दिया।

युवराज ने भारतीय टीम से कहा विश्वकप जीतें, हमें आप पर है भरोसा

नई दिल्ली ।

भारतीय टीम के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह का उम्मीद है कि भारतीय टीम इस बार विश्वकप जीतेगी। युवराज ने इसी को देखते हुए भारतीय टीम को अपना संदेश भी दिया। जिसमें उन्होंने खिलाड़ियों का हौंसला बढ़ाते हुए कहा कि हमें आप पर भरोसा है क्योंकि हम जानते हैं कि आज ये कर सकते हैं। यूवी की 2011 विश्वकप में भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका रही थी। युवराज ने उन्होंने 2011 विश्व कप का अनुभव याद करते हुए मौजूदा टीम से विश्व कप घर लाने की उम्मीदें जताई हैं।

युवराज ने सोशमी मीडिय पर लिखा, जैसा कि मैं विश्व कप 2011 के दौरान हमारी अविश्वसनीय यात्रा के बारे में सोचता हूं तो मैं पुरानी यादों को महसूस करने लगता हूं। घरेलू धरती पर अपने देश का प्रतिनिधित्व करने और विश्व कप को घर लाने की खुशी एक ऐसा क्षण था जिसे मैं हमेशा याद रखूंगा।

अब, हमारे क्रिकेट के दीवाने देश में विश्व कप की वापसी का माहौल है। वही प्यार, वही जुनून और करोड़ों दिलों से वही उम्मीदें हैं। मैंने प्रत्यक्ष रूप से देखा है कि उस ट्रॉफी को उठाने का एहसास कैसा होता है, और मैं चाहता हूं कि आप में से हर कोई उस उत्साह का अनुभव करे।

यह कड़ी मेहनत, समर्पण और टीम वर्क की यात्रा है और मुझे अपनी अविश्वसनीय भारतीय टीम पर पूरा भरोसा है। याद रखें, विश्व कप केवल एक खिताब जीतने के बारे में नहीं है; यह ऐसी यादें बनाने के बारे में है जो जीवन भर बनी रहती हैं। यह क्रिकेटरों की अगली पीढ़ी को प्रेरित करने के बारे में है, जैसे हम अपने से पहले के दिग्गजों से प्रेरित थे। पूरा देश आपके साथ मजबूती से खड़ा है जो आपके हर रन, हर विकेट और हर जीत पर जयकार करेगा। आप वहां जाओ और अपना सब कुछ झोंक दो। उस ट्रॉफी को एक बार फिर घर वापस ले आओ। हमें आप पर विश्वास है, और हम जानते हैं कि आप यह कर सकते हैं !

विश्वकप में भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत आठ अक्टूबर को चेन्नई में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबले से करेगी।

दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह बोले, सूर्यकुमार यादव भारत को जिता सकते हैं विश्वकप

मुम्बई ।

भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज स्पिनर रहे हरभजन सिंह ने कहा है कि विश्वकप में भारतीय टीम की जीत में आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव अहम भूमिका निभा सकते हैं। हरभजन ने कहा कि सूर्यकुमार के पास मैच पलटने की क्षमता है। हरभजन के अनुसार सूर्यकुमार आक्रामक बल्लेबाजी के कारण मैच में अंतर पैदा कर सकते हैं। सूर्यकुमार ने टी20 आई में जमकर रन बनाये है। ऐसे में भज्जी का मानना है कि अगर वह फार्म में रहे तो भारत को विश्व कप जिता सकते हैं। भारतीय टीम विश्वकप में अपने अभियान की शुरुआत 8 अक्टूबर को चेन्नई में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबले से करेगी।

हरभजन के अनुसार सूर्यकुमार को भारत की अंतिम ग्यारह में जरुर शामिल किया जाना चाहिये। उन्होंने कहा, सूर्यकुमार वह खिलाड़ी हैं जो अगर चल गये है, तो वह न सिर्फ आपको मैच जिताएंगे, बल्कि वह आपको टूर्नामेंट भी जिताएंगे। चयनकर्ता होता, तो मेरे पास दूसरे नंबर पर सूर्यकुमार होता, कप्तान के बाद मेरी टीम में खिलाड़ी। जब गेंद को हिट करने और सामान्य खेल खेलने की बात आती है तो हार्दिक पांड्या किसी भी अन्य खिलाड़ी की तरह अच्छे हैं। अगर मैं टीम प्रबंधन का हिस्सा होता तो मैं सूर्यकुमार को खेलता।

उन्होंने सूर्यकुमार की तुलना महान दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज एबी डिविलियर्स से की। हरभजन ने आगे कहा, मुझे नहीं पता कि यह उसके सूर्यकुमार के बारे में क्या है। मैं उसे गेंदबाजी करते हुए डरता था, लेकिन तब नहीं जब मैं अपने चरम पर था। वह मुझे एबी डिविलियर्स की याद दिलाता है। हमें उसके जैसे खिलाड़ी की जरूरत है, भले ही फ्लॉप हो जाएं, फिर भी मैं उन्हें बाकी मैचों में खिलाऊंगा। इसके अलावा शुभमन गिल भी भारत के लिए एक अहम खिलाड़ी रहेंगे।

2026 तक भारतीय फुटबॉल टीम के कोच बने रहेंगे इगोर स्टिमैक, दो साल के लिए बढ़ा कार्यकाल

नई दिल्ली ।

क्रोएशिया के इगोर स्टिमैक भारतीय फुटबॉल टीम के कोच 2026 तक बने रहेंगे। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने उनका कार्यकाल दो साल के लिए बढ़ा दिया। स्टिमैक की कोचिंग में भारतीय टीम इस साल तीन खिताब जीतने में कामयाब रही है। उन्हें इसका पुरस्कार मिला है। भारत के सीनियर पुरुष टीम के सहायक कोच महेश गवली को पुरुष अंडर-23 टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है।

स्टिमैक के अनुबंध के अनुसार, अगर भारत फीफा विश्व कप क्वालीफायर के तीसरे दौर के लिए क्वालीफाई कर लेता है तो उन्हें स्वचालित रूप से दो साल का विस्तार मिल जाएगा। फ्रांस में 1998 फीफा विश्व कप में तीसरे स्थान पर रहने वाली क्रोएशिया टीम के सदस्य स्टिमैक 2019 में भारत के कोच बने थे। उनकी कोचिंग में टीम इंडिया दो सैफ चैंपियनशिप सहित चार प्रमुख खिताब जीते हैं।

एआईएफएफ के महासचिव शाजी प्रभाकरन ने कहा, अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के सदस्यों ने हमारी राष्ट्रीय टीम के कोच इगोर स्टिमैक के अनुबंध को 2026 विश्व कप क्वालीफायर तक बढ़ाने का फैसला किया है। इस दौरान स्टिमैक और महेश गवली उनके साथ बैठे थे। हाल ही में स्टिमैक ने चीन के हांगझोऊ में एशियाई खेलों में भारतीय पुरुष टीम को प्री-क्वार्टरफाइनल तक पहुंचाया। 13 वर्षों में टीम इंडिया पहली बार ग्रुप दौर से आगे बढ़ने में सफल हुई थी।

स्टिमैक को पिछले हफ्ते सीनियर टीम के मुख्य कोच के रूप में दो और वर्षों के लिए नए कॉन्ट्रैक्ट की पेशकश की गई थी, जिसमें एआईएफएफ अध्यक्ष कल्याण चौबे ने अनुबंध विस्तार का प्रस्ताव रखा था। स्टिमैक ने कहा, मेरे आसपास स्थिर स्टाफ का होना महत्वपूर्ण है, मेरे आसपास अच्छे लोगों का होना भी महत्वपूर्ण है। इस बीच एआईएफएफ ने कहा कि आई-लीग 28 अक्टूबर से शुरू होने वाली है और कार्यक्रम जल्द ही जारी किए जाएंगे।

चोटिल मेसी विश्व कप क्वालीफायर के लिए अर्जेंटीना टीम में शामिल

ब्यूनस आयर्स। अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन ने बताया कि लियोनल मेसी को इस महीने के अंत में परागवे और पेरू के खिलाफ विश्व कप क्वालीफायर के लिए अर्जेंटीना की टीम में नामित किया गया है। अर्जेंटीना के कप्तान को एक अज्ञात मांसपेशी की चोट के बावजूद शामिल किया गया है, जिससे 36 वर्षीय इंटर मियामी फॉरवर्ड को मेजर लीग सॉकर क्लब के पिछले चार मैचों से बाहर रखा गया था। अर्जेंटीना के मैनेजर लियोनल स्कालोनी ने पांच अनकैप्ड खिलाड़ियों,मार्कोस पेलेग्रिनो, लुकास एस्क्विवेल, कार्लोस अल्करज, ब्रूनो जैपेली और फाकुंडो फारियास को बुलाया, लेकिन 34 सदस्यीय टीम में चोटों से उबर रहे एंजेल डी मारिया और लिसेंड्रो मार्टिनेज को शामिल नहीं किया गया है। अर्जेंटीना 12 अक्टूबर को ब्यूनस आयर्स में परागवे से और पांच दिन बाद लीमा में पेरू से भिड़ेगा। मौजूदा विश्व चैंपियन ने फुटबॉल के शोपीस टूर्नामेंट के 2026 संस्करण के लिए अपने क्वालीफाइंग अभियान की शुरुआत सितंबर में इक्वाडोर और बोलीविया पर जीत के साथ की थी।

बॉलीवुड ही नहीं ओटीटी पर भी हुमा छोड़ रहीं छाप

बॉलीवुड एक्ट्रेस हुमा कुरैशी आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। हुमा ने सिर्फ अपनी खूबसूरती ही नहीं बल्कि एक्टिंग से भी लोगों के दिलों में जगह बनाई है। गैंग्स ऑफ वासेपुर हो या फिर महारानी हर फिल्म में निभा चुकीं धमाकेदार रोल। इन दिनों हुमा ओटीटी पर आई फिल्म तरला को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। फिल्म में हुमा शेफ तरला का किरदार निभा रही हैं। हुमा बॉलीवुड के साथ-साथ अब ओटीटी पर भी राज कर रही हैं। आइए जानते हैं उन फिल्मों के बारे में जिससे हुमा ने जीते लाखों-करोड़ों फैंस के दिल। साल 2012 में आई फिल्म गैंग्स ऑफ वासेपुर से हुमा ने अपना बॉलीवुड डेब्यू किया था। दुनियाभर में हुमा की यह फिल्म हिट साबित हुई थी। फिल्म में एक्ट्रेस ने मोहसिना का किरदार निभाया था। एक्ट्रेस ने इस फिल्म से काफी लोगों का प्यार बटोरा था। फिल्म को आप सभी नेटफ्लिक्स और प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं। गैंग्स ऑफ वासेपुर के बाद एक थी डायन, बदलापुर, जॉली एलएलबी 2, बेल बॉटम, गंगूबाई काठियावाड़ी जैसी फिल्मों में नजर आईं टैलेंटेड हुमा कुरैशी। फिल्म बेल बॉटम में हुमा कुरैशी नेगेटिव रोल में नजर आई थीं। फिल्म में हुमा के रोल को काफी सराहना मिली थी। हुमा कुरैशी के अलावा अक्षय कुमार भी शानदार रोल निभाते नजर आए थे। थिएटर में रिलीज हुई इस फिल्म को अब आप अमेजन प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं। हुमा कुरैशी सस्पेंस और थ्रिल से भरपूर मोनिका ओ माय डार्लिंग में राजकुमार राव संग नजर आई थीं। इस कॉमेडी क्राइम फिल्म को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज किया गया था। फिल्म में हुमा, राजकुमार राव के अलावा राधिका आप्टे भी नजर आई थीं। ओटीटी प्लेटफार्म नेटफ्लिक्स पर आई हुमा कुरैशी की फिल्म डबल एक्सएल ने उनकी परफॉरमेंस पर चार चांद लगाए थे। फिल्म में बेहतरीन रोल निभाने के लिए हुमा ने 15 - 20 किलो तक का वजन बढ़ाया था। अपने बढ़ते वजन को लेकर हुमा कुरैशी काफी चर्चा में बनी रही थीं। डबल एक्सेल में हुमा के साथ सोनाक्षी सिन्हा मुख्य किरदार में नजर आई थी। साल 2019 में आई नेटफ्लिक्स सीरीज लीला में हुमा कुरैशी काफी खुबसुरत लग रहीं थी। सीरीज में एक्ट्रेस ने बेहद शानदार अभिनय किया था। वेब सीरीज में हुमा में शालिनी का किरदार निभाया था। आज भी लोगों को हुमा की वेब सीरीज को देखना पसंद है। वेब सीरीज महारानी में हुमा कुरैशी ने भोली-भाली *रानी भारती* का किरदार निभाया था। साधारण महिला के बाद सीएम का किरदार निभाकर हुमा ने हर किसी को हैरान कर दिया था। एक्ट्रेस की यह वेब सीरीज दर्शकों पर अपनी शानदार छाप छोड़ चुकी है। अब तक इस वेब सीरीज के दो सीजन आ चुके हैं। जी 5 पर रिलीज हो चुकी फिल्म तरला दलाल सेलिब्रिटी शेफ और फूड राइटर तरला दलाल की जिंदगी पर आधारित है। फिल्म में हुमा ने निभाया तरला दलाल का किरदार।

फिल्म को उनके चाहने वालों ने खूब पसंद किया है। बता दें सेलिब्रिटी शेफ तरला दलाल ने काफी कुकिंग पर किताबें लिखी हैं।

जरूरत से ज्यादा पानी पीने से हो सकता है साइड एफेक्ट्स

पानी का हमारे जीवन में बहुत महत्व है। भले हम बिना भोजन के एक दिन गुजार सकते हैं, लेकिन पानी के बिना गुजारना मुश्किल है। मानव शरीर में लगभग 70 प्रतिशत जल होता है। माना जाता है कि पानी शरीर से टॉक्सिक पदार्थों को निकालने में मदद करता है। स्वस्थ रहने के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी पीने की सलाह दी जाती है, लेकिन जरूरत से ज्यादा किसी भी चीज का सेवन सेहत के लिए हानिकारक होता है। जी हां, अगर आप अधिक मात्रा में पानी पीते हैं, तो यह आपके लिए खतरनाक साबित हो सकता है। हाल ही में अमेरिका में एक 35 साल की महिला की मौत अधिक पानी पीने के कारण हुई। एक रिपोर्ट के मुताबिक एशले समर्स चार जुलाई को अपने परिवार के साथ छुट्टियां मनाने गई थीं। इस दौरान समर्स को काफी तेज प्यास लगी और उन्होंने 20 मिनट में करीब चार बोतल पानी पी लिया, जिससे उनकी मौत हो गई। डॉक्टरों ने महिला की मौत की वजह वाटर टॉक्सिसीटि बताया। आइए जानते हैं, क्या है वाटर टॉक्सिसिटी और इससे जुड़ी जरूरी सभी बातें। वाटर टॉक्सिसिटी को मेडिकल भाषा में हाइपोनेट्रेमिया कहा जाता है। यह समस्या तब होती है, जब बहुत कम समय में ज्यादा पानी पीते हैं। ऐसे में किडनी में पानी अधिक मात्रा में जमा हो जाती है। दरअसल, जरूरत से ज्यादा पानी पीने के कारण शरीर में सोडियम का स्तर असंतुलित हो जाता है, जिसे वाटर टॉक्सिसिटी कहते हैं। सोडियम शारीरिक कार्यों के लिए काफी आवश्यक है। यह शरीर के कोशिकाओं के अंदर और बाहर तरल पदार्थों का संतुलन बनाए रखने में मदद करता है। वाटर टॉक्सिसिटी के लक्षणों को पहचानना काफी जरूरी हैं। शुरुआती लक्षणों में आम तौर पर आप अस्वस्थ महसूस कर सकते हैं। मतली, मांसपेशियों में ऐंठन, सिरदर्द अगर आपके शरीर में ये लक्षण तेजी से बढ़ रहे हैं, तो आपको तुरंत डॉक्टर से सलाह लेना चाहिए। बहुत कम समय में जरूरत से ज्यादा पानी पीने पर शरीर की सोडियम स्तर को नियंत्रित करने की क्षमता प्रभावित होती है। हालांकि वाटर टॉक्सिसिटी होने के अन्य कारण भी हो सकते हैं। जिनमें स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं, दवाएं और लाइफस्टाइल से जुड़ी अनहेल्दी आदतों के कारण भी यह समस्या हो सकती है। इसके अलावा, गर्मी से तुरंत आने के बाद ज्यादा पानी पीना खतरनाक हो सकता है। इससे वाटर टॉक्सिसिटी का जोखिम बढ़ सकता हैं। गर्मी के मौसम में लोगों को बहुत तेज प्यास लगती है। ऐसे में वे जरूरत से ज्यादा पानी पी लेते हैं। शरीर को हाइड्रेट रखने के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी पीना जरूरी है। कम समय में ज्यादा पानी पीना खतरनाक साबित हो सकता है।

आयुर्वेद के हिसाब से जानें क्या है ड्राई फ्रूट्स खाने का सही तरीका

सेहतमंद रहने के लिए कई सारे लोग कई सारे उपाय करते हैं। अच्छा खाना हेल्दी रहने के लिए बेहद जरूरी है। यही वजह है कि लोग अपनी डाइट में अलग-अलग चीजों का शामिल करते हैं। सूखे मेवे यानी ड्राई फ्रूट्स इन्हीं में से एक हैं, जिन्हें पोषण का पावरहाउस कहा जाता है। अपने गुणों से भरपूर होने की वजह से सेहत को कई सारे लाभ पहुंचाता है। इतनी ही नहीं आयुर्वेद के अनुसार, ड्राई फ्रूट्स को ऊर्जा और आवश्यक पोषक तत्वों का एक मूल्यवान स्रोत माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि ड्राई फ्रूट्स वात, पित्त और कफ को संतुलित करते हैं और पाचन को बढ़ाने में भी मदद करते हैं। सूखे मेवों को उनके स्वाद, शक्ति और दोषों पर प्रभाव के आधार पर वर्गीकृत किया गया है। आइए जानते हैं आयुर्वेद के मुताबिक क्या इन्हें खाने का सही तरीका-

बादाम : बादाम, खासकर जब भिगोए हुए और छिलका उतारे हुए, वात से पीड़ित लोगों के लिए पौष्टिक और बहुत फायदेमंद हो सकते हैं। पित्त वाले लोगों के लिए इन्हें भिगोकर खाना बेहतर होता है। वहीं, कफ वाले लोगों के लिए बादाम अपने कसैले गुणों के कारण ज्यादातकर मेवों से बेहतर हैं, लेकिन इन्हें सीमित मात्रा खाना चाहिए।

सूखे अंजीर : अंजीर पौष्टिक और मीठा होता है और वात से परेशान लोगों में वात की ड्राईनेस को संतुलित करने में मदद करता है। अंजीर थोड़ा गर्म हो सकता है, इसलिए पित्त वाले लोगों को इसका सेवन कम मात्रा में करना चाहिए। वे मीठे और काफी भारी भी होते हैं, जिसे ज्यादा मात्रा में खाने पर कफ को बढ़ सकता है।

काजू : वात प्रधान लोगों के लिए काजू काफी अच्छे हैं, क्योंकि वे वात के गुणों को संतुलित करने में मदद कर सकते हैं। हालांकि, पित्त प्रधान लोगों के लिए, ज्यादा मात्रा में काजू खाना हानिकारक हो सकता है, क्योंकि यग बहुत गर्म होता है।

OFFICE OF THE CHAIRMAN, STATE LEVEL POLICE RECRUITMENTBOARD, ASSAM
REHABARI, GUWAHATI-781008

ADVERTISEMENT
RECRUITMENT FOR VARIOUS POSTS UNDER ASSAM POLICE/F&ES/APRO/DGCD/PRISONS ETC.

In pursuance of ongoing efforts of Government of Assam to fill up vacancies in the Assam Police, DGCD, APRO, F&ES, Prison etc, post description and total number of posts as given below have been identified to be filled up in the current phase of recruitment.

Accordingly, Applications are invited for filling up of the posts which must be submitted online through the SLPRB website (www.slprbassam.in). The online Applications will be received with effect from 15-10-2023 and the last date of receiving Application will be 01-11-2023.

THERE IS NO APPLICATION FEE.

I. DETAILS OF POSTS FOR RECRUITMENT

Post description	Number of Posts
Boatman	58
Constable UB 114 and Constable AB Backlog 1	115
UB Constable 1645, AB Constable 2300 & UB Constable 1 in APRO	3946
Asstt. Deputy Controller, Civil Defence (Jr.) 1 and 12 Civil Defence Demonstrator/ Wireless Operator in DGCD and CGHG	13
SI AB for Assam Police Commando Battalion	51
Grade-IV in Assam Police (Cook 26, Barber 12, Water Carrier 3, Dhobi 11 & Cobbler 2) Grade -IV in Assam Police Commando Battalion (Cook 7, Barber 2, Water Carrier 24, Dhobi 13, Electrician 2, Plumber 1, Mason 1, Tailor 3) Grade- IV in DGCD & CGHG (Cook 19, Barber 3, Water Carrier 3, Dhobi 7 & Cobbler 3)	142
Cook (SDRF under Fire & Emergency Service in Assam)	10
Havilder (Non-Gazzetted, Grade-III)under Directorate of Civil Defence and Home Guard	2
Constable AB for Assam Police Commando Battalion	164
Nurse 1, Laboratory Technician 2, Teacher 4, Craft Instructor 2 and Tractor Operator 1 in Prison Department, Assam	10
Sub-Inspector (UB) in Assam Police	144
Sub-Inspector Communication in APRO	7
Driver Constable in Assam Police	654
Constable (Communication 204, Dispatch Rider 2, Messenger 2, Carpenter 2) in APRO	210
30 post SK in Assam Police and 2 nos. of SK in Assam Police Commando Battalion, 2 post of SK under Prison Department and 3 post of Sweeper under Directorate of Forensic Science.	37
	Total posts = 5563

Details on eligibility criteria, how to apply, etc are available at the website of SLPRB (www.slprbassam.in)

Sd/-Chairman
State Level Police Recruitment Board,
Assam Rehabari,Guwahati

Janasanyog /D/11558/ 23

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**